संसार का टूट कर बिखरना

आपका बहुत धन्यवाद भाई नेविल।

सुप्रभात दोस्तों। मैं आज सुबह बिस्तर पर चला गया, जिससे मैं फिर से उठू, सो मैं थोड़ा सा थका हुआ था। नहीं... मैं यहां पर आने की अपेक्षा में नहीं था। भाई शिकेरियन, जो फुल गोस्पल बिजनेसमैन है, वो इस गतिविधी के प्रेसिडेंट है, वो... उनकी पत्नी बहुत बीमार थी, और... और उसे अस्पताल ले जाया गया था।

2 और इस तरह अचानक से एक मनुष्य को उनके स्थान पर रखना था, इस तरह बडे काम के लिए, और कल के कन्वेंशन को संभालना था।

3 और भाई आर्गनब्राइट आये, और हम वहां पर ऊपर गए, और कल सुबह मैं चार बजे उठा, और हमें सिन्सिनटी के लिए निकालना था। और हमारा सारा दिन निकल गया। हम लगभग इस सुबह उजीयाले में पहुँच गए। और यह इस तरह होता गया, मेरा गला बैठ गया, लेकिन परमेश्वर के अनुग्रह से हम यहां पर हैं।

4 मैं सोचता हूं भाई आर्गनब्राइट ने इसे कर दिखाया। क्या आप यहाँ पर है भाई आर्गनब्राइट? वो अब भी मोर्फियस की बाँहों में अवश्य ही सुरक्षित होगा। आप नहीं जानते है मोर्फियस कौन था; एक रोमन मूर्तिपूजको का परमेश्वर, स्वपन का परमेश्वर।

5 इसलिए आप थोड़ा मेरे साथ बर्दाश्त करना आज की सुबह मेरा गला ख़राब हो गया है, और मैं कोशिश करूंगा कि आपको ज्यादा समय तक नहीं रोके रखूं।

6 आज की सुबह मेरा इस सभा को करने का उद्देश्य यह था क्योंकि... के लोगों की वजह से नहीं। अगले रविवार मैं मेरे क्रिसमस के संदेश को देने जा रहा था, यदि मैं—मैं देता, तब इससे शहर के बाहर के लोग आने लगते, इससे उनके क्रिसमस में बांधा आती, आप जानते हैं, वापस जाने पर। और इसलिए मैंने सोचा यह बहुत ही अच्छा होगा हम एक साथ इकट्ठा होते हैं, और आज सुबह परमेश्वर की आराधना करते हैं, इस तरह से, क्रिसमस सभा का जो मेरा भाग है। और फिर अगले रविवार आप अपने... यदि आप दूर रहते है, आप अपनी खुद की कलीसिया में हो सकते हैं।

आप जा कही से भी से हो, या जो कुछ भी आप करना चाहते हैं कर सकते है।

7 और मैं आज की सुबह मैं उस सुंदर से गीत के लिए भाई का धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं तभी अन्दर आया जब इसे गाया था। जो वास्तव में बहुत ही अच्छा था। और हर समय मैंने अपनी पत्नी से सुना है और वे सारे भाई के गीत गाने की सराहना करते हैं, और यहाँ भवन से दूर, उसे गीत गाते हुए सुनने के लिए यह मेरा खुद पहला मौका था। अब, क्या ये कोई बात नहीं है? हमारा भाई यहां भवन से है, और मुझे एकदम से शिवरेपोर्ट, लुईसीयाना जाना पड़ा, कि उसे पहली बार गाते हुए सुनु। कैसी अजीब बातें है, क्या ये नहीं है?

8 और फिर मैंने सोचा, ऐसा करने से, इससे हमें एक समय मिलेगा... एक साथ इक्कठा होने के लिए। और फिर से रास्ते बहुत ही खराब थे। मैं सोच रहा था क्या भाई और बहन डाच ऑहियो से पहुँच पायेंगे। क्या वे वहां आ गए है? जी हां, हाँ। मैं अभी सोच रहा था। क्या आपके वहां पर बहुत ही बर्फ गिरी है? बहुत ही बर्फ। तो, ठीक है, वहां सिन्सिनटी में कूछ बर्फ नहीं है। वहां पर यहाँ तक इतनी बर्फ नहीं है जितनी कि यहां पर है। वहां पर कुछ बर्फ है ही नहीं। और पहली बार कल ही मैंने सिन्सिनटी में प्रचार किया था, और सो हमारा एक बहुत ही अच्छा दिन था, नयी सभा के लोग थे, अब तक एक वर्ष भी नहीं हुआ है, और यह बहुत ही अच्छी सभा थी, कुछ अच्छे लोग थे। हमने संगति का आनंद लिया। फिर उन्होंने अभी उन्होंने मेरे लिए फोन किया, कल कोलंबस पर होने के लिए, किसी और सभा को समर्पित करने के लिए, और या वो सभा, जिसे भाई शिकेरियन को लेना चाहिये, लेकिन... और मुझे वहां पर पहली बार प्रार्थना को लेना होगा। ये एक...

9 मुझे ठीक इसके बाद फिनिक्स के लिए जाना था, आप जानते है, और हम गये... हम फिनिक्स के लिए बारह तारीख को निकलेंगे, बिजनेसमैन के नाश्ते पर होंगे। और मैं नहीं जानता बस इसे कहां पर रखा गया है। मैं सोचता हूं रामदा में, इसे रामदा पर—पर रखा जाना गया होगा। बिजनेसमैन के नाश्ते की सभा वहां हमेशा की तरह होगी। और फिर रविवार को मैं निकल जाऊंगा, और रविवार को, लगभग बारह दिनों के आस–पास ही मैरिकोपा घाटी से होते हुए, फिनिक्स, टुसोन। और मुझे सोमवार रात को भोज के लिए होना है, उसी सोमवार रात को, सेवकों के साथ एक—एक भोज है,

और फूल गोस्पल बिजनेसमैन के साथ टयूसान में है। और सो फिनिक्स में वापस आकर, मैं सोचता हूं गलेनडेल और विभिन्न स्थानों पर जाना है। और बाद में कन्वेंशन आरंभ होगा बीस... भाई फ्रेड, क्या तारीख है? क्या आपको याद है... चौबीस, चौबीस से लेकर अठाईस, या उनतीस तक, कुछ ऐसे ही आसपास। और तब, प्रभु ने चाहा तो, हम वापस घर पर आ जायेंगे। हम देखेंगे हम यहाँ पर कितना आगे बढे है, हम देखेंगे सात माहरो पर, या... और उस समय पर, और देखेंगे हम यहां से कहां पर जाते हैं।

10 अब, मैं सोचता हूं कि किसी ने तो मुझे बताया हमारे यहां पर कुछ बच्चो को समर्पण किया जाना है। क्या यह सही है? क्या कुछ माताये है जिन्हें अपने बच्चों को समर्पण करवाना है? कुछ तो डोक मुझे बताया। तो ठीक है, मैं गलत हो सकता हूं। ओह, हाँ, जी हाँ। हाँ श्रीमान, यह है। तो ठीक है, क्या आप बहन और भाई लोग अपने छोटे बच्चों को ऊपर ले कर आयेंगे? धन्यवाद बहन। मैं सोचता हूं यह बहुत ही उपयुक्त समय है बच्चों को लाने का, ये क्रिसमस है। भाई नेविल, क्या आप आयेंगे? अब, जैसे आज सुबह ये प्रेमी जन उनके छोटे बच्चो को लाते है, ये—ये बस...

11 अब बहुत से लोग, बहुत से कलीसियाओ से है, और—और यदि कल आप में से कोई कन्वेंशन में था, किस तरह से भाई ब्राउन, एपीसकॉपलिन थे, वे पवित्र आत्मा से भर गए, उन्होंने पेंटीकोस्टल विश्वासियो के लिए क्षमा मांगी, बालको को बपतिस्मा देने पर, तो, उसे कहने से पहले उसे जो करना था। तो, एपीसकॉपलिन छिड़काव के द्वारा बच्चों का बपतिस्मा करते हैं, जिसे वे बपतिस्मा कहते हैं।

बपतिस्मा का मेरे लिए मतलब होता है "अंदर जाकर डुबाना, एक दफनाना।"

12 और, लेकिन बहुत से लोग इसे करते हैं। यह एक पुराना... यह एक तरीका है जो वास्तव में कैथोलिक कलीसिया में आया, और इसे, मेथोडिस्ट, और एपीसकॉपलिन, लुथरन, के अन्दर लाया गया और उनमें से बहुत से ऐसा करते हैं। मेथोडिस्ट इसे करते है। यह नाजरीन और मेथोडिस्ट के बीच में अलगाव था, जो शिशुओ का बपतिस्मा था। नाजरीन का हर एक शब्द मेथोडिस्ट के समान है, शिशुओ के बपतिस्में को छोड़कर, इसलिए तब वे उस कारण से बाहर आ गए।

13 चर्च ऑफ़ क्राइस्ट एक मसीही कलीसिया है, हर बात में, सिवाय कलीसिया में संगीत के। और, सो, ओह, वे छोटे–छोटे विवाद, जिससे वे अलग हो जाते है भाईचारे और इत्यादि को तोड़ देते है! हम सब यीशु मसीह में एक है, उसके... आप कलीसिया से नहीं जुड़ सकते है। आप—आप एक आवास से जुड़ सकते है, लेकिन आप कलीसिया से नहीं जुड़ सकते है, देखो, आपको कलीसिया में जन्म लेना होता है। यह एक आत्मिक जन्म है। इसलिए अलग–अलग लोगो के उनके अपने विचार है, और हम बस उन्ही के साथ चले जाते है, यह सब ठीक है।

14 लेकिन यहाँ पर इस भवन के—के लिए, हम बिल्कुल उसी तरह से बने रहना चाहते है जिस तरह से बाइबल इसे बताता है। बिल्कुल जो... और बाइबल में शिशुओ के बपतिस्में के लिए कोई भी वचन नहीं है। वहां छिडकाव करने के लिए कोई भी वचन नहीं है। और इसलिए केवल जो वचन है कि यीशु ने जो कहा, वो हमारा उदाहरण है, और जब उन्होंने उसके पास बालको को लाया उसने अपने हाथों को उन पर रखा और उन्हें आशीष दी, और कहा, "बालकों को मेरे पास आने दो और उन्हें मन मत करो, क्योंकि स्वर्ग का राज्य ऐसों ही का है।" और इसी तरह से हम करने का यत्न करते है।

15 अब, हम जानते है, जैसे पास्टर और मैं इन बालको पर हाथों को रखते है, यह हमारे प्रभु के स्थान पर रखे हुए हमारे तुच्छ हाथ है, उसके हाथ पवित्र थे। लेकिन आज की सुबह यदि वो सारी धरती पर ढूंढता था, कि एक पवित्र हाथ मिल जाये, तुम्हे ये कहाँ पर मिलेगा? ऐसी कोई चीज, देखो, इस धरती पर नहीं है। लेकिन उसके अनुग्रह के द्वारा हम उसे प्रतिनधि कर रहे है। और वे बालक जिन्हें हम समर्पित करेंगे, हम उन पर अपने हाथों को रखेंगे और प्रार्थना को अर्पित करेंगे और जो लोगो के लिए दिया है, उसके लिए धन्यवाद देते है, और होने पाये आपके घर में वे छोटी गोद में हो ताकि मार्ग को उजागर करे जब आप उनके साथ होते है। होने पाये वे परमेश्वर की शिक्षा में बढे। और होने पाये ये छोटे बच्चे अब परमेश्वर के राज्य में महान कार्य करने वाले बने, यदि आने वाला कल है तो, ये हमारी सच्ची प्रार्थना है। तो ठीक है। होने पाये प्रभु आशीष दे।

16 आइये देखे, मैं सोचता हूं हम यहाँ से आरंभ करेंगे, इस छोटे से, काले बालो वाले बालक से, जो मेरी ओर बहुत ही देख रहा है। बस एक प्रकार से... ओह, प्रभु! मेरी पत्नी यहाँ होनी चाहिए थी, इस छोटे बालक को

पकड़ने के लिए। मैं हमेशा ही डरता हूं, मैं उन्हें गिरा दूंगा। ओह, क्या ही एक सुन्दर छोटा बालक है! तुम कैसे हो? क्या ही उपयुक्त समय है, जब, "एक चरनी में एक बालक को पाया गया था," एक क्रिसमस का समय, बालको को वापस परमेश्वर को समर्पण करने के लिए। इसका नाम क्या हैं? सेमुएल थॉमस, अब यह एक बहुत ही अच्छा नाम हैं।

आइये हम अपने सिरों को झुकाये।

17 हमारे स्वर्गीय पिता, जब ये खुशहाल छोटा सा जोड़ा, आज सुबह इस छोटे से आनंद के चिन्ह के साथ आये है, जिसे आपने उनके एकता के लिए जोड़ा है, छोटा सेमुएल थॉमस, पिता परमेश्वर, हम प्रार्थना करते हैं कि आप इस बालक को आशीष करेंगे। और जब हम उसे आपकी उपस्थिती में उठाते है, आपके पवित्र अनदेखे हाथों के लिए ताकि आप इस बालक को आशीष दे। होने पाये, ऐसा होने दो प्रभु, कि ये बालक जीये। और यदि आने वाला कल है तो, होने पाये परमेश्वर के राज्य के लिए एक बड़ा कार्य करने वाला हो। इसके माता–पिता को आशीष देना। और अब, पिता, हम इस छोटे सेमुएल थॉमस को आपको देते है, यीशु मसीह के नाम में, परमेश्वर के राज्य के लिए एक समर्पित जीवन। आमीन।

18 परमेश्वर आपको और आपके पति को आशीष दे और होने पाये आपके पास खुशी हो। और होने पाये वहां चमकता एक छोटा चिन्ह आपके जीवन में हो, आपकी सारी जीवन के यात्रा में। परमेश्वर आपको आशीष दे।

19 अब, क्या यही वो छोटा है? [माँ कहती है, "हाँ," तब वो बालक कुछ आवाज़ करता है—सम्पा।] अब मैं इस भाषा को नहीं समझ सकता हूं। मैं जानता हूं क्या। मैं जानता हूं वे क्या—क्या करते है, लेकिन मैं इसे नहीं समझ सकता हूं।

20 ज्यादा समय नहीं हुआ जब मैं जर्मनी में था, मैं एक भी जर्मन शब्द नहीं बोल सकता हूं। मैंने कहा, "लेकिन एक बात जो यहाँ आप जर्मन लोगो के बारे में है," मैंने कहा, "मैं जर्मन नहीं समझता हूं।" मैंने कहा, "हर एक... मैं जब रास्ते पर जा रहा था, और माँ अपने एक बच्चे को लिए हुए थी, और ये इंग्लिश में रो रहा था।"

21 तो, मैं सोचता हूं उसे कुछ तो करना है। मैं आप सबको उलझा दूंगा, जब मैं मेडा से ऐसा बोलता हूं। वे बस सब इन बातों से उलझ जाते है, आप जानते है, वे बात नहीं पकड़ पाते है। [मां कहती है, "अलिसिया का्य।"—

सम्पा।] अलिसिया का्य। [कोई तो कहता है, "कार्लयल।"—सम्पा।] कार्लयल। अलिसिया का्य कार्लयल। यह एक सुंदर नाम है। अलिसिया का्य। मैं इसे पसंद करता हूं, क्या आप इस छोटी बहन को यहां पर लाओगे? हुम! ओह, क्या मैं भी तुम्हारे हाथों को यहाँ पर रखूं, बहन?

22 तो ठीक है, आप जानते हैं, जब इस्राएल ने उनके बलिदान को लाया। (जिसे मैंने कल प्रचार किया) उस वेदी पर लाया, देखो, उन्होंने अपने हाथ को इस पर रखा, क्योंकि उन्होंने अपने बलिदान के साथ खुद की पहचान दी।

23 आपके बच्चे पर आपके रखें हुए हाथ, तब आप बालक के साथ पहचान को देते हैं। क्या यह ठीक है? और हम इसके ऊपर हमारे हाथ को रखते हैं, परमेश्वर की प्रार्थना में खुद की पहचान को दे रहे हैं, इस छोटी अलिसिया का्य के लिए। यह सही है? कार्लयल।

24 हमारे स्वर्गीय पिता, हम इस छोटी महिला को आपकी ओर उठाते हैं, परमेश्वर, यह आनंद का चिन्ह, जिसे आपने इस परिवार को दिया है। इस एक छोटी सी लड़की को आशीष देना, प्रभु, इस छोटी प्यारी चीज को मैंने यहां पर आज की सुबह मेरे हाथों में पकड़ा है, जैसे इस बच्ची को माँ लाती है। आपने इसे उसके लिए दिया है, और अब वह इसे आपको दे रही है। यह उसके विश्वास और उसकी इच्छा को दर्शाता है, प्रभु, कि उसका बालक परमेश्वर की शिक्षा के अंदर बड़ा हो। उसे आशीष देना, प्रभु, और होने पाए वो लंबे खुशहाल जीवन को जीये, और एक आने वाले कल के लिए बड़ा सेवक बने, यदि आने वाला कल है तो। उस घर को आशीष देना जहां से आया है। इसे प्रदान करे, प्रभु। अब, इस प्यारी सी छोटी लड़की को समर्पण में आपको देते है, यीशु मसीह के नाम में, आमीन।

25 अब, क्या यह सुंदर सी छोटी चीज नहीं है। आप जानते हैं, हर एक मां का बालक धरती पर उसके लिए बहुत ही सुन्दर होता है। यह सही बात है, क्या ऐसा नहीं है? परमेश्वर आपको आशीष दे, प्यारी छोटी सी चीज, मुझे इस तरह से घूमकर देख रही है। अब मैंने *मेरे* हाथ को घुमा दिया है।

26 अब, तुम कैसी हो? तो ठीक है, यह भी क्या ही एक छोटी सी सुंदर लड़की है। इसका नाम क्या है? [मां कहती है, "लिथा एन फार्मर।"—सम्पा।] लिथा, एक लिथा एन। ["लिथा।"] लिथा एन फार्मर। ओह, क्या ही छोटी सी लड़की सुंदर लड़की है! क्या तुम यहां पर आओगी, मेरे साथ

रहोगी? समझे? यह अच्छा है। अब, यह भी एक प्यारी लड़की है। यह भी अच्छी दिख रही है। क्या तुम कलीसिया जाना पसंद करती हो, लिथा? अब, मैं कल्पना करता हूं, इस तरह के छोटे बच्चों को हमारे प्रभु ने अपने हाथों में उठाया हुआ है। यह बहने? ["जी, हाँ।"] आप जानते हैं, मैं यहां पर अब खड़ा हुआ, कैसा महसूस कर रहा हूं। आप समझते है मेरा क्या मतलब है? एक विवाह क्या है या एक समर्पण क्या है? आप परमेश्वर के पथ पर खड़े हुए हैं। ओह, प्रभु! यह बात मुझे हिला देती है।

आइए अपने सिरों को हम झुकायेंगे।

27 ओ, परमेश्वर, हम आज सुबह को छोटी सी लिथा के साथ आये हैं। और हम प्रार्थना करते हैं, स्वर्गीय पिता कि आप लिथा को आशीष देंगे और जो कुछ भी अपने जीवन में वो करती है। होने पाए एक लंबा खुशहाल जीवन जीये। उसके माता–पिता को आशीष देना। होने पाए वो एक घर में पले–बढे प्रभु, ताकि परमेश्वर की प्रशंसा करे और प्रेम करे। और मैं प्रार्थना करता हूं, कि यदि कोई आने वाला एक कल है, वहां, वो परमेश्वर के राज्य में कार्य करने वाली बने। बीमारियों और इत्यादि चीजों को से उसे दूर रखें, जब वो अपने यात्रा में होती है। और उसे आपके राज्य के लिए एक बड़ी आशीष बनाये। और हम छोटी सी लड़की को आपको समर्पण में देते हैं, यीशु मसीह के नाम से। आमीन।

बहादुर प्यारी बच्ची!

28 ओह, मैं इन छोटी बच्चो को प्रेम करता हूं। लेकिन मैं... मैं हमेशा ही डरता हूं कि वे हाथ से छूट जायेंगे, आप जानते हैं। वे बहुत ही छोटे होते हैं। और फिर भी, मेरी पत्नी ने मुझे बताया, कहा, क्योंकि, मुझे उन्हें संभालाना कठिन होगा। सो, यह सही बात है। वे बहुत ही चंचल होते है, आप जानते हैं।

29 और, अब, क्या कोई एक है जो प्रार्थना करवाना चाहता है, या विशेष बात के लिए प्रार्थना या कुछ तो है, और हम आपके लिए प्रदान कर सकते है? तो ठीक है, बहन, क्या आप ठीक यहां पर आकर और खड़ी होगी। तो ठीक है। हूं–हुम। यह एक... हम इन बातों को करना चाहते है, इसलिए यदि हम कुछ हमारे क्रिसमस के संदेश में जोड़ ले, तो यह बहुत अच्छी बात होगी। तो ठीक है, श्रीमान।

30 अब, आइए अब हम अपने सिरो को झुकायेंगे। भाई नेवील, क्या आप मेरे साथ आगे आयेंगे?

31 हमारे स्वर्गीय पिता, इस क्रिसमस की संध्या को, जहाँ उस महान प्रायश्चिता ने, हमारे पाप और बीमारियों के लिए संसार में जन्म लिया था, ताकि हमारे लिए एक बलिदान बन जाये। हम हमारी बहन को यीशु मसीह के नाम में लाते हैं, जो, हमारे हाथों को उस बहन पर रखते हुए, बिल्कुल वही किया है, जो आपने करने के लिए कहा है, "बीमारों पर हाथ रखोगे और वे चंगे हो जायेंगे।" हम बहन की चंगाई के लिए इसे यीशु मसीह के नाम में करते हैं। आमीन।

(भाई कौबल को बुलाये... ? ...)

32 ओह, क्या ये ठीक है? आप कैसी है, बहन? अब, आइये हमारे सिरो को फिर से अब झुकायेंगे।

33 हमारे स्वर्गीय पिता, जैसे हम यहाँ सर्वशक्तिमान की उपस्थिति में खड़े है, हमारी बहन के लिए प्रार्थना करते है, जिस पर एक आपदा आ गयी थी। और कुछ तो वहां पर किया गया है, जिसने अब उसकी आँखों को अँधा कर दिया है। लेकिन आपने, प्रभु, जैसे आपने मूसा से कहा, "कौन मनुष्य की आँखों को बनाता है? " और वहां केवल एक ही है जो सहायता कर सकता है, और वो महान यहोवा है, सृष्टिकर्ता।

34 सो हम प्रार्थना करते है स्वर्गीय पिता, जब हम इसे अपने ह्रदय में विश्वास करते है, और हम बहन को आपके पास लाते है। और हमारा विश्वास, हम—हम विश्वास के द्वारा आये है, उस परमेश्वर की महान सुनहरी वेदी पर, जहाँ वो लहूलुहान बलिदान, मसीह है, जो वेदी पर रखा हुआ है। और यशायाह की पुस्तक में, 53 अध्याय और उसका पांचवा पद, कहता है, "परन्तु वह हमारे ही अपराधो के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के हेतु कुचला गया; हमारी ही शान्ति के लिये उस पर ताड़ना पड़ी कि उसके कोड़े खाने से हम चंगे हो जाये।" अब हम हमारे विश्वास को बहन के साथ रखते है, आपकी वेदी पर, और यीशु के नाम से मांगते है, कि यह अंधापन हमारी बहन को छोड़ दे, और जिससे वो देख सके, परमेश्वर के आदर और महिमा के लिए। यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

परमेश्वर आपको आशीष दे, बहन।

35 भाई कौबल [भाई ब्रदर वाल्लास कौबल, भाई ब्रन्हम से बात करते हैं।—सम्पा।] पेरिस रिडहेड। हाँ, जी हां। अच्छा है।

36 अब हम हमारे भाई कौबल की सेवकाई के लिए प्रार्थना कर रहे हैं, वे जाकर और मेरे एक मित्र से मुलाकात करेंगे। मैंने उनके साथ न्यूयॉर्क काम किया है, जो पेरिस रिडहेड है, वो भाई जो पवित्र आत्मा के बपतिस्मे को पाने के लिए मेरे घर पर आया था।

37 और क्या उसका सुजन मिशन के साथ कुछ संबंध नहीं था? [तो कौबल कहते है, "जी हां। वे अफ्रीका पर डायरेक्टर थे। न्यूयॉर्क में रहते हैं, वहां न्यूयॉर्क के भाग में, यहां इस कलीसिया में सहायता करने के लिए काम कर रहे हैं।"—सम्पा।] बहुत अच्छा है। तब आप लुइसविले को छोड़कर जा रहे हैं। ["जी हां।"] ओह, प्रभु! हम भाई कौबल के लुइसविले से छोड़ कर जाने से नापसंद करते हैं, आपके हृदय को आशीष मिले, भाई।

38 मैं हमेशा ही भाई कौबल को याद रखुंगा। यह बहुमूल्य भाई, जो परमेश्वर का संत है, मुझे उसके साथ पहला संपर्क याद आता है, वह रक्तस्ताव से मरने पर था। मैं—मैं भाइयो के बीच उसके विख्यात नाम को जानता था। मैं वहां पर गया। वहां भाई लोग अस्पताल में खड़े हुए थे। मैं, मेरे जैसा एक छोटा सा व्यक्ति, मैं अन्दर जाने से शर्मा रहा था, इसलिए मैं कोका–कोला के स्थान के पीछे जाकर घुटने पर आ गया, वो स्थान जो अस्पताल के हॉल के बाहर था, और मैंने उसके लिए प्रार्थना की और वापस चला गया।

39 फोन की घंटी फिर से बजने लगी, कहा, "आप भाई कौबल को वहां पर देखने के लिए कभी गए नहीं।"

40 और मैं वहां पर गया। उन्होंने कुछ तो उसके नाक का ऑपरेशन किया था और चीरा था, और कुछ तो चिर–फाड़ किया था, और वो लहू के बहने से मरने पर था। मैंने वहां घुटने पर आकर और प्रार्थना की। और लहू तुरंत ही रुक गया।

41 हमारे स्वर्गीय पिता, वो आपका दास है। और वह हमारे बीच से जा रहा है, लेकिन फिर भी हम जुडे हुये है, प्रभु। हमारे हृदय हमेशा ही धडकेगे, प्रभु, मैं प्रार्थना करता हूं, जैसे वे अब एक दूसरे के पास है। मैं आपसे प्रार्थना करता हूं, पिता, कि इसे आशीष दे, मेरे भाई को, जब वो आपके महान सेवक के लिए सहायता को जाते है, भाई, पेरिस रिडहेड ने पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के लिए बहुत ही दिलचस्पी दिखाई थी। परवाह नहीं करते हुए

कि कट्टरपंथी क्या कहते है, वह किसी भी तरह परमेश्वर को चाहता था। भाई कौबल को आशीष मिले, और उन्हें एक साथ आपके लिए काम को करने के लिए आशीष करना, प्रभु, जो भी उनके प्रयास है। होने पाए कि वे एक जुट होकर काम करे जैसे पौलुस और सिलास ने किया था। इसे प्रदान करे, प्रभु।

42 उसे पवित्र आत्मा का अभिषेक देना। उसने इंतजार किया हुआ है, और यत्न किया है, और जोर लगाया है, वो बढता रहा है, उस स्थान को पाने के लिए, जहाँ आप उसे सचमुच भर दे, प्रभु और उसके लिए महान बातों को खोल दे। और होने पाए यही वो समय हो, प्रभु, जो आपने उसे सिखाया और प्रार्थना की, इस घड़ी के लिए, प्रभु क्योंकि हम संध्या के समय पर है। उसके शरीर को शक्ति देना, प्रभु। उसे शक्ति की आवश्यकता है। होने पाये वो सामर्थ जिसने यीशु मसीह को मुर्दों में से जिलाया, उसकी देह को चंगाई दे, रूपांतर की सामर्थ, होने पाए कि वो यीशु मसीह के पुनरुत्थान की शक्ति में जा सके। हम उसे आशीष देते है।

43 प्रभु आपको आशीष दे, भाई कौबल! मेरी तरफ से भाई पेरिस को शुभकामनाये देना, और मैं आशा करता हूं आप सबसे बाद में मिलुंगा। मैं विदेश जा रहा हूं, भारत में। परमेश्वर आपको आशीष दे।

आप कैसी है, बहन? धन्यवाद, भाई।

44 प्रभु यीशु, जैसे हम इस छोटी महिला को लाते है, अपने हाथों को उस पर रखे हुए हैं, अपने आप को उसके साथ जोड़ते हुए, जैसे बलिदान के लिए, यह जानते हुए कि आपने इसकी प्रतिज्ञा की है, मैं उसकी चंगाई को आने के लिए यीशु मसीह के नाम से मांगता हूं। आमीन।

45 इस छोटी मां के लिए, जो यहां पर खड़ी है, उसके कंधे झुके हुए है, और सफेद बाल, जो दिखा रहे है वो इस संसार से जुडी हुई है। परमेश्वर होने पाये, वो सामर्थ जिसने हमारे प्रभु यीशु को कब्र में से जिलाया, जैसे हम हमारी बहन के ऊपर अपने हाथों को रखते हैं, खुद को हम बहन के साथ जोड़ते हुए और मसीह, होने पाये वो सामर्थ जिसने कब्र में से उसे जिलाया उसकी देह को चंगा करें, यीशु के नाम में।

परमेश्वर आपको आशीष दे, मेरी बहन।

46 स्वर्गीय पिता, जैसे हम हमारे हाथों को हमारी बहन के ऊपर इसी तरह से रखते है, यीशु मसीह के नाम में, होने पाए वो परमेश्वर की महिमा के लिए चंगी हो जाये। आमीन।

47 महिमामय पिता, हम हमारे हाथों को बहन के ऊपर रखते हैं, यीशु मसीह के नाम में। होने पाये यीशु मसीह के नाम में, परमेश्वर की महिमा के लिए वह चंगी हो जाए। आमीन।

परमेश्वर आपको आशीष दे, बहन।

48 स्वर्गीय पिता, हम अपने हाथों को यहां हमारे भाई पर रखते हैं, प्रभु यीशु मसीह के नाम में, उसकी चंगाई के लिए। होने पाए वह यीशु के नाम में चंगा हो जाए।

49 हमारे स्वर्गीय पिता, जैसे हमारी बहनो में से एक बहन है, जो दूर से यात्रा करके आई है, इस सभा में होने के लिए, लेकिन वो आज सुबह यहां पर खड़ी हुई है, और हम अपने आप को उनके साथ जोड़ते हैं, प्रभु, सुसमाचार में, जैसे हमारे हाथों को एक दूसरे पर रखते हुए और उस पर रखते है। होने पाये, स्वर्ग का परमेश्वर, इसे देखता है, जहाँ वह कहता है, "यदि दो या तीन धरती पर आपस में सहमत होते हैं।" हम यहां पर खड़े हुए हैं, तीन एक साथ, प्रभु, यीशु मसीह के नाम में। बहन को चंगा करें, प्रभु, यीशु के नाम में।

50 उसी प्रकार से, प्रभु, हम हमारे हाथों को यहां हमारी बहन पर रखते हैं। और जैसे हम सहमत हैं, यीशु मसीह के नाम में, होने पाये वो चंगी हो जाए।

51 स्वर्गीय पिता, कहा जाये तो उसका अद्भुत मसीह जीवन है... पत्नी को कैंसर हो गया है, ओ परमेश्वर, वो उसके लिए खड़ा हुआ है। मसीह उस बहन के लिए खड़ा हुआ है।

अब शैतान, तू उसे छोड़ दे, यीशु मसीह के नाम में।

52 इसे विश्वास करे भाई, वो ठीक यहाँ पर बाजी को हार चूका है। इस दिन को याद रखना।

53 हमारे स्वर्गीय पिता, ये हमारी बहन जो हमारे पास आती है, प्रभु। और जैसे वो जीवन का उदाहरण है, जो वो जीती है, और वो अपनी चंगाई के

लिए आयी है। और प्रभु, हम हमारे हृदय से, और हाथों को आपके साथ जोड़ते हुए, हम आशीषों को यीशु मसीह के नाम से मांगते हैं।

54 हमारी बहन रिसर्ट, प्रभु जो आपकी दासी है, जो इस बडे उत्सव के समय पर आई है। यीशु के नाम में, वह चंगी हो जाए। आमीन।

55 स्वर्गीय पिता, हम इस छोटी प्यारी महिला को आज सुबह लाते है, प्रभु यीशु के नाम में। हम हमारे हाथों को उस पर रखते हैं, और उसकी चंगाई के लिए यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

56 हमारे स्वर्गीय पिता, हम आते हैं और अपने हाथों को हमारी बहन पर रखते हैं, उस नाम से, जो सबसे पवित्र नाम है, यीशु मसीह। होने पाए वह परमेश्वर की महिमा के लिए चंगी हो जाए।

57 हमारे स्वर्गीय पिता, जैसे हम अपनी बहन को आज आपके पास लाते हैं, आपके अनुग्रह का एक—एक चिन्ह, जो आपने किस तरह से इस महिला के लिए किया हैं। वर्षों और वर्षों पहले, उसके जीवन में कुछ ही घंटे जीने के लिए बचे थे, कैंसर ने उसे खा लिया था, और उसने परमेश्वर के राज्य के लिए जीया है। आज उसे चंगा करे, प्रभु, जो कुछ भी गलत हुआ है, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

परमेश्वर आपको आशीष दे।

58 हमारे स्वर्गीय पिता, जैसे हमारी बहन, वह भी परमेश्वर के अनुग्रह का चिन्ह है। वो घृणित, निंदनीय नशे की आदि, शराबी थी, और अब वो एक पूरी तरह से ठीक आनंददायक महिला के जैसे खड़ी है। क्या ही चंगाई का नमूना है, प्रभु! और अब उसका हृदय दूसरों के लिए जल उठता है, जो पीड़ा में है, क्योंकि वह जानती है कि वहां एक महान चंगाकर्ता है। उसने ठीक अभी अलग–अलग तीन नामों को बताया है, पिता। मैं प्रार्थना करता हूं और यहाँ खुद को हमारे भाई के साथ जोड़ते हुए, हमारे पास्टर, और— और वह बहन और प्रभु यीशु। और होने पाए, उसके महिमामय नाम में, ये तीन लोग परमेश्वर के राज्य के लिए हो आजाद हो जाए। आमीन।

धन्यवाद, भाई।

59 महिमामय पिता, हम अब हमारे हाथों को हमारे भाई वे के ऊपर रखते हैं। वह तीन चीजों के लिए मांग रहा है। और आप उन्हें जानते हैं, प्रभु। और हम विश्वास करते हैं कि यह लिखा हुआ है, और जानते हैं कि वचन ऐसा कहता है, "सारी चीजें।" और इसलिए हम प्रार्थना करते हैं, स्वर्गीय

पिता, कि यह, जो उसने मांगा है, वो उसके लिए उजागर हो जाएगा, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

60 स्वर्गीय पिता, हम हमारे हाथों को हमारे भाई पर रखते हैं, प्रभु यीशु के नाम में, और उसकी चंगाई को परमेश्वर की महिमा के लिए मांगते हैं। इसे प्रदान करें, पिता, यीशु के नाम में। आमीन।

61 स्वर्गीय पिता, हम अपनी बहन पर अपने हाथों को रखते हैं, परमेश्वर के राज्य की खातिर, यीशु मसीह के नाम में, जो कुछ भी उसने कहा है, उसमें वो आज्ञाकारी रहे। होने पाए कि यीशु के नाम में वो चंगी हो जाए।

आपको आशीष दे, बहन।

62 उसी तरह से, हमारे भाई के ऊपर, हम अपने हाथों को रखते हैं, यीशु मसीह के नाम में कि आप उसे चंगा करेंगे, परमेश्वर के राज्य की खातिर। आमीन।

परमेश्वर आपको आशीष दे, मेरे भाई।

बहन अर्गनब्राइट।

63 स्वर्गीय पिता, हम बहन अर्गनब्राइट के लिए प्रार्थना करते हैं, कि आप उसे चंगा करेंगे। इसे प्रदान करें, प्रभु। उसकी विनंती, होने पाए इसे उसे दे दीजिएगा, हमारे स्वर्गीय पिता, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

64 प्रभु यीशु, हमारे हाथों को भाई के ऊपर रखते हुए, यीशु मसीह के नाम में, उसकी विनंती को स्वीकार करें। आमीन।

इसे विश्वास करें, मेरे भाई।

65 स्वर्गीय पिता, हम अपने हाथों को इस छोटे लड़के पर रखते हैं, यीशु मसीह के नाम में, और होने पाए, जैसे हम आज की सुबह एकत्र खड़े हुए हैं, विश्वास के द्वारा, हम इस बालक को आपके पास लाते हैं। और होने पाए परमेश्वर की आशीष, मसीह की चंगाई की सामर्थ, इस छोटी सी देह में प्रकट हो जाए, यीशु के नाम में। आमीन।

66 पिता परमेश्वर, इस प्यारे पिता के ऊपर जो इस लड़के को लेकर आया है, हम इसके लिए भी मांगते हैं कि आप अपनी चंगाई की सामर्थ को प्रकट करेंगे, यीशु के नाम में। आमीन।

आपको आशीष मिले, मेरे भाई।

67 स्वर्गीय पिता, जैसे बहन पेकनपौग, हमारी बहुत ही अच्छी बहन आवशयकता में है, और आप उसके प्रति महिमामय रहे हैं, प्रभु। मैं प्रार्थना करता हूं कि आपकी आशीषें निरंतर उसके हृदय में बहती रहे। और सारी बीमारियां और उदासी जिसमें से होकर वह जा रही है, होने पाए मसीह की सामर्थ उसे वापस लौटाये, प्रभु, सौ गुना, और उसे पूरी तरह से ठीक करें, और उसके प्रियजन को, यीशु के नाम में आमीन।

आपको आशीष मिले।

68 स्वर्गीय पिता, हम अपने हाथों को हमारे भाई पर रखते हैं, और मांगते हैं कि यीशु मसीह की सामर्थ उसे ठीक करें, इस मसीह बालक के नाम के जरिये से, जिसके लिए हम इस समय पर उत्सव को मना रहे है। आमीन।

69 महिमामय परमेश्वर, जैसे हम अपने हाथों को हमारी बहन पर रखते हैं, जो आपकी दासी है, यीशु मसीह के नाम में, होने पाए वह आप की महिमा के लिए चंगी हो जाए। आमीन।

70 प्रभु, हम अपने हाथों को बहन के ऊपर रखते हैं, यीशु मसीह के नाम में। होने पाए वह चंगी हो जाए। आमीन।

71 स्वर्गीय पिता, हम अपने हाथों को यहाँ इस बहन के ऊपर रखते हैं, यीशु मसीह के नाम से। होने पाए परमेश्वर की सामर्थ उसे चंगा करें। आमीन।

72 प्रभु यीशु, बहन की विनंती को स्वीकार करें, जैसे हम इसे परमेश्वर की महिमा के लिए मांगते हैं, यीशु के नाम में। आमीन।

73 हमारे स्वर्गीय पिता, हम यहां पर छोटी बहन को देखते हैं, जो इन सारे वर्षो में अब भी हमारे साथ है। हम इसके लिए आपका धन्यवाद देते हैं, प्रभु। हम प्रार्थना करते हैं कि आप उसकी विनंती को देंगे, यीशु के नाम में।

प्रभु परमेश्वर...

74 क्या? [बहन, भाई ब्रन्हम से बात करती है—सम्पा।] और परमेश्वर सर्वव्यापी है, सारे विश्व भर में है, यहां पर है, हर कहीं है। और क्या आप विश्वास करते है, परमेश्वर करेगा, आज की सुबह, नॉर्वे में, उसे चंगा करेगा? [बहन, भाई ब्रन्हम से बात करती है।] क्या? आपकी बेटी और आपके पिता और आप उनके उद्धार के लिए प्रार्थना करना चाहते हैं।

75 प्रभु, आप इस छोटी सी महिला को देखते हैं और हम जानते हैं कि आप उसकी विनंतीयों को जानते हैं। आपने उसकी आवाज को सुना है।

आप किस तरह जानते हैं कि वह यहां पर खड़ी हुई है? जब एक चिड़िया भी जमीन पर नहीं गिर सकती है, आपके इसे जाने बिना। और फिर मैं जानता हूं कि आप इस विनंती को जानते हैं, हम बस इन चीजों के लिए बोलते हैं, यीशु मसीह के नाम में। होने पाये वे उसके लिए यह प्रदान करे, यीशु मसीह के नाम के जरिए से। आमीन।

76 स्वर्गीय पिता, हम प्रार्थना करते हैं कि हम उसकी मां के लिए, जो बूढ़ी है, और उसका ऑपरेशन होने जा रहा है। परमेश्वर सहायता करे। और यदि वहां पर ऐसा कुछ और भी है जिसे हम कर सकते हैं, प्रभु, इस दिन से पहले अब इसे मुझे या किसी और को बताये, हमारे भाई को सांत्वना देने के लिए। इसे प्रदान करें, पिता। मैं यीशु के नाम में मांगता हूं, आमीन।

77 प्रभु, हम अपने हाथों को हमारी बहन के ऊपर रखते हैं। यीशु मसीह के नाम में, होने पाये, आप उसे चंगा करें, और उसे ठीक करें। आमीन।

78 [एक बहन कहती है, "भाई ब्रन्हम, में खड़े रहना चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि आप आए... ? ... "—सम्पा।]

होने पाये स्वर्ग का परमेश्वर उसकी विनंती को स्वीकार करे। यीशु मसीह के नाम में, मैं प्रार्थना करता है।

परमेश्वर आपको आशीष दे, बहन। आप बहन मारग्रेड है। जी हाँ। तो ठीक है।

79 प्रभु यीशु, मैं हमारी—हमारी बहन के लिए प्रार्थना करता हूं, उसका पति उसके लिए खड़ा हुआ है। किस तरह से वे संघर्ष करते है, और आपने किस प्रकार से अपने आप को उनके लिए जाहिर किया और अपने आप को उन्हें दिखाया है, प्रभु! मैं बहुत ही धन्यवादीत हूं। प्रदान करे, प्रभु, कि उसकी पत्नी चंगी हो जाये, जो हमारी बहुमूल्य बहन है, यीशु के नाम में।

80 स्वर्गीय पिता, यह विनंती जो यह भाई मांग रहा है, आप उन सारी परिस्थितियों के बारे में जानते हैं प्रभु। मैं आपके सेवक के लिए प्रार्थना करता हूं परमेश्वर, प्रदान करे और उनकी देहो के लिए, जिसके लिए वो बोल रहा हैं। अब, आप उनकी विनंतीयों को जितना मैं जानता हूं, उससे भी अच्छी तरह से सुना है। इसलिए मैं बस मेरे खुले में हृदय से मांगता हूं, आपकी वेदी पर, और मेरी प्रार्थना को भाई के साथ यहाँ पर रखता हूं, यीशु मसीह के नाम में कि उनका उत्तर दिया जाएगा। आमीन।

81 स्वर्गीय पिता, हम हाथों को हमारी बहन के ऊपर रखते है, उसकी विनंती के लिए। होने पाए इसे उसके लिए स्वीकार हो जाये यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

परमेश्वर आपको आशीष दे, बहन।

82 प्रभु, हम हाथों को हमारी बहन के ऊपर रखते हैं, उसकी विनंती के लिए। यीशु मसीह के नाम में, होने पाए ये स्वीकार हो जाये।

83 पिता परमेश्वर, यहाँ हमारे भाई की विनंती के लिए, होने पाए उसे दे दी जाये, प्रभु। उसने इन सारे वर्षों में आप की सेवा करने का यत्न किया है। परेशानी में होते हुए, वह ठीक अभी भी खड़ा है। परमेश्वर, होने पाये आज की सुबह वो उस वेदी के सींगो को पकड़ ले, यहाँ किनारे में खूंटे की ओर आते हुए, कहे, "यह वो घड़ी है जब यह आता है।" इसे प्रदान करें। और होने पाए उसकी पत्नी और पोतों के लिए विनंती स्वीकार हो जाये, यीशु के नाम में।

परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई ब्रेवस्टर। इसे विश्वास करे।

84 हमारे स्वर्गीय पिता, ये छोटी मां, जो यहां पर आज की सुबह खड़ी है, कई लोगो के लिए मां के जैसे रही है, अब वह प्रार्थना कर रही है। अब वो अपने प्रेमीजनो ले लिए प्रार्थना कर रही है, प्रभु। उसने यह विनंती की है कि और... हम सब अपने आप में एकत्र हो सकते है, अपने हाथों को रखते हुए, एकता की नाई, कि हम यह विश्वास करते हैं। और आपकी वेदी के सामने, हमारे हृदय से हम इस विनंती को मांगते हैं, जो बहन मांग रही है, यीशु मसीह के नाम में स्वीकार की जाये। आमीन!

85 परमेश्वर, आप उन लोगो को जानते हैं, जिसके लिए वो खड़ा हुआ है, हर एक को जो इस समय पर उसके हृदय में है। और हम अपने आपको उसके साथ रखते हैं, प्रभु। यीशु मसीह के नाम में, होने पाए इस विनती को स्वीकार करे। आमीन।

86 ओ परमेश्वर, हम बहन हैटी को जानते हैं। हम प्रार्थना करते है, परमेश्वर, जैसे हम अपने हाथों को उस पर रखते हैं, प्रदान करे कि वह पवित्र आत्मा उसके साथ हो, और वापस उसके हृदय के लिए प्रकट करे। हम उसके बहुमूल्य लड़कों के लिए सोचते हैं, दोनों लड़के। मैं उस दिन वहां उस कमरे में बैठे हुए सोच रहा था, उस छोटे से, दीन घर में। आपने कहा, "उससे कहो, वो जो चाहे मांग ले, तब केवल शब्द को कहना।"

उसने मांगा। परमेश्वर मैं जानता हूं कि आप अपने लोगों की चिंता करते हैं। सो मैं प्रार्थना करता हूं जैसे हम अपने हाथों को उस पर रखते हैं, यीशु मसीह के नाम में, होने पाये उसकी विनंती स्वीकार हो।

87 प्रभु परमेश्वर, जैसे हम अपने हाथों को एक छोटी सी बहन पर रखते हैं, जो इन चिकने रास्तो और इत्यादि से होकर गाड़ी चला कर आयी है, यहां आने का यत्न किया। आप इसके बारे में सब जानते हैं। मैं उस बहन के लिए प्रार्थना करता हूं, प्रभु, जैसे हम अपने हाथों को उस पर रखते हैं। यीशु मसीह के नाम में, होने पाए, वह ग्रहण करे जिसके लिए उसने माँगा है। आमीन।

88 हमारे स्वर्गीय पिता, जैसे यह भाई बहुमूल्य भाई... किस तरह से एक बार वह पूरी तरह से निश्चित था, वह पुरानी सिगरेटो और इत्यादि चीजों ने उसे बांध दिया था। उसकी एक बार मुलाकात होती है और रुका रहा और रुका रहा। और आप हमें कुछ भी नहीं बताते है। उसकी एक बार और मुलाकात होती है और आप रुके रहे और रुके रहे, आप हमें कुछ भी नहीं बताते है। और अत: एक सुबह, वहां पर बैठा हुये, यहां पर वो आ गया। तब वह पूरी तरह से उस पर था। हम आपका धन्यवाद देते हैं, प्रभु। आप सच्चे हैं। आपके वचन कभी नहीं चुकते है। और उसने कहा, "जो परमेश्वर पर रुका रहता है, वह नया बल प्राप्त करेगा।" और अब वो आज की सुबह तीन विनंतीयों के साथ आया है, प्रभु। और हम यहां तीन विनंतीयों के साथ खड़े हैं, एक—एक त्रिएकता के कार्यस्थल के प्रतिज्ञा के साथ जो एक नें बने हुए है। एक सच्चे और जीवित परमेश्वर के नाम में, यीशु मसीह, होने पाये उसकी विनंती उसे दे दी की जाये। आमीन।

परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई।

प्रभु...

ओह, प्रभु! [एक बहन, भाई ब्रन्हम से बात करती है—सम्पा।]

89 प्रभु, आप उनकी विनंतीयों को सुनते है। आप जानते है उनका उत्तर किस तरह से देना है, प्रभु। तो हम केवल हमारी बहन बेकर के ऊपर अपने हाथों को रखते है, यीशु मसीह के नाम में, हम हमारे निवेदन को बहन के साथ रखते हैं, चंगाई के लिए। आमीन।

आपको आशीष मिले, मेरी बहन।

90 [भाई नेविल कहते है, "कोई और भी है जो आना चाहता है, तो अभी आ जाए।"—सम्पा।]

91 स्वर्गीय पिता, जैसे हम अपने हाथों को इस भले भाई पर रखते है, आज उनकी सेहत की तस्वीर वैसी ही दिखाई देती है, लेकिन कभी कभी यह भरमाने वाली चीज होती है। सो मैं प्रार्थना करता हूं आप उसकी विनंती को स्वीकार करेंगे, जो कुछ भी उसके हृदय में है। उसे दे दिजिये जो भी उसने मांगा है, यीशु के नाम में। आमीन।

92 स्वर्गीय पिता, अपने हाथों हमारी बहन के ऊपर रखते हैं, और इसे मांगते हैं, प्रभु यीशु के नाम में, आप उसकी विनंती को आपकी महिमा के लिए दे देंगे। आमीन।

93 प्रभु यीशु, हम अपने हाथों को हमारे भाई के ऊपर रखते हैं, और उसकी विनंती के लिए मांगते है, हम बस इसे जाहिर करते हैं, प्रभु, जैसे हम अपने हाथों को उस पर रखते है। हम अपने आप को जोड़ते है, और इस एकता में, हम यीशु के नाम में प्रार्थना करते है। आमीन।

परमेश्वर आपको आशीष दे, मेरे भाई।

94 पिता परमेश्वर, हमारी बहन के साथ भी हमने इसी प्रकार किया है। यीशु मसीह के नाम में, होने पाये उसके पास उसकी विनंती है।

आपको आशीष मिले, मेरी बहन।

95 परमेश्वर, जैसे हमारा बहुमूल्य भाई, एक दिन मारा जा सकता था, लेकिन आप उसे लेने पर नहीं थे। सो मैं प्रार्थना करता हूं परमेश्वर, आप उसकी विनंती को दे देंगे, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

आप जानते हैं इसे कैसे विश्वास करना है।

96 हमारे स्वर्गीय पिता, जैसे हमारी छोटी, परेशान बहन आगे बढ़ रही है, जानते हुए, प्रभु कि बहुत से उसकी सतावटे रही है। लेकिन अपने प्रतिज्ञा की है, "बहुत से धर्म के कारण सताए जाते हैं, लेकिन परमेश्वर उन्हें उन सब से छुड़ायेगा।" उसे इस छुटकारे की बहुत अधिक आवश्यकता है, प्रभु। हम अपने हाथों को उस पर रखते हैं, और हम इस विपदा को निक्कमा ठहराते हैं, प्रभु, आपकी सुनहरी वेदी पर, होने पाये परमेश्वर की सामर्थ उसे आगे बढाये और उसे ठीक करे। आमीन।

97 तो ठीक है। आप सभी रुकेंगे। क्या आप पूरे समय पीछे बैठे हुए थे? जी हाँ, मैंने आपको नहीं देखा। ओह, *यहाँ* पर, कोई अचरज नहीं। ये वो मनुष्य है जिसे बुलाया गया है, वे उसे "माइनर" बुलाते है। यहीं उसका नाम है। लेकीन यह एक समय है कि माइनर (कम), लेकिन अब मेजर (ज्यादा) है [भाई माइनर आर्गनब्राइट कहते हैं, "क्या कहते है? "—सम्पा।] कुछ भी कहे, आप जो भी चाहते हैं।

98 भाई माइनर आर्गनब्राइट फुल गोस्पल सुसमाचार बिजनेसमैन में से एक है, उनमें से एक... इस बडे कदम को उठाने के सहायता पायी, कि हम सब एक साथ मिलकर काम करने का यत्न कर रहे है जिससे कि सब लोग पहचान जाए, उनके संबंध और संप्रदायो की परवाह नहीं करते हुए, कि हम सब मसीह में भाई है।

99 उसने एक दिन कुछ तो कहा। उसने एक सभापद को या कोई तो ऊपर पद पर था, उसे कुछ तो लिखा। यह पूरी तरह से प्रभावित करने वाला था। और मैंने कहा, "मैं चाहता हूँ कि आप इसे लिख कर भेजे। मैं चाहता हूं कि कलीसिया में आकर और इसे कहे।"

कहा, "मैं पहले से ही बता चूका हूं।"

सो ये हमारे पास यहां टेप पर है। और मैं चाहता हूं कि आप भाई लोग उस टेप को बाहर निकाले। भाई जिम, मैं जानता हूं आप मुझे वहां कमरे में सुन रहे हैं। वो वास्तविक कौशलता का—का उदाहरण है, जो इसके साथ जुड़ा हुआ है। समझे? तो ठीक है।

100 भाई आर्गनब्राइट जो भी आप कहना चाहते हैं, कहे। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] आमीन। आमीन।

101 [भाई आर्गनब्राइट कहते है, "मुझे वहां पर बैठने दीजिए। यह ठीक है, वहां पर।"—सम्पा।]

102 क्या ही सच्चाई है! आमीन। क्या ही सच्चाई है! शांती आती और जाती है, और सुख, और यह बस धुंधला हो जाता है, लेकिन आनंद बना रहता है।

103 तो, बाहर, ये एक—ये एक ख़राब दिन है, अन्दर, ये अच्छा दिन है। आप जानते हैं, मैं एक व्यक्ति से मिला, या एक व्यक्ति ने मुझे बताया कि वो हाल ही में एक व्यक्ति से मिला और उसने कहा वो शिकायत कर रहा था, "ओह," कहा, "क्या ही ख़राब दिन है।" उसने कहा बारिश हो रही और होती ही जा रही है।

उसने कहा, "यह तो बहुत ही बढ़िया दिन है।"

104 और उस व्यक्ति ने कहा, "भला कैसे हैं, इस तरह से एक बढ़िया दिन तुम कह रहे है? "

105 उसने कहा, "डॉक्टर ने मुझे एक वर्ष पहले कहा मेरे पास जीने के लिए सिर्फ एक हफ्ता ही था।" कहा, "तो, हर एक दिन एक बहुत ही बढ़िया दिन ही है।" जी हाँ।

106 सो यह सही बात है, यह बहुत ही बढ़िया दिन है, इसलिए हम सब... जो... जैसे भाई ने कहा, "हम सब मृत्यु के लिए दोषी ठहराए गए है।" यह सही बात है, मरने के लिए और पीड़ा में जाने के लिए। लेकिन यह एक बहुत ही बढ़िया दिन है। हम मसीह में जीवित है, और अब मर नहीं सकते है। यह पूरा हो चुका है, आप देखे। हम वास्तव में मसीह में है। अब आइये...

107 अब, भवन में, भाई आर्गनब्राइट, मैं ज्यादातर अपने समय को लेता हूं। यदि आपको भूख लगी है भोज के लिए जाना है, आप जा सकते हैं... मैं आज सुबह थकावट को महसूस कर रहा था। मेरे पास बस यहां पर कुछ तो और कहने के लिए था जिससे कि मैं अपने आप को कुछ समय तक बनाये रखूं... प्रभु की आत्मा मुझ पर आने तक मैं कर सकता हूं।

108 तो आइये अपने सिरों को झुकायेंगे और प्रार्थना करेंगे, इससे पहले हम वचन को पढे। आपके पास और दुसरी बातों के लिए कितनी विनंतीयां है, हो सकता है जिसके लिए आप लोगो ने प्रार्थना नहीं की थी, हम केवल इसे जानना चाहेंगे, जैसे हम अपने हाथों पर उठाते हैं। आइये आज की सुबह हम खड़े हो जाये जब हम प्रार्थना करते है। यह आपकी अवस्था को बदल देगी और हो सकता है कुछ सहायता मिले। और प्रार्थना के बाद मैं चाहता हूं कि आप कुछ मिनट के लिए खड़े ही रहे, जब तक हम वचन को नहीं पढ़ लेते। हमारे लिए यह बहुत उचित होगा कि हम सम्मान पूर्वक खड़े हो जब हम परमेश्वर के वचन को पढ़ते है।

109 हमारे स्वर्गीय पिता, हम बस उसी तरह नम्रता के साथ आते हैं जैसे हम जानते हैं कि कैसे आना है, संसार और इसकी सारी अभिलाषाओं की इच्छाओं से हृदय को खाली करके। जैसे हमारे भाई ने हवाला दिया या हमारे लिए बताया, कहा, "आनंद, प्रभु का आनंद हमारी ताकत है।" और हम आनंद से भरे हुए हृदय के साथ आते हैं, जो हमारे पास यह

सौभाग्य है, आपकी उपस्थिती के अंदर आने के लिए, कोई भी याचना को मांगे जिसकी हम इच्छा रखते हैं। और आनंद आता है जब हम वचन में देखते हैं। और प्रतिज्ञा की गई है, यदि हम विश्वास करें हमारे लिए दिया जाएगा। क्या ही मनुष्य के हृदय रोमांचित कर सकता है, जो धड़कता है, यह जानने के अलावा, कि वो अमरहार, अनंत परमेश्वर ने ऐसी प्रतिज्ञा को दिया है?

110 अब, क्षमा करना, प्रभु। और यदि हमने पाप किया है या जो कुछ भी ऐसा किया है जिससे आप अप्रसन्न हुए थे, कि इससे पहले हम इन चीजों को मांगे... क्योंकि हम जानते हैं ऐसा लिखा हुआ है, "यदि हमारा हृदय हमें दोषी नहीं ठहराता है, हमारी याचिका है।" लेकिन अब हमें क्षमा करना जो कुछ भी हमने किया है। हमारी ओर देखे, प्रभु, दया और करुणा के साथ। देखे क्या ही हम दयापूर्ण झुण्ड है, प्रभु। छोटे–छोटे जानलेवा रेंगनेवाले जंतु यहां धरती पर है, और इस पाप से भरे हुये स्थान में से साथ ही घसीटे जा रहे है, लेकिन हमारे हृदय की गहराई में हम जानते हैं, कि कोई तो एक है किसी दिन आयेगा ताकि हमें यहां इस स्थान से ऊपर उठाकर, एक बेहतर स्थान के लिए ले जाये और हम इसमें आनंद करते हैं।

111 और मैं हर एक विनती के लिए प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर। आप जानते है कि उन उठे हुए हाथों के पीछे क्या है। उनके लिए इसे प्रदान करें, प्रभु। मैं खुद के लिए प्रार्थना करता हूं, आज सुबह के लिए ताकत दे, आवाज के—के लिए सहायता करें और सुसमाचार को प्रचार करने के लिए। और हम मांगते हैं कि आप इस बात पर सबको आशीष देना जो हम एकत्र होकर क्रिसमस की ऋतु को मना रहे हैं। प्रभु, होने पाए हम क्रिसमस की सच्ची आत्मा को पाते हैं, और यह हमारे साथ हमेशा के लिए बनी रहे। क्योंकि हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं, उसके कारण। आमीन।

112 अब, क्या हम कुछ क्षण के लिए खड़े होंगे, मैं आज सुबह मीका की किताब से पढना चाहता हूं, एक स्थान से; और एक और पढेंगे, इब्रानियों से, इब्रानियों के 12 वे अध्याय से, क्योंकि... एक साथ करके, एक छोटे से विषय के लिए जिस पर मैं आज सुबह बोलना चाहता हूं, हमारे क्रिसमस संदेश के लिए। ये है इब्रानियों 12:25। मुझे एक प्रकार से आज सुबह जल्दी करना था, जब मैं उठा, मेरे पास कुछ भी तैयारी नहीं थी, उस स्थान पर नहीं था जहाँ मैं होना चाहता था, मेरा मतलब है, होना चाहिए था। मैं मीका के पहले अध्याय के दुसरे पद से आरंभ करूंगा।

हे जाति–जाति के सब लोगों, सुनो, हे पृथ्वी तू उस सब समेत जो तुझ में है, ध्यान दे, और प्रभु यहोवा तुम्हारे विरुद्ध, वरन परमेश्वर अपने पवित्र मन्दिर में से तुम पर साक्षी दे।

क्योंकि देख, यहोवा अपने पवित्र स्थान से बाहर निकल रहा है, और वह उतर कर पृथ्वी के... ऊंचे स्थानों पर चलेगा।

और पहाड़ उसके नीचे गल जायेंगे, और तराई ऐसे फटेंगी, जैसे मोम आग की आंच से, और पानी जो घाट से नीचे बहता है।

113 और इब्रानियों का 12 वा अध्याय, 25 वा पद, हम इसे पढ़ते है।

सावधान रहो, और उस कहने वाले से मुंह न फेरो, क्योंकि वे लोग... जब पृथ्वी पर के चितावनी देने वाले से मुंह मोड़ कर न बच सके, तो हम स्वर्ग पर से चितावनी करने वाले से मुंह मोड़ कर क्योंकर बच सकेंगे:

114 अब, प्रभु परमेश्वर, अपने पढे गये वचन पर आशीष को जोड़िए, और आज हर एक को वो—वो बातें दे दीजिए, जो आपके पास हमारे जानने के लिए है, जिससे कि हम यहां से छोड़कर जाये और महसूस कर सके कि आपकी उपस्थिति में रहे थे, और मैं एक—एक नये रूप के साथ आगे जा सकता हूं और एक बेहतर समझ के साथ और कुछ ज्यादा दृढ निश्चिय होकर, जो हमारे पास थी उससे ज्यादा जब हम इस ईमारत में आये थे। क्योंकि हम इसे यीशु के नाम से मांगते हैं। आमीन।

बैठ जाये।

115 अब, कोई संदेह नहीं, यदि आपने वचन को सुना है जो एक क्रिसमस के लिए सन्देश है, मैंने कहा था, "अब क्या यह अनोखा क्रिसमस का पाठ नहीं है?" वो... मेरा जो इसे करने का उद्देश है, कलीसिया को कुछ तो बात पर लाना था, शायद हो सकता है, कुछ अलग ही होगा, क्योंकि यह आपने रेडियो के जरिये क्रिसमस पर आप जानी–पहचानी कहानी को सुनेगे, बार–बार, ज्ञानी मनुष्य की कहानी जो पूरब से आते है, जो मसीह बालक को ढूंढ रहे हैं, और चरवाहों की आराधना, और तारे का उपस्थित होना, और ये क्रिसमस की कहानियां जो आज हमारे धार्मिक विश्वास की रचना करती है। और ये बहुत ही अच्छी है। मैं—मैं उसके लिए धन्यवादित हूं। लेकिन मैंने सोचा आज सुबह कलीसिया में... और शायद हो सकता है हमारे पास्टर हो सकता है आज रात, हो सकता है अगले रविवार उस पर

कुछ तो संदेश को लायेंगे। और मैंने सोचा तब लोगो को आज कुछ—कुछ अलग दृष्टिकोण को दू... क्रिसमस के बारे में, और मैंने इस वचन को चुना। अब कुछ ही शब्द।

116 अब मैं देखता हूं आप स्थानो को बदल रहे है, कुछ खड़े हुए है, कुछ बैठे हुए हैं। और यह—यह अच्छी बात है। और जल्दी ही हमारे पास कमरा होगा, इसलिए हम नहीं... हम इस गलियारे को नहीं भर सकते हैं, अग्नि दल के नियम हमें ऐसा नहीं करने देते है। लेकिन बहुत ही जल्द हम बढायेंगे, प्रभु ने चाहा तो। उन्होंने पहले ही इस पर कार्य को आरंभ कर दिया है, और जितना जल्द हम कर सकते है हम इसे ले लेंगे, और यह कुल मिलाकर एक अलग ही स्थान होगा जब यह स्थान के लिए भौतिक भाग की बात आती है। ये निश्चय ही कोई पुराने भवन की तरह नहीं दिखाई देगा। वहां पर ये रंगीन कांच की खिड़कियां होगी, उसके चारो ओर सजावटी इंटे होगी। वहां पर... और यह कुल मिलाकर अलग ही होगा। लेकिन पुरानी इमारत यहीं पर होगी, हमारे पास इसके लिए एक उद्देश्य है, देखो। "पुरानी दीवारो को रहने दो," देखो। और हम बस इसे ढांक देंगे और इसके चारों ओर पत्थर को रखेंगे और इत्यादि, लेकिन ये बिल्कुल उसी तरह से बनी रहेगी।

117 अब, क्रिसमस। मैं—मैं चाहता हूं कि वास्तव में लोग, इस संसार में लोग समझ सके कि वास्तव में क्रिसमस क्या है। अब, पहला शब्द *क्रिसमस* एक—एक प्रकार का कैथोलिक प्रकटन है। इसका मतलब है, "मसीहा... " C-h-r-i-s-t-m-a-s, देखें, "क्राइस्ट मास (धार्मिक सभा)," देखें। इसे ठहराया गया था या रोमन कलीसिया से आरंभ हुआ। और मसीह का जन्म अब दिसंबर पच्चीसवें दिन नहीं हुआ था। ना-ना। यह तो सिर्फ एक पूर्ण रूप से विभिन्न समूहो का सिद्धांत है। इसके लिए यही सब है। "सारा संसार," जैसा की भविष्यवक्ता ने कहा, "एक सडा हुआ घाव बन चूका है।" यह सही है। बस यह कहीं भी कोई साफ चीज़ नहीं है। हर एक छुट्टी का समर्थन एक... क्यों, सांता क्लॉस ने क्रिसमस के स्थान को ले लिया है, जो चरनी में जन्मा था। खरगोश और चिकन और नयी टोपीयो ने पुनरुत्थान के स्थान ले लिया है। और परमेश्वर इन सब में कहाँ पर प्रकट होता हैं? देखा? इसका कारण यह है, क्योंकि वो मनुष्य व्यवसायी हो गया है।

118 क्योंकि, उन्होंने महीनों पहले क्रिसमस के उपहारों को खरीदना आरंभ किया है, ये और क्या है, मूर्तिपूजको के लक्षण के सिवाय! इसमें धार्मिकता

के बारे में कुछ भी नहीं है। ओह, वे कहने की कोशिश करते हैं, "ज्ञानियों पुरुषो को उपहार देना।" यह तो केवल एक—एक तस्सली के लिए शैतान का बहाना है। यदि आप कुछ तो देना चाहते हैं, तो ये मसीह के लिए आपका जीवन है। इसे एक दूसरे को लिए मत देना, ये उसे देना है। यही है वो जिसके लिए वह मर गया। यही उसका आने का उद्देश्य है। समझे?

119 लेकिन यह एक ऐसा स्थान होना है जहां ये–ये छोटे बच्चों के लिए श्राप है। कुछ छोटे पड़ोसी के पास वहां सड़क पर बहुत कुछ हो सकता है, और दूसरे छोटे बच्चे के पास कुछ भी नहीं है, और वे देखते रहते है। और यह—यह तो बस कुल मिलाकर गलत बात है। ऐसा ही है। और व्यापारियों ने इन स्थानों पर अपने व्यापार को बढा दिया है। वे... क्यों, मेरी पत्नी कुछ छोटे बच्चो के लिए कुछ तो खरीदने के लिए गयी, और यह लगभग तीन हफ्ते पहले की बात है, कहा, "ओह, हमारा सामान बिक गया है। सारा माल बिक गया है। हमने इस वर्ष दुगना माल मंगवाया था, ये सारा बिक गया।" समय से तीन या चार सप्ताह पहले ही खरीदारी शुरू कर देते है। ओह, क्या ही ये व्ययसाय करने की एक बड़ी व्यवस्था है!

120 और, आखिरकार, क्या आप जानते हैं कि क्रिसमस का कैसे कभी आरंभ हुआ, जिसे हम क्रिसमस कहते हैं, "क्राइस्ट (सभा) मास"? यहाँ पर इसकी कहानी है, जिसे मैंने थोडा कुछ संक्षेप में यहां एक पन्ने पर लिख रखा है। मैंने अभी पिछले साल में ही पूरा किया है, इससे पहले मेरे पास *सात कलीसिया काल* थे, मैंने उन्हें यहां पर सिखाया, मैंने *निसीया परिषद* को लिया, और *पूर्व निसीया परिषद* और *नियुक्त निसीया परिषद*, और *निसीन फादरस*, और हिसलॉप की *टू बेबीलोन्स* और *फॉक्स बुक ऑफ मार्टयर्स*, और सभी, क्योंकि मैंने सुना है सेवक इसका हवाला देते है। लेकिन मैं इसे खुद के लिए पढ़ना चाहता था, यह देखने के लिए, कि जब मैं इसे पढ़ूंगा मैं—मैं समझ जाऊंगा, या मैंने अपने लोगों को कहा है, क्योंकि परमेश्वर मुझसे न्याय के दिन जवाब पूछेगा, मैं जो लोगों से कहता हूं। सो, मुझे अब वो नहीं कहना है जो किसी और ने बताया है, जो वे पढ़ते हैं, मैं इसे खुद पढ़ना चाहता हूं, देखो, और जानना चाहता हूं।

121 अब, वास्तव में, क्रिसमस, मसीह, मुझे विश्वास है और लगभग सिद्ध कर सकता हूं... जैसे पुनरुत्थान को सृष्टिकर्ता की ओर देखकर सिद्ध किया जा सकता है, किस तरह से उसने इस वनस्पति जीवन को सृष्टि की, और किस तरह से हर एक चीज उसके सेवा के उद्देश्य को करते हैं मरना ही है,

और, यदि ये मर जाते है, तो ये फिर से जीवित होते है, क्योंकि इसका चिरस्थाई जीवन होता है। लेकिन एक ही तरीके से वो वापस जी सकता है, वो है एक अंकुरित बीज है। समझे? अब, परमेश्वर ने खुद को उस सृष्टि में व्यक्त किया, और ये दिखाता है ये सारे पागान के देवता और इत्यादि हमारे पास है वो सही नहीं है। देखो, वो तो केवल ज्ञान विद्या और कल्पनाये है। लेकिन वो—वो एक जिसने धरती और आकाश को बनाया, खुद को उस सृष्टि में से होकर वापस व्यक्त करता है, जो वो उसकी योजना में है। और फिर यदि...

122 क्या कभी आपने सोचा हैं, जब मसीह ने जन्म लिया था, जो परमेश्वर का पुत्र था, क्यों उसने एक चरनी में जन्म लिया, एक खलिहान में, और चरनी में लेटा था? क्योंकि वो एक मेमना था। वो घरो में जन्म नहीं ले सकते है, मेमने घरो में जन्म नहीं लेते है। और फिर क्या आपने ध्यान दिया है, जब वे उसे कलवरी की ओर लेकर गए, और कैसे वो दूर तक नहीं जा सका। उसके ऊपर ये क्रूस रखा हुआ था। वे उसे मारते गए जब तक उसकी पीठ लहूलुहान नहीं हो गयी थी। और, लेकिन वे उसे लेकर गए, वे मेमने को घात करने के लिए लेकर गए। देखा? वो एक मेमना था। तो ठीक है, और यदि ये सारी प्रकृती की गवाहियाँ, वो जो था... मेमने कब जन्म लेते है, दिसंबर या अप्रैल में? निश्चय ही। देखो, यह तो केवल मुर्खता है, देखो, इस तरह की एक बात को सोचना मुर्खता है।

123 इसे रोमन कैथोलीक कलीसिया के द्वारा किया गया, इससे पहले ये रोम में कैथोलीक कलीसिया बने। लगभग 606 ए.डी., ऐसे ही आसपास या मेरा मतलब 306 ए.डी.। अब हम पाते है कि रोमन पागान ने जुपीटर की आराधना की, जो सूर्य देवता था; और उन्होंने अश्तोरेथ की आराधना की, जो चन्द्र देवता था; या, या तो माँ... वो—वो स्वर्ग की माता थी। तो, इसे वहां लाने के लिए, उन्होंने कहा कि अश्तोरेथ, या देवता, स्वर्ग की माता नहीं रही थी, और उसने अपने आप को मरियम में प्रतिबिंबित किया था। इसलिए ये अब भी मूर्तिपूजा बनी हुई है, जो मसीहत को मूर्तिपूजा से जोड़ रही है।

124 बाद में, और उन्होंने अनुमती भी दी, या आराधना की, और उनके सूर्य देवता के जन्मदिन को आदर दिया, जो जुपीटर था। जब ये सूर्य दिसम्बर के एक से लेकर दिसम्बर के पच्चीस तारीख तक, ये नहीं बदलता है, ये उसके मकर राशि से होकर गुजरता है। और कुछ भी हो, मेरे पास अख़बार का

एक टुकड़ा है, मैं आपके लिए किसी समय पढना चाहूँगा, जिससे आपको झटका लगेगा। आप उस बारे में बात करते है जो उस दिन यहाँ नीचे नदी पर घटित हुआ, मैं आपको दिखाना चाहता हूं जो येरुशलम में जाँच से परिणाम आ रहा है, इसे साबित करता है, अभी कुछ हफ्तों पहले एक अख़बार में आया था। अभी कुछ हफ्तों पहले एक अख़बार में आया कि उन्होंने कुछ तो येरुशलम में पाया है, जो सकारत्मक साबित होता है कि वो दूत उसी समय पर यहाँ पर उपस्थित हो रहा था और सेवकाई को आगे भेज रहा था। जी, हाँ। देखा? अब इसे कुछ हफ्तों पहले तक कभी भी नहीं जाना गया था, लेकिन यहाँ पर यह अख़बार में है।

125 अब ध्यान दे, जब यह इसे पार करता है, ये—ये इस में होता है, देखो। अब दिसम्बर के इक्कीस के बाद, तब दिन थोडा सा छोटा होता जाता है, हर दिन, या हर दिन थोडा लम्बा होता जाता है, जब तक ये जुलाई के आस–पास नहीं आ जाता है। और तब ये फिर से छोटा होना आरंभ होता है, जब तक ये उचित रूप में नहीं आ जाता है... और यही बस वो विश्राम करने का समय है। और रोमन पागान ने कहा यह सूर्य देवता का जन्म दिन था। दिसम्बर के एक से लेकर दिसम्बर की इक्कीस या दिसम्बर पच्चीस तारीख तक, वे उस समय के दौरान रोमन सर्कस करते थे, रथों की दौड़ करते थे और इत्यादि। तो ठीक है, फिर वे मसीह, या रोमन मसीह उनके सिद्धांतो को दोनों तरह होने के लिए जोड़ते है, दोनों पागान और मसीह के लिए, उन्होंने कहा, "यदि यह सूर्य देवता का जन्म दिन है, आओ हम बस इसे एक साथ मिला कर करके परमेश्वर के पुत्र का जन्म दिन कर देते है।" वहां पर आपकी दिसम्बर की पच्चीस तारीख आपके मास (सभा) के लिए है, क्राइस्ट मास (मसीह सभा)। ओह, क्या ही बेकार बात है! देखा?

126 अब, जोड़ने करने के लिए। क्यों, आप कहते हैं, "क्या कोई और दिन नहीं करेगा? " हाँ, लेकिन क्या मसीह को पागान के साथ से जोड़ना? वो उसी चीज खत्म करने के लिए आता है, वे उसे फिर से इसके साथ वापस जोड़ते है। देखा? यही वो चीज है जो गलत है। और सांता क्लॉस, कोई तो जर्मनी में क्रिस क्रिंगल नाम का बूढा व्यक्ति है, जो क्राइस्ट मास के दिन पर यहाँ–वहां जाकर बच्चों को उपहार देता था, वह एक कैथोलिक था और उन्होंने उसे एक संत बना दिया, अब यह संत निकोलस है। देखा? मैं

बेहतर बस... वे करेंगे... कि, आप इस बात को कैसे भी जानते हैं। देखो, हमने उन्हें *कलीसिया कालो* में पाया है।

127 लेकिन आज सुबह, जो मैं कहना चाहता हूं वो यह है, कि, इस आने वाले क्रिसमस के दिन हम देखते है कि संसार बेहतर परिस्थिति में नहीं है जैसे ये उन्नीस या बीस सौ वर्ष पहले था, जब मसीह आया था। इसमें कोई फर्क नहीं है। बस लगभग उसी स्थिति में है जैसे यह तब था, वैसे ही यह अब है। वे... यदि मैं एक पाठ से निष्कर्ष को निकालता हूं जो... या एक विषय कि जो मैं कहने जा रहा हूं, वो होगा: *संसार का टूट कर बिखरना।*

128 जब मसीह नौ सौ वर्ष पहले क्रिसमस पर आया, संसार टूट कर बिखर रहा था हर एक चीज प्रदूषित के अन्दर आ गयी था। धार्मिक संसार प्रदूषित हो गया था। रोमन संसार, नैतिक रूप से, उसके सबसे नीचले स्तर पर था। ओह, संसार की अनैतिकता! यहूदी लोगो ने अपने परमेश्वर को छोड़ दिया था, और उनके पवित्र धार्मिक उत्सव को मनाते और इसे एक अनुष्ठान रीति–रिवाज़ बना दिया है। परमेश्वर उनसे निकल गया था। और वे जान गए थे कि कुछ तो हुआ था, जो सारे संसार ने किया था, क्योंकि, ताकि इसे एक साथ रखे। यह टूट कर बिखर रहा था। और *कुछ तो* इसे एक साथ बनाये रखता है, हर एक राष्ट्र अपने तरीके से किसी बात के लिए देख रहा था या किसी को तो देख रहा था, ताकि आकर इसे एक साथ पकड कर रखे।

129 क्या यह आज की तस्वीर नहीं है, मैं संसार को नहीं जानता। ये किसी चीज को देख रहा है जो इसे एक साथ पकडे रखे! ये बिल्कुल ऐसा ही दो हजार वर्ष पहले था। वो संसार, दो हजार वर्ष पहले, जो एक मसीहा के लिए देख रहा था ताकि चीजो को एक साथ पकडे रखे। लेकिन दो हजार वर्ष पहले, परमेश्वर ने संसार को एक मसीहा दिया। क्योंकि अगर हम कुछ तो अपेक्षा करते हैं, और किसी बात के लिए देख रहे हैं, परमेश्वर इसे हमारे लिये भेज देगा। और अब संसार, दो हजार वर्षो के बाद, उसी परिस्थिती में वापस आ चूका है यह दो दो हजार वर्ष पहले था। वे टूट कर बिखर रहे है, वे राष्ट्र, वहां कहीं भी कोई नहीं—कोई बुनियाद नहीं है। साम्यवाद, कैथोलीक मत, प्रोटेस्टेंट मत, राजनीति, नैतिकता, सब कुछ टूट कर बिखर चूका है।

130 और वे एक मसीहा के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। लेकिन यहाँ है वो जो मैं कहना चाहता हूं! यदि वह आता है, तो क्या हम उसे ग्रहण करेंगे या हम वैसे ही करेंगे जैसा उन्होंने किया? क्या हम उसे अस्वीकार कर देंगे? क्या हम जानते हैं कि हमें वास्तव में क्या चाहिए? कभी–कभी हम चाहते हैं कि हम अपनी इच्छाओं के लिए प्रार्थना करे, और कभी–कभी हमारी इच्छाये हमारी आवश्यकता नहीं होती हैं। हमें यह जानना जरुरी है जो हमें समझ में नहीं आता कि हमारी क्या आवश्यकता है; हम सोचते हम वो करते हैं। लेकिन परमेश्वर ने हमारी आवश्यकताओ को पूरा करने की प्रतिज्ञा की है, और वो इसे करेगा।

131 अब, क्या हो मेरा छोटा जोसफ, जो सात वर्ष का है, मेरे साथ शिकार करने के लिए जाना चाहे, और वो मेरी स्वचलित बन्दुक को लेने के लिए रोने लगे और चीखने लगे, जो गोलीयो से भरी हुई बन्दुक है, "पिताजी, मैं एक खरगोश को मार सकता हूं"? तो, मैं—मैं उसे ऐसा करने नहीं दे सकता हूं, फिर भी वो सोचता है कि उसे ये बन्दुक चाहिये, लेकिन मुझे उसके बारे में उससे ज्यादा पता है। और क्या हो यदि आपका डेढ वर्ष के उम्र का छोटा बच्चा आपको तब धारीदार रेज़र के साथ दाढ़ी बनाते देखे, और उस रेजर के लिए चिल्लाये और रोये? अब उसने आपको दाढ़ी बनाते देख लिया है, वह वही चीज़ को करना चाहता है। क्योंकि, आप जानते हैं कि उसके लिए सबसे अच्छा क्या है। अब आप—आप उसके पास इसे नहीं देंगे, क्योंकि, यदि आप एक समझदार सोच वाले पिता हैं, तो आप इस तरह की चीज नहीं करेंगे, लेकिन आप इसे उससे दूर रखेंगे। और फिर बहुत सी बार हम कुछ ऐसा चाहते हैं जो उस बात के विपरीत होता है जिसे परमेश्वर जानता है कि हमारी क्या आवश्यकता है, इसलिए वह हमें इसे नहीं देता है।

132 और वे एक मसीहा के लिए प्रार्थना कर रहे थे। वे एक मसीहा को चाहते थे। लेकिन यहां है, वो कहां पर है, वे उसे उस तरह से चाहते थे, जिस—जिस तरह से वे चाहते थे। और परमेश्वर ने उसे उस तरह से भेजा जिस तरह वो उसे चाहता था, और उन्होंने उसे अस्वीकार कर दिया।

133 और वे आज ऐसा फिर से कर रहे हैं, आज भी उसी बात को करते हैं, वे इसे फिर से अस्वीकार कर देंगे। वे अब फिर से उसी बात को करते है, जैसा उन्होंने तब किया। क्यों? उसी कारण के लिए, वही कारण। वह तब आया, और हम जानते हैं कि वह आ गया है। वह आया, और उनके लिए,

लेकिन वो उस रीति से नहीं आया और जिस तरह से उन्होंने उसके आने के लिए चाहा था। और यदि परमेश्वर हमें आज कुछ तो भेजता है, हमें इसके लिए बाहर बुलाता हैं, और कलीसिया, और जब परमेश्वर इसे भेजता है हम इसे नहीं चाहते हैं। यह हमारे सांप्रदायिक स्वाद के अनुसार नहीं आता है। यह हमारे धर्मशिक्षा की धारणा के अनुरूप नहीं आता है, कभी–कभी। लेकिन ये वही चीज होती है जिसके लिए हमने प्रार्थना की थी। वही विनंती जिसके लिए हमने परमेश्वर के सामने प्रार्थना की थी, परमेश्वर ने इसे हमारे लिए भेजा, और हम इसे अस्वीकार कर देते है।

134 हम परमेश्वर से एक क्रिसमस के उपहार को चाहते हैं, लेकिन हम इसे उस तरह से चाहते हैं, जिस तरह से हम चाहते हैं। परमेश्वर इसे उस तरह से भेजता है हमें यह चाहिए। वह जानता है कि राष्ट्र को क्या चाहिए, वह जानता है कि कलीसिया को क्या आवश्यकता है। लेकिन हमें लगता है कि हम जानते हैं, लेकिन वो वास्तव में जानता है कि यह क्या है।

135 अब, जैसा कि मैंने कुछ मिनट पहले कहा था, हम फिर से इस क्रिसमस में आते हैं, संसार टूट कर बिखर रहा है। आइये कुछ चीजों के नाम को ले जो मैंने यहाँ संक्षेप में लिखकर रखा है।

136 संसार के अनैतिकता की ओर देखे, शायद ही, कभी भी ऐसा निचली अवस्था में नहीं था। मेरे—मेरे पास यहां एक लेख है जिसके मैं केवल इसके कुछ ही शब्दों को पढ़ना चाहूंगा। ये एक—एक स्टैंडर्ड बेयरर नामक अख़बार में मिला, जो अफ्रीका का अख़बार है, कहता है, "लज्जा की मृत्यु। नारी की लज्जा, वो सुंदर गुण है जिसे उसके नैतिक स्तर की रक्षा के लिए परमेश्वर ने मनुष्य के परिवार में रखा है, जो आज ख़त्म होती जा रही है, जैसे निर्दोष महिलाओ और लड़कीयों ने फैशन की देवी के सामने अपने घुटनों को झुका दिया है, और सबसे अत्यधिक शर्मनाक आधुनिक शैलियों के लिए पुष्टि करने में वे हिचकिचाती नहीं हैं।" मेरे पास यहाँ इस बारे में एक पन्ना है। "मैंने कैसे इस तरह की कभी भी बात नहीं सुनी! और यौन आकर्षण करने को माना जाता है कि मसीहो और गैर मसीहो दोनों के बीच वैध है।"

137 जैसे यह हमारे बहुमूल्य भाई अर्गनब्राइट और मैं इस सुबह भोर को सड़क पर आये, उस विषय के बारे में बात कर रहे थे, एक लड़की को पाना मुश्किल है जो शर्म करने के लिए पर्याप्त विनम्रता के साथ हो। वे बहुत

सारे अश्लील चुटकुले सुनते है और गंदगी, और, क्यों, आप उन्हें शर्म दिलाने के लिए कुछ भी नहीं कह सकते है। जब, कुछ वर्ष पहले, जब मैं एक लड़का ही था, एक छोटी सी गलत बात, उनके चेहरे रंगे हुए होते, एक छोटी सी लड़की वहां से गुजरती, और एक और छोटी लड़की जो घुटने के ऊपर छोटे से स्कर्ट को स्कूल में पहन कर आती है, और मैं वहां खड़ा था, बात कर रहा था, और जब उस लड़की ने उसकी ओर देखा और इस छोटी लड़की को, जो घुटने के ऊपर स्कर्ट को दिखा रही है, उसका छोटा सा चेहरा लाल हो गया, और वह मुझसे दूर चली गई, एक सोलह वर्ष की लडकी। क्यों, क्या ही... यह परमेश्वर के द्वारा दिया गया गुण है, हमारी नैतिकता की रक्षा करने के लिए।

138 तब क्या आप सोच सकते हैं कि मैं क्यों इस तरह की बेहूदा बातों के खिलाफ पुकार उठता हूं, जैसे आज हो रही है, अपने आप को मसीह कहते है, और महिलाओं का कपडे पहनना और व्यवहार करना, और पुरुषो का सिगरेट पीना, और जो कुछ भी है, और इस प्रकार से करते जाते है। और सेवक लोग समझौता करते है, और यहाँ तक वे चाहेंगे भी नहीं कि आप पुलपीट पर आकर इस तरह के बातों के विरोध में प्रचार करे। सोचता हूं, क्या हम आज बहुत कुछ वैसा ही नहीं कर रहे है जैसे कि उन्होंने दो हज़ार वर्ष पहले किया था! याद रखें, जब इस्राएल ऐसा करते ही जा रहा था, परमेश्वर ने एक यशायाह को खड़ा किया। जब वो समय बीत गया और उन्होंने फिर से आरंभ कर दिया, तो वहां पर उसने एक यिर्मयाह को खड़ा किया। और परमेश्वर अपने बातों को करने का तरीका नहीं बदलता है, वह अनन्त परमेश्वर है। वह नहीं बदल सकता है। उसका जो इसे करने का पहला विचार है, हमेशा ही उसी तरह बने रहना है।

139 आज हमें जो चाहिए, वो मसीहा के मसीहत के साथ अभिषेक किया गया संदेश है। लेकिन क्या वे इसे ग्रहण करेंगे? वे इसके लिए प्रार्थना करते हैं, लेकिन क्या वे इसे ग्रहण करेंगे? नहीं, श्रीमान, वे इसे ग्रहण नहीं करेंगे। वे इसे क्रूस पर चढ़ाते हैं जैसे उन्होंने प्रथम स्थान पर किया था। मनुष्य का ह्रदय भरमाया जा रहा है।

140 नैतिकता, राष्ट्रीय झगडे। अब संसार कब तैयार हुआ था, कि नैतिकता में बिखर रहा हो, जितना ये आज है? और किसकी अनुमती से निर्धारित—निर्धारित किया गया है? हम अमेरिकियों ने। जब मैं यहां रोम के सैन एंजेलो में था, ज्यादा समय नहीं हुआ, सैन एंजेलो के पास मृत

लोगो का तहखाना है, वहाँ अमेरिकी महिलाओं के लिए एक सुचना थी, "मृत लोगो के तहखाने में, अन्दर प्रवेश करने से पहले, कृपया मृतकों ले सम्मान के लिए कपड़े पहन ले।" एक धार्मिक राष्ट्र, जिसे एक परमेश्वर का भय करने वाला राष्ट्र होना चाहिए! हम दूसरे लोगों के पूर्व अनुभवों पर जी रहे हैं, हमारे पूर्वज जो मसीह थे।

141 राष्ट्रीय झगडे। संसार में कभी ऐसा समय नहीं रहा है कि यह संसार में राष्ट्र में टुकड़े होकर और बिखरना नहीं हुआ था जैसा कि यह अभी है। क्यों, आप संपादकीय और अखबारों को देखते हैं और—और टिप्पणी करने वाले और अनुमान लगाने वाले, और इत्यादि, बमो के लिए कह रहे हैं, वे जो कर सकते हैं, केवल कोई भी छोटा राष्ट्र, सारे संसार को नष्ट कर सकता हैं। और उनके बीच कोई शांति नहीं है। आप उस तरह से शांति नहीं ला सकते हैं। शांति से भाईचारा, राजनीति के द्वारा—द्वारा नहीं आ सकती है, यह मसीह के द्वारा आती है। वे इसे ग्रहण नहीं करना चाहते हैं।

142 मैं यहाँ कुछ चीजों को कैसे बोल सकता हूं! हमारी खुद की राजनीति में भ्रष्टाचार है, क्यों, राजनीति पूरी तरह से सड़ चुकी है! आप एक रात रेडियो *यंत्र* में सुन रहे थे, मुझे लगता है, या सोचता हूं यह लुइसविले से घंटे या दो घंटे का प्रसारण था, जहां से वे देश भर में जुड़ते हैं, और वे बता रहे थे, वे कभी तो एक बार अलग–अलग विषयों पर बताते है, और उन्होंने इस बार श्रीमान निक्सन पर बात की जो राजनीति से हटकर दूर जा रहे है, जब वे अपनी दौड़ में हार गए, लॉस एंजल्स में जो राजनीतिक दौड़ थी, या केलीफ़ोर्निया में, और "क्या वो कभी वापस आयेंगे? " और जब प्रसारण हुआ, दो या तीन घंटों के बाद, मैंने इसे सुना था जब ये वहां से भाई चार्ली के घर में यहाँ आ रहा था, और मैंने इसे सुना, जो ऊपर आ रहा था, भाई वुड और मैं रेडियो पर थे। और यह पता लगाने के लिए आया, कि निक्सन, जो यहां तक कि सभी पूर्वी देश पर है, जहां तक प्रसारण जाता है, मिसिसिपी से पेंसिल्वेनिया तक, कि उन्होंने श्रीमान केनेडी को हराया था, और लोग फोन कर रहे थे और व्यक्त कर रहे हैं, लगभग चार में से एक वोट। तब एक व्यक्ति खड़ा हुआ और कहा, "यदि आपके पास—पास चुनाव करने की मशीनें नहीं होती थी—थी तो वो राष्ट्रपति बनता।" आप वहाँ पर हो। राजनीति, धोखाधड़ी, जो दोनों तरफ से सड चुकी है। मैं उसे दोष नहीं देता, मैं भी अपने हाथ ऊपर कर दूंगा, और उन घिनौनी

चीजों को भ्रष्ट होने दूंगा, यह किसी भी तरह से संसार के साथ जा रहा है। लेकिन अपने हाथों को आगे मसीह की ओर पकड़ो और कहो, "मैं यहाँ आया हूं, प्रभु।"

143 राष्ट्रीय झगडे। और अब जहां आपको यह सोचना चाहिए कि उन्हें एक साथ बने रहने के लिए यत्न करना चाहिए, वे बिल्कुल अलग हो गए हैं। इसी तरह से ये था, आने वाले समय में, दो हजार साल पहले जब संसार टूट कर बिखर रहा था। आज उसी परिस्थिति के नीचे ये टूट कर बिखर रहा है।

144 और फिर कलीसिया का भ्रष्टाचार! ओह, प्रभु! धार्मिक भ्रष्टाचार! ओह, बाइबल के दो हज़ार वर्षो बाद संसार को देखना भद्दी बात है, और पवित्र आत्मा यहाँ पृथ्वी पर है, और आज यह टूट कर बिखर रहा है, उतनी ही बुरी तरह से जैसे दो हजार वर्ष पहले था। धार्मिक भ्रष्टाचार। राजनीति ने धर्म में प्रवेश किया, और धर्म ने राजनीति में प्रवेश किया। इस प्रकार की परिस्थिति को देखना एक भयानक बात है! मैं जानता हूं ये है। आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, आपको यहाँ क्रिसमस के समय इस तरह की एक तस्वीर को हमारे लिए नहीं बनाना करना चाहिए।" आपको चाहिए कि सत्य को जाने, जो आपको जानना चाहिए! अब, कैसे कर सकते हैं...

145 परमेश्वर आशीष देगा, लेकिन उन आशीषो को कुछ निश्चित परिस्थितियों में आना है, कुछ मांगे होती है जिसे आपको पूरा करना अवश्य है। और यदि आप उन मांगो को पूरा नही करते है, तब परमेश्वर की आशीषे और प्रतिज्ञायें आप के लिए बेअसर होती है। परमेश्वर ने इस्राएल से पूरा करने की प्रतिज्ञा की जब तक उन्होंने धार्मिक पर्वो और चीजों को पवित्रता और सच्चाई के साथ—साथ बनाये रखा। परमेश्वर ने उन्हें पूरा किया। लेकिन जब वो, वे बस इसे ऐसे करने लगे जैसे ये एक पारिवारिक रीति रिवाज़ हो, फिर परमेश्वर ने अब इसे और करने से अस्वीकार कर दिया। उसने कहा उन्होंने उसके मूंह पर इंकार कर दिया। तो आज भी यही बात है, कि हमें—हमें—हमें वापस जानना होगा कि उस चीज की सच्चाई क्या है।

146 कलीसियाओ में राजनीतिक झगडे! हम आज नौ सौ अलग–अलग मसीहत की संप्रदायो के साथ खड़े है, हर एक, एक दूसरे के साथ लड़ रहा है। तो ठीक है, ऐसा है, ये इतना बुरा नहीं था जब वो आया था, वहां

उनमें केवल चार या पांच विभाग थे, फरीसियों और सदूकीयो और इत्यादि। लेकिन अब हमारे पास नौ सौ और ऐसे ही कुछ है। क्यों, ये कलीसिया जो एक ख़राब परिस्थिति में है, इस क्रिसमस पर, उससे भी ज्यादा जो उन्नीस सौ वर्ष पहले थी। अब यह एक बदतर परिस्थिति में थी। संप्रदायिक झगडे! इस सब क्या कारण है, दोस्तों, क्योंकि उस राजनीति ने पवित्र आत्मा की जगह को ले लिया है। पवित्र आत्मा परमेश्वर के वचन को लेना चाहता है, और कलीसिया को विजय के लिए नेतृत्व करें, लेकिन शिक्षा संबंधी कार्यक्रम और राजनीतिक कार्यक्रम, संस्था और संप्रदायों ने इसे नौ सौ अलग–अलग दिशाओं में नेतृत्व किया है। तो कलीसिया का कोई नहीं... यही है जो "कलीसिया" कहलाती है। मेरा मतलब सच्ची कलीसिया से नहीं है; वो अब भी ठीक धधकती आग पर बढ़ रही है, ओह, हाँ, फिर भी वो वैसी बनी रहती है। लेकिन जिसे संसार "कलीसिया" कहता है, ऐसा दिखाई देता है कि एक ऐसा ढांचा होगा जो... संसार को एक साथ बनाये रखता है, जो बनावट है जिसे हम आज नैतिकता और संसार की चीजें कहते हैं, यह प्रदूषित हो गई है। इसके—इसके सूत्र सड़ चुके हैं, और उन... स्वार्थपन के दीमक ने उसी बुनियादो को बाहर से लेकर अन्दर तक खा लिया है। यह निश्चित रूप से सत्य है। अब, बस इस परिस्थिति में यह कहा था कि यह दूसरा तीमुथियुस 3 को लेता है, "ढीठ, घमण्डी, और परमेश्वर के नहीं वरन सुखविलास ही के चाहने वाले होंगे," और इत्यादि।

147 तब यदि हम राजनीति को इस परिस्थिति में देखते हैं जो कि उन राष्ट्रों में हैं, और हम कलीसियाओ को उसके भ्रष्टाचार में उसके संप्रदायों में देखते हैं, और फिर भी हम चाहते हैं कि परमेश्वर उन चीजों में हमारे पास आये। परमेश्वर हमारे साथ उस गंदे नाले में नहीं आयेगा, उन चीज़ों के नीचे जिसे हम चाहते हैं कि वो वहां पर आये। वह ऐसा नहीं करेगा। वह पवित्र है और वह—वह—वह जानता है कि अच्छा क्या है। यदि हम पुकारे, तो वो हमें उत्तर देता है। और जब वह उत्तर को भेजता है, तो हम इसे अस्वीकार कर देते हैं। हम इसे उस तरह से चाहते हैं, जैसे इसे हम चाहते हैं। और हम परमेश्वर को पाने की कोशिश करते हैं, और खुद को बचाने की कोशिश करते हैं, उसी चीज के द्वारा जो हमें साबित हुई है। कलीसिया, कृपया इसे सुनें! यही वह चीज है जो ईश्वरीय रूप से हमें साबित हुई है, यही हमें भ्रष्ट कर देता है, और फिर भी, हम खुद को बचाने के लिए हम उसी सिद्धांतो की ओर देखते हैं। वचन की ओर वापस जाओ! यही है जो

मसीहा कहेगा। अब, लेकिन हम राजनीति की—की ओर देखते हैं। हम राष्ट्रिय संसार के लिए यत्न करते हैं, हम इसे राजनीति के जरिये से बचाने की कोशिश करते हैं। कलीसिया चाहती है कि हमारा संसार राजनीति के जरिये से (कलीसिया का संसार) बचाया जाये। इस प्रकरण ने समय दर समय, संसार को प्रभावित किया है, हमेशा ही मूसा के समय से लेकर, वही बात, राजनीति शासन करने की कोशिश कर रही है। और यह भ्रष्ट है। वहाँ किसी भी तरह से मनुष्य इसे नहीं कर सकता है, आरंभ से ही एक मनुष्य में कुछ भी अच्छा नहीं है। यही वो कारण है उसे मरना है।

148 और जब हम—जब हम इस संसार को इस परिस्थिति में देखते हैं, ऐसा दिखेगा कि हर युग में यह टूट कर बिखर रहा है, जब संसार उस परिस्थिति में हो आ जाता है, लोग प्रार्थना करते हैं। ओह, यहां तक कि राष्ट्रपति भी कहता हैं (यह क्या था?) दस मिनट, या एक घंटा या ऐसा ही कुछ, प्रार्थना के लिए कहता है। इससे कुछ भी भला नहीं होगा। हमें जो चाहिए, वह प्रार्थना नहीं है, लेकिन एक पश्चाताप करना है, वापस मुड़ना, दूर होना, त्याग करना। परमेश्वर की ओर वापस आ जाओ! बल्कि मेरी तसल्ली को, परमेश्वर के वचन पर और पवित्र आत्मा के बपतिस्मा पर, मसीह की उपस्थिति पर खड़ा होना है, उसकी तुलना में जो राजनीति या सारी सुरक्षा या कलीसिया आपको कभी दे सकते है। निश्चित रूप से, क्योंकि मैं जानता हूं कि यह खड़ा रहेगा।

149 हमारे पास ऐसा राष्ट्र भी नहीं होता, हमारे लिए बेहतर राष्ट्र होता, यदि हमारे पास अभी परमेश्वर का राष्ट्र होता तो, परमेश्वर का राज्य। परमेश्वर हमेशा उत्तर देता है और उन्हें राहत को भेजता है, लेकिन वे इसे ग्रहण नहीं करना चाहते हैं। वह, परमेश्वर उत्तर देता हैं जब राष्ट्र हर समय इस तरह की परिस्थितियों में पहुँचता है। जब संसार, मेरा मतलब, इस परिस्थितियों में पहुँचता है, बिखर रहा होता है, तब परमेश्वर हमेशा ही उनकी प्रार्थना का उत्तर देता हैं, उनके लिए एक भविष्यव्यक्ता या कुछ तो भेजता है, कुछ शक्तिशाली भविष्यव्यक्ता को भेजता है ताकि इसे विस्फोट करे। लेकिन वे उसे नहीं सुनते है। वो क्या करते हैं? उसे कब्र में डाल देते है। यीशु ने कहा, "तुम में से कौन, क्या तुम्हारे पूर्वजों ने वहां भविष्यवक्ताओं को कब्र में नहीं रख दिया था, और तब सफेद, और अब उन्हें सफेद बनाते हैं, और उनकी समाधि को बनाते है? और तुम ही वो एक हो जो उन्हें वहां पर डालते हो।" यह सही है। "आप में से वो कौन है? " वे सहायता के लिए पुकारे।

परमेश्वर ने इसे उनके लिए भेज दिया, और उन्होंने इसे ठुकरा दिया। फिर क्या, क्या परमेश्वर दोषी है या लोगों का दोष है? यह लोगों को दोष है। निश्चित रूप से।

150 जब यीशु का जन्म हुआ था, वह संसार, जैसा कि मैंने कहा, बिखर रहा है। इसे राजनीति के द्वारा नियंत्रित किया गया, और राजनीति उन दिनों में भ्रष्ट थी। राष्ट्रीय कलीसिया भ्रष्ट थी। रोमी और यूनानी लोग एक अभिषिक्त मसीहा के लिए देख रहे थे। ग्रीक और यूनानी लोगो का शायद संसार के लिए सबसे अच्छी भूमिका थी, और वे उस एक से लड़ रहे थे, उनके बीच एक दूसरे से लड़ाई हो रही थी, इसलिए वे—वे किसी अभिषिक्त मसीहा के आने के लिए देख रहे थे। और वे यहूदी, वे चाहते थे कि एक मसीहा आये। और वे रोमी कुछ बडे राजनेता के लिए देख रहे है, जो रोम में खड़े हो कर, यूनानी को हाथ में ले सके और उन्हें बताये कि इसे कैसे करना है, और रोम संसार पर शासन करेगा। यूनानी एक बडे राजनेता को खड़ा करना चाहता था, अभिषेकित राजनेता, एक मसीहा, जो कहे, "हम उन रोमन और यहूदी को हाथ में ले लेंगे, और उन बाकी के लोगो को।" देखो, यही है वो जिसके लिए वे देख रहे थे।

यदि यह आज की तस्वीर नहीं है, तो मैं नहीं जानता कि यह क्या है। ठीक है!

151 राजनीति एक अभिषिक्त मसीहा को चाहता था। और यहूदी एक मसीहा के लिए देख रहे थे, और वे उस एक को चाहते थे, जो वहां पर आये, वैसे नहीं जैसे उन्हें मिला, वे एक जनरल को चाहते थे, जो वहां आकर धरती पर से उनके लिए रोमी और यूनानी दोनों को रोंद डाले। इसी तरह के मसीहा को वे चाहते थे। वे उस प्रकार के मसीहा के लिए प्रार्थना कर रहे थे। रोमी लोगो ने कहा, "हमारे लिए एक को भेजें। आइए हम उस अभिषिक्त व्यक्ति के लिए किसी को वोट दें, वो एक व्यक्ति जो समझता हो, वह राजनीति में एक निपुर हो, वो बिल्कुल सही रीति से यूनानी और बाकी के संसार को हाथ में लेने की रणनीति को जानता होगा।" बाकी का संसार पुकार रहा था, "हमारे लिए किसी एक ऐसे व्यक्ति को भेजें जो—जो—प्रतिभाशाली बुद्धि के साथ अभिषेकित हो किया कि वह जानता होगा कि बाकी के संसार को कैसे हाथ में लेना है।"

अब, यदि यह आज की तस्वीर नहीं है, तो मैं नहीं जानता।

152 और कलीसिया पुकार रही है, "हमारे लिए एक जनरल को भेजे कि वो उतर कर आये, और जो हममें से हर एक को हथियार में डाल दे, और बताये कि तलवार का उपयोग कैसे करें और हमें रणनीति को बताये, और हम धरती पर से रोमी, यूनानी और बाकी को रोंद डाले।" इसी तरह से वे करना चाहते हैं, शासन करने के लिए! यही वो—वो शक्ति है।

153 आज भी ऐसी बात है जो हम कलीसियाओ में पाते है। आप जो मेथोडिस्ट है, आप एक मसीहा के लिए देख रहे है। वो किस तरह का एक मसीहा है? ना ही वो जो परमेश्वर आपको भेजेगा। आप बैपटिस्ट, आप उस एक के लिए देख रहे है। आप असेंबली ऑफ गॉड, आप एक मसीहा के लिए देख रहे है। आप जो वननेस है, आप उस एक मसीहा के लिए देख रहे है। ये सही है। लेकिन आप किस के लिए देख रहे हैं? उसी चीज के लिए, जो राजनीतिक संसार देख रहा है। कोई महान गणित का प्रतिभाशाली, कोई बड़ा विद्वान जो डी.डी, पीएच.डी के साथ है, जो आपके कलीसिया में आये, जो उठाकर इन अन्य संप्रदायों को बाहर निकाले और सबको आपके साथ शामिल कर ले। कुछ लोग जो फुसलाने में इतने अच्छे होते है, वो तरह से हाथ में ले सकता है।

154 आप क्रिसमस के समय यहां एक मसीहा के लिए पुकार रहे हैं। हु–हुन। उन्हें क्या मिला? वे—वे इसे चाहते थे। वे इसे हाथ में लेना चाहते हैं। आज संसार इसे हाथ में लेना चाहता है। कलीसिया हाथ में लेना चाहती है, हर एक संप्रदाय। लेकिन देखो परमेश्वर ने उन्हें क्या दिया! वे एक प्रतिभाशाली सैन्य को चाहते थे। वे एक—एक प्रतिभाशाली वैज्ञानिक को चाहते थे, लेकिन परमेश्वर उन्हें एक मेमने को देता हैं, एक बालक। क्या ही विपरीत बात है! आपको लगता है कि वे उस रोते हुए बालक को स्वीकार करेंगे? लेकिन यही है वो, जिसकी उन्हें आवश्यकता थी। परमेश्वर आपको आपकी आवश्यकता के अनुसार देता है। निश्चित ही। वे... उसके पास... उनके पास एक बालक था जब वे एक जनरल को चाहते थे; लेकिन उनके पास एक बालक था, नम्र, दीन। हालांकि उनकी आवश्यकता को जानता था।

155 वह कभी भी राष्ट्रीय या एक कलीसिया का राजनेता बनने नहीं आया। और यदि मसीहा आज आता है, तो वह एक राष्ट्रीय या एक कलीसिया का राजनेता बनने नहीं आयेगा। और यदि हम ऐसे व्यक्ति के लिए पुकारते हैं, तो परमेश्वर हमारे लिए छुटकारे को भेज देगा, लेकिन हमें इसे उसी तरह से

ग्रहण करना है जो वह इसे भेजता है। उन्होंने ऐसा नहीं किया, उन्होंने इसे उस तरह से नहीं चाहा। कलीसिया आज पुकार रही है, "हे स्वर्गीय पिता, क्या आप कृपया हमारे लिए यीशु को भेजेंगे? कृपया आप भेजेंगे?" और जब पवित्र आत्मा अन्दर आने लगला है, "ओह, यह तो... हम इसे नहीं चाहते हैं।" देखो? तो, तुम कहोगे, "ओह, ओह, हम नहीं व्यक्ति को नहीं जो हमारे ऊपर शासन करे। ओह, मैं यह सुनना नहीं चाहता। नहीं। ओह... मैं इसे स्वीकार नहीं कर सकता, मेरी संस्था उस पर विश्वास नहीं करेगा।" तो आप एक मसीहा को नहीं चाहते हैं, आप अभिषेक को नहीं चाहते हैं। यदि परमेश्वर एक मसीहा भेजता है, तो वह बिल्कुल बाइबल के वचन दर वचन अनुसार होगा, ठीक उसी तरह से जैसे वो पहली बार था। संसार की पुकार, जब हम राजनेता और बाकी के लोगो को देखते हैं कि कलीसिया से उसी जीवन को बलपूर्वक बाहर कर रहे है, और हम पुकारते हैं, और परमेश्वर इसे हमारे लिए भेजता है, तब हम इसे ग्रहण नहीं करते। "यह सही है, हम इसे नहीं चाहते हैं। नहीं, यदि यह हमारे—हमारे सांप्रदायिक धारणाओं से नहीं मिलता है, तो हम इसे ग्रहण नहीं कर सकते।" समझे? ओह, क्या आप नहीं देखते कि वास्तविक क्रिसमस... लोग इसे नहीं चाहते हैं। वे परमेश्वर के भेजने के तरीके को नहीं चाहते हैं। वे किसी के लिए तो देख रहे है, लेकिन वे इसे नहीं चाहते हैं।

156 अब, परमेश्वर ने उनके लिए भेजा, जिस दिन वे पुकार रहे थे, ना ही एक प्रतिभाशाली फौजी को, ना ही एक बड़ा जनरल जो पटुके और हथियार के साथ नीचे आ रहा है और एक अलौकिक तलवार या भाला लिए हुए हो जिससे वो जवाब दे सके और रोमी और यूनानी और बाकी के लोगों को दौडाकर समुन्द्र के अन्दर ले जाये और उन्हें फिर से डूबा दे। उसने उनके लिए ऐसा कुछ नहीं भेजा, हालांकि उसने कहा उसने ऐसा एक बार मूसा में किया था, लेकिन तब उन्हें इसकी आवश्यकता थी। लेकिन उन्होंने उनके लिए एक उद्धारकर्ता को भेजा और वे इसे नहीं चाहते थे। उन्होंने सोचा कि वहाँ... वे बचाये गये थे। देखा? आज कलीसिया के साथ इसी तरह से है। इस क्रिसमस के समय पर इसे पाते है, इस सारे क्रिसमस के तड़क–भड़क के साथ, सांता क्लॉस की रोशनी, पागान के लक्षण और इत्यादि कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट कलीसियाओ के अन्दर घुस गए है, और बिल्कुल उतना ही भ्रष्ट जितना ये हो सकता है। और परमेश्वर उनके लिए एक उद्धारकर्ता को भेजता है। क्यों? वचन के लिए वापस आओ। पवित्र आत्मा, परमेश्वर का

मसीहा, उसका अभिषेकित, ताकि उसके कलीसिया को अभिषेक करे और इसे वापस वचन की ओर भेजे। क्या आपको लगता है कि वे इसे चाहते हैं? नहीं, श्रीमान। वे इसे नहीं लेना चाहेंगे। वे उससे मुंह मोड़ देंगे बिल्कुल वैसे ही जैसा वे हमेशा करते हैं।

157 वो एक उद्धारकर्ता को भेजता है, लेकिन वो एक उद्धारकर्ता को तब किसलिए भेजता है? मैं यहां पर थोडा ऐसा कुछ तो बताना चाहता हूं, जिससे आपको मदद मिलेगी। कुछ पहले से ठहराये गए जो लोग है, वे इसे ग्रहण करेंगे। वे वहां पर थे जब वह पहली बार आया था, वे होंगे जब वह दूसरी बार आता है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि कलीसिया की दुनिया इसके बारे में क्या सोचेगी, कुछ... वह इसे व्यर्थ में नहीं भेजता है। कोई तो इसे ग्रहण करेगा। कोई तो इसे पाने जा रहा है, बस ऐसा ही है; लेकिन ना ही राजनीतिक संसार या ना ही राजनीतिक कलीसिया, या जो भी हो। लेकिन जब आप पुकार उठते हैं, और परमेश्वर इसे भेजता है, कोई तो—कोई तो इसे ग्रहण करेगा। यह सही है।

158 उसने एक उद्धारकर्ता को भेजा, ना ही राष्ट्रों को लताड़ कर बाहर करने के लिए। जैसा कि हम सोचेंगे आज, हमें एक ऐसे आदमी की आवश्यकता है, जो खड़ा हो सकता है। अमेरिका एक आदमी चाहता है जो रूस को दस्तक देगा जो इसे नहीं ले पाएगा। रूस एक आदमी चाहता है जो बाकी संसार को निकाल कर और उन्हें चंद्रमा पर ले जाये। लेकिन परमेश्वर हमारे लिए शांति को भेजता है। परमेश्वर हमारे लिए आशा भेजता है। हम इसे नहीं चाहते हैं। ओह, कहते है, "हमारे—हमारे पास शांति हो सकती हैं, राष्ट्र शांति को चाहते हैं।" सच बात है। और उन्हें लगता उनके पास शांती हो सकती है जब यू. एन. एक साथ आ जायेगा। तो ठीक है, यू.एन. इस बात से बहुत दूर है। इस संसार की शांति, जो आज उनके पास है, जो एक रबड़ की तरह है, हवा में उड़ता हुआ गुब्बारा, बस उसके अन्दर भरी हुई जरा सी हवा इसे जिधर भी चाहे ले जा सकती है। निश्चित रूप से। राजनीति का केवल छोटा सा बदलाव इसे एक ओर से दूसरी ओर घुमा देता है। यू.एन में प्रार्थना नहीं कर सकते है, जिसकी वजह कि इससे अन्य लोगों के नाम को ठेस पहुंच सकती है, वे सोचते है कि परमेश्वर में भी विश्वास नहीं करना हैं। क्या यह संतुलित करना नहीं है, बस फिर भी वे फूल जाते है? और एक बात, एक गुब्बारा, किसी से भी फूल जायेगा। आमीन। और यह संसार की कहलाने वाली शांति, यू.एन. और इत्यादि के

द्वारा, उड़ जायेगी। सही। इसमें कोई भी शांति नहीं है। मनुष्य के बनाये पराक्रम से शांति नहीं मिल सकती है। यह वहाँ नहीं है। हर एक हवा के झोके से उठा लिए जाते है!

159 कलीसिया एक को चाहती है। वे चाहते हैं... उनकी शांति के बारे में... हर हवा के सिद्धांत साथ वे भी घुम जाते है। हर एक यहाँ–वहां घुम जाते है, उनमें से एक कहता हैं, "ओह, मैं सोचता हूं कि हमें बस इतना करना है... "

160 आप सोचते है? आप कोई सोच को आने नहीं दे, परमेश्वर ने उसके विचार को व्यक्त किया है। आपको सोचने का कोई अधिकार नहीं है। "वो मन जो मसीह में था, आप में हो।" और उसने इरादा रखा और परमेश्वर की इच्छा को पूरा किया। उसने कहा, "यदि मैं परमेश्वर के कामो को नहीं करता, तो मुझ पर विश्वास मत करो।" समझे? आप कोई सोच को आने नहीं दे। वही वो एक है जो सोच रहा है। आप में उसका मन होने दे, आप केवल वही सोचे, और वो उसका वचन है। आप भला कैसे अलग सोचेंगे? उसने हमारे लिए उसके विचारों को व्यक्त किया है। लेकिन हम हमारी सोच को करना चाहते हैं, "मैं सोचता हूं कि उन्हें ऐसा करना चाहिए।"

161 मैं कल एक प्रिय बुजुर्ग प्राण के साथ गाड़ी में जा रहा था, वहां ऊपर बीमार बच्चे के लिए प्रार्थना करने। और जब हम बीमार बच्चे के पास गए, तो परिवार नहीं चाहता था कि हम इसके लिए प्रार्थना करे, यह तो केवल मनुष्य के विचार थे। हालांकि, सड़क पर, इस महिला ने कहा, जो लगभग इक्कयासी वर्ष एक बूढ़ी महिला है, होशियार, प्रतिभाशाली महिला, बहुत ही अच्छी, लेकिन उसने कहा, "मैं सोचती हूं कि क्या होना चाहिए," (देखो, "मैं सोचती हूं।") "कि सारी कलीसियाओ को एक साथ आना चाहिए और एक होना चाहिए।" बिल्कुल ऐसा ही है जो शैतान सोचता है। लेकिन परमेश्वर उसकी कलीसिया के लिए संसार की चीजों से एक अलगाव को चाहता है। वह नहीं चाहता कि ये कलीसिया की राजनीति के साथ मिश्रित हो। समझे? और क्या होता है यदि परमेश्वर ने संसार के लिए एक मसीहा भेजा? और यही है... वो महिला केवल सारे संसार के विचारों को सोच रही थी। कलीसिया का संगठन क्या है सिवाय उन्हीं विचारो के? विश्व परिषद कलीसिया क्या है, सिवाय एक ही उद्देश्य के, ताकि उसी विचारो को प्राप्त करे? क्या सही है? तो, फिर, उस महिला ने केवल उसी संसार के विचारो को व्यक्त किया।

162 लेकिन यहां बाइबल में परमेश्वर के विचार हैं। हमें कोई अधिकार नहीं होता है कि उस से अलग विचार ले। यही परमेश्वर के विचार हमारे लिए व्यक्त हुए है। हम देखें, संसार को टूट कर बिखरता देख रहे है, और हम किसी चीज के लिए पुकार रहे हैं। आइये इसे ग्रहण करे। अब, यदि इसे ग्रहण करते है, और यह हमें राजनीति में ले जाने के कोशिश करता है, तो यही वो बात है जो हमें भ्रष्ट कर देती है।

163 मेरे पास इस क्रिसचन बिसनेसमेन के राष्ट्रीय नेता को बताने के लिए कुछ है। यह लोगों का एक अच्छा झुण्ड है, लेकिन यदि वे गलत तरीके से आरंभ किया है, वे बाकी उनके जैसे चूर–चूर हो जायेंगे, एक संप्रदाय बन जायेंगे। और मैं चाहता हूं कि आप मेरे लिए प्रार्थना करें और इस व्यक्ति के लिए प्रार्थना करें। मुझे जाना होगा, मुझे उसके लिए परमेश्वर से एक दर्शन मिला है। समझे? और यदि वे नहीं मुड़ते है, यदि वे आगे बढ़ते रहते है, तो वे एक संगठन में आ रहे हैं। और, जब वे ऐसा करते हैं, परमेश्वर इसके साथ और नहीं होता है। ये सही है।

164 देखो, मनुष्य एक साथ नहीं आ सकते है, जब तक वे अपने विचारों को लेने की कोशिश करते हैं। यही कारण है कि परमेश्वर व्यक्तिगत को लेता है। समझे? परमेश्वर व्यवहार नहीं करता है और एक संप्रदाय के साथ कभी भी व्यवहार नहीं किया था। इतिहास में कोई जगह नहीं है कि ऐसा उसने कभी किया हो। वह व्यक्तिगत के साथ व्यवहार करता है, एक मनुष्य से। ये सही है। लेकिन हम एक मनुष्य के झुण्ड को एकसाथ लाने की कोशिश करते हैं, और कहते है, "यह *इस* तरह है और *उस* तरह से है," और इत्यादि। पहली बात आप जानते है, ऊँचे, तेज दिमाग वाले, ये विशालकाय, जिसे शैतान ने अन्दर भेजा है, अन्दर आकर कहते है, "तो, इसे *ऐसे* होना चाहिए। मैं तुम्हे यह साबित कर सकता हूं।" कोई मतलब नहीं रखता आप क्या साबित कर सकते हो, यदि यह वचन के विपरीत है तो, इससे दूर रहो। यह सही बात है। हर एक सिद्धांत के हवा के झोंके से उठा लिए जाते है। इसे कहीं भी फूंक लो और कभी भी फूंक लो। ये सच है।

165 रूस आज एक अभिषिक्त मसीहा के लिए देख रहा है। वे किस के लिए देख रहे हैं? क्या होता यदि परमेश्वर उनके लिए अभिषिक्त मसीहा भेजता, एक मेमने j जैसे उसने उन्नीस सौ वर्ष पहले भेजा था? वे इससे पीछा छुडाते, वैसे ही जैसे हेरोदेस ने किया, इससे छुटकारा पाने की अपनी

पूरी कोशिश करते। रूस की एक मसीहा के लिए क्या राय है? वे एक विज्ञान को चाहते हैं। वे एक अभिषिक्त विज्ञान को चाहते हैं, वैज्ञानिक, एक प्रतिभाशाली जो उनके लिए दुनिया को जीत सकता है, जो उनको हरा सकता है, बाकी की दुनिया चंद्रमा की ओर जाये, जो बाहरी अंतरिक्ष को जीत सकता हो, जो उन्हें सितारों के पार ले जा सकता हैं। इसी तरह के एक मसीहा के लिए रूस देख रहा है।

166 हे परमेश्वर! अब सुनना, हम फिर से क्रिसमस के समय पर हैं। क्या हो यदि ये उन्हें मिल जाता है? तब वे उसके विपरीत कुछ तो देखते है। बाकी के लोगों का क्या, जिसे परमेश्वर ने आने के लिए बनाया है? देखा? देखो, परमेश्वर जानता है कि हमारी क्या आवश्यकता हैं, ना कि हम क्या चाहते हैं। अब उस पर अध्ययन करें। क्या होता यदि रूस को उनका अभिषेकित मिल जाता है? अब, वे एक मेमने को ग्रहण नहीं करेंगे। नहीं, नहीं, वे किसी को भी ग्रहण नहीं करेंगे। नहीं, श्रीमान, वे इसे नहीं चाहते हैं। इसके लिए ऐसा ही है, वे बस इसे नहीं चाहते हैं। वे उस प्रकार से कुछ भी नहीं चाहते हैं। वे अभिषिक्त मसीहा को चाहते हैं। तो ठीक है, *मसीहा* का मतलब होता है, "एक जो अभिषिक्त है।" तो फिर यदि वे उस एक अभिषिक्त को चाहते हैं, लेकिन वे एक अभिषिक्त वैज्ञानिक को चाहते हैं, एक प्रतिभाशाली जो परमाणुओं को लेकर और उनके टुकड़े कर सकता हैं, जो अंतरिक्ष को जीत सकता हैं, जो रूस को चन्द्रमा के लिए ले जा सकता है और पीछे देखकर और खुद की छाती को ठोककर, और कहे, "तुम शेष बचा हुआ संसार असफल हो, हमारी सेवा करो।" यही वह है, यही है जो रूस चाहता है। ओह, हाँ, श्रीमान। आप जानते हैं, सारा संसार पुकार रहा है...

167 ज्यादा समय नहीं हुआ जर्मनी ने उनमें से एक के लिए मांग की। और उन्हें एक मिला। देखिये, उन्होंने इसके साथ भी क्या किया। देखा? आप समझे, क्या आप नहीं समझे? उन्हें एक मिला, हिटलर। और उन्हें खुद के लिए क्या मिला? गड़बड़ी। ऐसा ही है जो इन अभिषिक्त मसीहियों को स्वीकार करने से होता है, यदि आप परमेश्वर के मसीहा को अस्वीकार करते हैं। उन्हें क्या मिला? जब पेंटीकोस्टल आशीषे रूस, या जर्मनी पर उतरी, उन्होंने संदेश को ठुकरा दिया। वे उन पर हँसे और उन्हें जेल में डाल दिया। उन्होंने क्या किया? उन्होंने क्रूस को ठुकरा दिया, और उन्हें एक दुगना क्रूस मिला, स्वास्तिक। आप दया को ग्रहण नहीं करते है, तो

न्याय के आलावा और कुछ भी नहीं बचता है। यह सच है, दोस्तो। अब देखो कि वे आज कहां पर हैं। समझे? ध्यान दें, उनके पास कही भी कोई सदस्यता नहीं है, वे तो केवल एक बिखरे हुए लोग हैं। उन्होंने गलत मसीहा को स्वीकार किया। और यदि रूस को ऐसा ही कोई एक मिलता है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कितना भी अपने प्रतिभाशाली को स्वीकार करे, ये उसी बात पर आ जायेंगे। यह सारे राष्ट्र को नष्ट कर देगा। समझे?

168 भारत आज एक अभिषिक्त व्यक्ति को चाहता है। वे एक मसीहा को चाहते हैं। अब याद रखें, *मसीहा* का मतलब है "अभिषिक्त।" वे एक अभिषिक्त व्यक्ति को चाहते हैं। वे क्या चाहते हैं? वे उस एक को चाहते हैं जो उन्हें खिलाये, उन्हें कुछ तो खाने के लिये दे; उन्हें पहनने के लिए कपडे दे, बिना कुछ काम किए, केवल वहां सड़कों पर चलकर जाये और एक ओर से दूसरी ओर पहुँच जाये। आप वहां पर हैं। वे काम नहीं करना चाहते, वे सिर्फ भीख चाहते हैं। सो वे किसी तरह का एक पवित्र व्यक्ति चाहते हैं कि वो उठ खड़ा हो जो पेड़ के ऊपरी हिस्से पर पहुंच कर और इसे हिला सकता है, रोटी और मांस और—और इत्यादि, वहां उनमें से ऊपर से नीचे गिराये, और वे चारों ओर बैठ कर और खाये, और बाकी दिन भर सोते रहे, और उठे और उनके पास सबसे अच्छे कपड़े हो, और इसी—इसी प्रकार का एक मसीहा भारत चाहता है।

169 रूस क्रिसमस पर अपने अभिषिक्त मसीहा के लिए एक प्रतिभाशाली वैज्ञानिक को चाहता है। यही है वो जिसे वे देना चाहते हैं। भारत एक मसीहा को चाहता है, जो उन्हें खिला सकता है और उन्हें पहनने के लिए कपडे दे, बिना काम किये।

170 अमेरिका, आप क्या चाहते हैं? आपकी राय क्या है, अमेरिका? आप एक मसीहा के लिए पुकार रहे थे। मुझे पता है कि यह टेप किया गया है। आप एक मसीहा के लिए पुकार रहे है। आप क्या चाहते हो? आपके पास वो है, जो आप चाहते थे। आप एक राजनेता को चाहता थे, और आपको ये मिला है। अब आप इसके साथ क्या करने जा रहे हो? वो आपकी खाल को खीच लेगा, यही है वो जो ये करने जा रहा है, ताकि आपको आपकी कब्र पर भेजे। आप इसे चाहते थे, आपके पास अपनी इच्छा है। अब आप इसके साथ क्या करने वाले हैं? अब यह आपके हाथों पर है, आधुनिक अहाब और ईज़ेबेल। वही चीज जिससे आप यहां स्वत्रंता पाने के लिए दौड़ रहे थे, आपने अपने आप को फिर से उसके अन्दर वापस खींच लिया है, लेकिन

यही है वो जिसे आप चाहते थे। आप इस समय के किसी आवारा तरह के बाल कटे हुए रिक्की, आधुनिक एल्विस को चाहते थे, जिसे आपने पा लिया है। आप एक चतुर, तेज दिमाग के साथ एक शिक्षित राजनेता को चाहते थे, जिसे आपने पा लिया है। आपने इसे कैसे किया? एक राजनीति की धूर्तता एक मशीन के द्वारा इसे अन्दर लेकर आये, इन भले लोगों की आंखों पर धुल झोंककर। अब, मैं न तो लोकतंत्रवादी हूं और न ही गणतंत्रवादी, मैं एक मसीही हूं। समझे? समझे? दोनों बाजु सड़े हुए हैं। लेकिन जब एक आदमी जिसने कम से कम मसीह धर्म के विचारों और आशाओं को प्रदर्शित किया, दूसरी तरफ से, और फिर आप मुड़कर और मशीनों को बनाते हैं (क्या करने के लिए?) जिससे प्रतिभाशाली को चुने जिसे आप चाहते थे। आपने इसे कैसे किया? आप उसे टेलीविजन पर डालते है, इसे देश भर में फैलाते हुए, ओह, प्रभु, चुनाव में दोनों राष्ट्रपतियों के बीच मानसिक शक्तियों का परीक्षण करने की कोशिश करते है। होने के लिए... आपने उस व्यक्ति को चुना जिसे आपने सोचा, जिसका तेज दिमाग था, और यह नहीं देख रहे थे कि इसके पीछे क्या था।

171 आप देखते हैं कि आपको अपने लेन–देन में क्या मिला? अहां। अहां। ओह, ये फिर से क्रिसमस है। हाँ, अमेरिका को उसका मसीहा मिल गया है, आप उसके साथ क्या करने जा रहे हो? उसे देखे कि वह आपके लिए क्या करता है। आप केवल याद करे, जैसे की हिटलर ने जर्मनी में किया था। आप केवल याद करे, इसे अपने मन में रखें। यह टेप किया गया है। हाँ। फिर भी, वहां अब भी देश में हो चुकी बेदारीयो की पर्याप्त छाप थी, जिसने काफी सभ्य लोगो को छोड़ा था उनमें परमेश्वर के प्रति डर का मन था, जो उस चीज को बनाते और इसे कुछ समय तक रखे रहते थे। लेकिन आप अपने लिए, अपने ही कारीगरों के द्वारा मशीनों को तैयार करते है, उस एक मशीन को जो वोटों के लिए धोखे का काम कर सकती है, और आपका खुद का समाचार पत्र इसे सारे देश भर में फैला देता है, और आपने इसे सुलझाने के लिए, इसके बारे में कुछ भी नहीं किया। लेकिन आपको यह मिल गया। इसी तरह का एक मसीहा जिसे वे चाहते थे, इसलिए मुझे लगता है कि वे हो सकता हैं आराम से होंगे, उन्हें एक प्रतिभाशाली, एक दिमागवाला, निश्चित ही, चतुर, बहुत ही पढ़ा–लिखा व्यक्ति मिल गया है।

172 और आप अपने प्रभु की शिक्षा को अच्छी और ठीक तरह से जानते हैं, दिन के उस दिन के दुष्ट लोग, और हर समय के, हमेशा ही चतुर लोग रहे

हैं। क्या आप नहीं जानते कि ये कैन के लोग थे, जो वैज्ञानिक बन गए और प्रतिभाशाली, जब कि परमेश्वर के लोग चरवाहे और इत्यादि थे, वे सीधे विनाश के लिए नीचे थे? और ये वे विनम्र गवांर किसान और इत्यादि किस्म के लोग थे और जो नाव में बच गये थे, और प्रतिभाशाली नष्ट हो गये थे। क्या आप नहीं जानते यीशु ने कहा, "इस दिन के, इस संसार के, वे राज्य के बच्चो की तुलना में बुद्धिमान और चतुर है"? क्यों? वे मेमने हैं, उन्हें एक नेतृत्व करने वाले की जरूरत है। और वे बुद्धि के द्वारा अपने नेतृत्व करने वाले को चुनने की कोशिश करते हैं, जो चतुराई करता है; लेकिन नम्र अपने नेतृत्व करने वाले को चुनता है, जो पवित्र आत्मा है। बिल्कुल यही है जो कलीसिया ने किया है संप्रदाय के बडे लोगो को कलीसिया ने चुना है; जबकि, मसीह की वास्तविक देह पवित्र आत्मा और उसके वचन को चुनती है। ये निर्भर करता है, आप किसे नेतृत्व करने दे रहे है। एक मेमने को नेतृत्व करना होता है, और यही है वो जहाँ हमें जाना है।

173 अब उनके पास उनका मसीहा है, उनके अभिषिक्त शिक्षक, चतुर, प्रतिभाशाली। ओह, प्रभु! ऐसा एक राष्ट्रपति कभी भी खड़ा नहीं हुआ है जैसा वो चतुर मनुष्य है। क्यों, वह सही खड़ा होगा और डालेगा... , मैं सोचता हूं आज या आज रात, या किसी और अगले दिन या दो दिन पहले, मैंने इसे प्रसारण में सुना जो एक दिन आ रहा था, कि, उससे केवल वह प्रश्न पूछें जो आप चाहते हैं। निश्चित ही, बस एक—एक शिक्षित मशीन, यही है जिस पर अमेरिका ने भरोसा किया, अब देखते हैं कि आप इसके साथ कहां पहुँचते हैं। अहां।

174 आपने ठुकरा दिया, अमेरिका, आपने मसीह के संदेश को ठुकरा दिया, आपने पवित्र आत्मा को ठुकरा दिया, जो आपके सामने प्रमाणित हुआ था, यहाँ तक ठीक आपकी खुद की सदन की इमारतों में, जहां पर मसीह की सामर्थ ने खुद को प्रदर्शित किया, जो मनुष्य के विचारों को जानता था, वह बीमारों को ठीक कर सकता था और ह्रदय के गुप्त स्थानों को जाँच कर सकता हैं, और बिल्कुल वही कर सकता है परमेश्वर ने कहा कि अंतिम दिनों में होगा, और आपने इसे अस्वीकार कर दिया है। वो बिल्कुल साफ–सुथरा नहीं था। इसने एक चरनी में लिया था। ये देश के लिए दुर्गन्धयुक्त था। और, याद रखें, आपकी राजनीतियां और कलीसियाये भी परमेश्वर के सामने दुर्गन्धयुक्त है। परमेश्वर नम्रता की मीठी सुगंधित खुशबु से प्रेम करता है। कलीसिया इसे नहीं चाहता है, एक झूठी नम्रता। परमेश्वर असली

नम्रता को चाहता है। यही है जिसे वो प्रेम करता है। अब उनके पास उनके बडे–बडे शिक्षित है।

175 कलीसिया, इस एक मसीहा को चाहती है। अच्छा, तो यह क्या चाहती है? यह एक प्रतिभाशाली, संप्रदाय के सिद्धांतो को चाहते हैं, वो एक अभिषिक्त को चाहते है, ताकि—ताकि उन्हें एक स्थान में लेकर आये। मैं यहाँ अपने समय को लुंगा, ताकि आपको पक्का हो जाये ये यहां पर और परदेस में भी ऐसा है। आज कलीसिया प्रतिभाशाली अभिषिक्त को चाहती है जो सबकुछ इतना सही तरह से कर चुका है कि वे संसार में जी सकते हैं, महिलाये अपने बालों को काट सकती हैं, अपने चेहरे को पेंट कर सकती हैं, पुरुष चार पांच बार विवाह कर सकता है और फिर भी डिकन बना रहे, ओह, वे कुछ भी कर सकते हैं जो वे करना चाहते हैं, और फिर भी "मसीह" होने के उनके अंगीकार को बनाए रखे। आप इसे पाने जा रहा है!

176 आप परमेश्वर के मसीह को नहीं चाहते, वो अभिषिक्त वचन, वो वचन प्रकट बना, वचन खुद को आगे ला रहा है। आप उसे नहीं चाहते हैं। परमेश्वर ने इसे आपके लिए भेजा। लेकिन कलीसिया इसे नहीं चाहती है। वे अपने संस्था को चाहते हैं और वे एक प्रतिभाशाली को चाहते हैं, जो सिद्धांतो को तैयार कर सकता है, जहां हर चीज इसके लिए झुकती हो। आपको ये मिल जायेगा, हू–हुह, यह उसके राह पर है। आपके पास इसके लिए बहुत सारे संतान हैं, लेकिन इन दिनों में से एक दिन दादा खड़े होने जा रहा हैं, एक फिरौन जो यूसुफ को नहीं जानता। और यह वही है जो आप चाहते थे, यही है जो कलीसिया... आप देख सकते हैं वे उसी तरीके से कर रहे हैं, हाँ, महोदय, उसी तरह से।

177 प्रकाशितवाक्य 17 स्पष्ट रूप से बताता है, पुरानी वेश्या और उसके पुत्रियों के बारे में। बिल्कुल ठीक–ठीक। और ये सब माँ के घर वापस जायेंगे, और यह ठीक अभी उसकी राह पर है ताकि एक विश्वव्यापी कलीसिया को बनाये। आप बिल्कुल ठीक वैसे ही संप्रदायो को पाने जा रहे हैं, जो आप चाहते हैं। मुझे सुनना! यह तब पूरा हो जाएगा! और हो सकता है मैं उस समय तक चला जाऊंगा। लेकिन जो स्वीकार नहीं करेंगे कि जब संध्या का उजियाला गिरने लगता है और बाहर जाता है, तो वे यहाँ–वहां देखते हैं, कि उन्हें किसी चीज के लिए उनके संप्रदायो के द्वारा उन पर दबाव डाला जाता है, और उनके संप्रदायो ने अपने चेहरों को बचाने के लिए इसे लिया

है। जो, वे सब कुछ करेंगे। लेकिन वे लोग जो उस व्यवस्था को नहीं चाहते हैं, यही परमेश्वर की व्यवस्था को स्वीकार करते है, जो पवित्र आत्मा और वचन है, वे कहते हैं, "वो मनुष्य निश्चिय ही सही रहा होगा।" हो सकता है बहुत देर हो जाये।

178 हम देखते हैं एपिस्कोपलियन, प्रेस्बिटेरियन, बैपटिस्ट, सब कुछ फुल गोस्पल बिसनेसमेन के अन्दर आ रहे है, हर एक पवित्र आत्मा को पाने की कोशिश कर रहा है। क्या लोगों को यह एहसास नहीं होता कि वह यही वो घडी है, कि दूल्हा आता हैं, जब सोयी हुई कुंवारी ने आकर और तेल खरीदने की कोशिश की? यही है जब यीशु ने कहा कि दूल्हा आकर और अन्दर चला गया, और वे अंदर नहीं गये। इन पुरुषों के साथ क्या मामला है? उस पर चिल्लाते है, जब कि बाइबल साबित करता है कि वे अंदर नहीं गए? और जिस समय वे इसे करने की कोशिश कर रहे थे, दूल्हा आ गया, और उन्हें बाहरी अंधकार में डाल दिया गया। ये क्या था? हो सकता है कि वे उनके पास सभी प्रकार के गतिविधियां थी, सभी प्रकार की बनावट, सब प्रकार की—की ऐसी उत्तेजना जो शायद इसके प्रमाण की तरह दिखाई देती हो, लेकिन कलीसिया अन्दर मोहरबंद हो चुकी है और वह जा चुकी थी। हूं–हुंह। यह भविष्यवाणी हो सकती है।

179 वे कुछ तो चाहते हैं, वे ऐसा कुछ चाहते हैं कि वे कैसे भी जी सकते हैं जैसे भी वे चाहते हैं। वे, यही है जिसके लिए कलीसिया की दुनिया देख रही है। कोई जो जिसमें कि वे शहर की सबसे बड़ी कलीसिया में जा सकते हैं, जहां शहर की सारी हस्तीयाँ संबंध रखती हैं। उनके पास इमारत पर सबसे ऊँची चोटी हो सकती हैं। उनके पास सबसे अच्छे बजाने के वाद्य उपकरण हो सकते है। उनके पास बैठने के साधन हो सकते हैं। उनके पास एक सेवक हो सकता है जो उन्हें एक शब्द नहीं कहेंगा, वे जिस तरह से जीते हैं, यदि वे नाचना चाहते हैं, वे किसी प्रकार का तमाशा करवाना चाहते हैं, वे छोटे कपडे पहनना चाहते हैं, वे अपने बालो को छोटा करना चाहते हैं, या वे इन चीजों को करना चाहते हैं, वे सिगरेट पी सकते हैं, या बस सामाजिक चलन के लिए पी सकते है। कलीसियाओ में यही चलन है। बस एक चलन के लिए पीना, बस अपने बच्चों को पीना सिखाते है, लेकिन बहुत ज्यादा नहीं पीना है, ये हद से ज्यादा नहीं होना चाहिए। सिगरेट पीयो, पर हद से ज्यादा नहीं—नहीं। जो कुछ भी आप पहनना चाहते हैं, पहने, लेकिन केवल खुद को सभ्य के जैसे बनाये रखने की कोशिश करें जैसे

आप जानते है कैसे करना है या जैसे आप कर सकते हैं। देखा? ओह, यह ढोंगीपन है! वह अभिषिक्त शैतान! उस चीज को संप्रदाय कहा जाता है! उस चीज़ को धर्म कहा जाता है! यह शैतान का है। मसीह और उसके वचन की ओर वापस आओ! इस अभागी पीढ़ी से खुद को बचाओ। आपमें से हर एक जन पश्चाताप करो, इससे पहले पश्चाताप में बहुत देर हो जाये, और ये ऐसा किसी भी समय हो सकता है।

180 जब हम सोई हुई कुंवारी को इस तरह से अभिनय करते हुए देखते है, इससे ऐसा दिखाई देता है, ये लोगों को उनके ज्ञान से डरा देते है। लेकिन बजाय इसके, वे, "ओह, महिमा, क्या यह अद्भुत नहीं है! हाल्लेलुय्या!" ओह, प्रभु! लोग कितनी दूर तक जा सकते हैं? हू–हुंह। वे किस तरह की अवस्था के अन्दर जा सकते हैं, उनके राजनीतिक दिमाग से, उनकी आधुनिक धारणा के साथ, और परमेश्वर वचन के बारे में उतना नहीं जानते है, जितना एक होटेंटोट जाति जो एक मिस्त्रीयों की रात में करती है उसके बारे में जानते है। सही है! केवल इसकी एक—एक धर्म ज्ञान की धारणा, या कुछ मनोवैज्ञानिक चीज है जो उनके लिए एक रीति–रिवाज या किसी तरह की चीज़ के तरीके से प्रस्तुत की गयी है, और इसके साथ पेंटीकोस्ट बहुत ही घटिया हो गये है। उच्चारण के लिए क्षमा करें। इस तरह की बहुत सारी बाते है, महिला प्रचारक और इत्यादि की, ये घास की जड़ें हैं। सही है! और वहाँ आप हो। नाचना, रॉक–एंड–रोल, शिक्षा, इस प्रकार की एक—एक कलीसिया जिसे संसार चाहता है। इसी प्रकार के मसीहा को वे चाहते हैं, वही एक जो उन्हें एक साथ जोड़ सकता हैं। आप उस एक को एक पाने जा रहे हैं। हू–हुंह। इसका आत्मा ये पहले से ही मनुष्यो के बच्चों के बीच काम कर रहा है। ये सही है। फिर भी वे मसीहत का दावा करते है, उन्हें ये मिलने जा रहा है।

181 परमेश्वर ने उनके लिए भेजा, भेजता है... 1963 में, यदि परमेश्वर 1963 में हम पर भेजता है, वही अभिषेक जिसे उसने वहां पर पहले आरंभ में किया था, हम इसे ठुकरा देंगे जैसा उन्होंने तब किया था। क्योंकि, यदि वो एक अभिषिक्त, मसीहा, कलीसिया में आया, वह वैसा ही होगा जैसे बाइबल ने कहा कि वह था। इब्रानियों 13:8, ये कहता है, "यीशु मसीह कल, आज, और युगानुयग एक सा है।" तो यदि हम एक मसीहा के लिए प्रार्थना करते हैं, एक जो अभिषिक्त है, अभिषिक्त एक, क्या, हम एक धार्मिक राजनेता को चाहते हैं? [कलीसिया कहती हैं, "नहीं।"—

सम्पा।] क्या हम एक प्रतिभाशाली सेना को चाहते हैं? ["नहीं।"] क्या हम एक शिक्षित वैज्ञानिक चाहते हैं? ["नहीं।"] और आप एक मेमने को चाहते हैं। ["आमीन।"] एक मेमने चाहते हैं जो आपको वापस लायेगा, आपकी खुद महिमा के लिए नहीं, लेकिन वापस वचन के लिए। वापस! एक जो आपको सत्य बताएगा चाहे वह जो भी है, देखो, इसके साथ बने रहें, इसके क्रम में आ जाये। वे इसे नहीं चाहते हैं। यदि वह आज आता है, तो वह वैसा ही होगा जैसे वह तब था, वह पूरी तरह पिता के वचन के साथ बना रहेगा। उसे पक्का होगा कि हर एक वचन जिसकी बाइबल में प्रतिज्ञा की गयी थी वो मनुष्य के पुत्रों के लिए प्रकट की गयी थी। बिल्कुल ऐसा ही है।

182 यीशु ने कहा, "कौन मुझे पापी साबित कर सकता है? कौन मुझ पर पाप का दोष लगा सकता है, अविश्वास का? यदि ऐसा कुछ है जो पिता ने इसे नहीं कहा कि मैं ऐसा करूंगा, तो यदि मैं इसे नहीं करता हूं तो मुझे बताओ कि मैं कहाँ चुक गया हूं।" आमीन। "मुझे बताओ मैं कहाँ गलत हूं।" आमीन। आप जानते हैं, अविश्वास पाप है। ये सही है। हम यह जानते हैं। "कौन मुझे दिखा सकता है जहां मैंने पूरा नहीं किया है," उसने कहा, "हर एक वचन जो पिता ने कहा कि मैं करूँगा? कौन मुझ पर अपनी उंगली उठा सकता है और कह सकता है कि मैंने इसे नहीं किया? तुम में से कौन है?" तब उन्होंने उसे वापस क्यों उत्तर नहीं दिया? क्योंकि इसकी भविष्यवाणी की गई थी कि वे ऐसा करेंगे। लेकिन वह पिता के शब्द को रखता है, बिल्कुल ठीक वैसे ही जैसे उसने पहले स्थान पर किया था। उसने बिल्कुल ठीक वैसे ही रखा, क्योंकि वह नहीं बदल सकता, क्योंकि परमेश्वर वचन है। इसके लिए वो बिल्कुल वही है, जो वह है, वह वचन है। और वह वचन क्या है? वो पवित्र आत्मा है जो परमेश्वर का वचन लेकर और इसे प्रकट करता है। बिल्कुल यही है जो यीशु मसीह... जब परमेश्वर वो आत्मा, वो पिता, उसके पुत्र के रूप में हमारे बीच में देहधारी हुआ, उसने परमेश्वर के वचन को लेकर और इसे प्रकट किया, इसे लोगों को दिखाया, और वे इसे उस तरह नहीं चाहते थे। उनके पास उनके खुद के धर्म मत थे, उनके पास उनके खुद के संप्रदाय थे, और यह उनके सभी संप्रदायों के विपरीत था, इसलिए उन्होंने इसे ग्रहण नहीं किया।

183 और आज भी ये ऐसी ही बात होगी। यदि मसीहा आता है, वह उन बातों को लेगा जिसकी परमेश्वर ने यहां प्रतिज्ञा की थी, और इस बाइबल

में, और उन्हें प्रकट करेगा, मनुष्यों के पुत्रों के सामने और हर संप्रदाय उससे मुड जायेगे। वे इसे नहीं चाहते हैं। उनका इसके साथ कुछ लेना देना नहीं है। लेकिन यही है वो जो परमेश्वर ने उनके लिए भेजेगा। यदि वो उनके लिए कुछ भी भेजता है, तो वह यही होना है। और फिर वे इसे दोषी ठहराते है और वे इससे खुद पर दोष लायेंगे, इस पीढ़ी के लोगों के लिए, वैसे ही जैसे यहूदियों ने उस दिन में किया था, और बाकी के लोगों ने। जी हाँ श्रीमान। आप जानते हैं वह क्या करेता, यदि वह मसीहा 1963 में आता है, तो वह क्या करेगा, आप जानते हैं कि वह क्या करेगा? वह हर एक संप्रदाय को फाड़ डालता, जो हमारे पास है। वह उस चीज़ को जमीन से उखाड़ देता।

184 ठीक है, वे कहते, "वह कहाँ पर जाता, डॉक्टर *फलां–फलां* के पास और या *किसी न किसी* डॉक्टर के पास? "

185 वह कहता, "तुम अपने पिता शैतान से हो, और उसके कामो को तुम करते हो।" बिल्कुल यही है जो वो कहेगा। वह किसी भी तरह से उन्हें एक घुसा नहीं मारेगा। उसने आरंभ में भी ऐसा नहीं किया, और वह आज भी वैसा ही है, जैसा वह तब था। कुछ भी जो वचन के विपरीत था, वो इसे बतायेगा। वह कहेगा, "तुम अपने पिता शैतान से हो, और उसके कामो को तुम करते हैं। उनके वचन के विपरीत बातों को करते हो।" यह सही है। और मसीहत का चिन्ह उसके पीछे जाता है। ये सही है। उसे उनके लिए खड़े होकर और कहने दो, "क्या मैंने इसे नहीं किया जिस बात ने जगह ली है? तुम में से कौन मुझ पर अविश्वास का दोष लगा सकता है? " देखा?

186 लेकिन वे उसे एक कठपुतली बनाने की कोशिश करते, उसे यहाँ से वहां, एक स्थान से दूसरे स्थान पर लिए फिरते जैसे फरीसी ने किया। उसे वहां पर लेकर आये ताकि उसका कुछ मनोरंजन करे, उसके आस–पास के मेहमानों के एक बडे झुण्ड को लेकर आये, यह साबित करने के लिए कि वो एक भविष्यवक्ता नहीं था। आप उस कहानी को जानते हैं जिस पर मैंने प्रचार किया है। देखो, वे आज भी उसी काम को करते है, क्योंकि वो जो एक साथ लाने के लिए कर सकता है, जिससे कि उनके लिए मनोरंजन को लेकर आये, वे उसी काम को करेंगे। और वह जाता है, हाल्लेलुय्या! वह जाना चाहता था, क्योंकि वह हमेशा ही जाता है, जहां उसे आमंत्रित किया जाता है। जब कि वह जानता था कि वह फरीसी क्या करेगा। वह जानता

था कि फरीसी का उसके लिए कोई उपयोग नहीं था। वह जानता था कि कहीं तो कोई एक आस्तीन को चढ़ाये हुए है। उन फरीसियों का उसके साथ कुछ लेना–देना नहीं था, वे उससे नफरत करते थे। और यह बुढा शमौन चाहता था कि वह वहां पर आये ताकि वह अपने स्थान के आस–पास भीड़ को ला सके। लेकिन वो इसे जान गया। वह अंदर चला गया। क्या उसने उस पर ज्यादा ध्यान दिया? वे बडे पदाधिकारी थे, जिस पर वो ध्यान दे रहा था। वह बिना धुले पैरो के साथ पीछे बैठ गया। आज भी वही बात होगी। वे मसीह को नहीं चाहते हैं। वे परमेश्वर के तरीके को नहीं चाहते हैं, आप देखते हैं।

187 जी हाँ, यीशु कहेगा, "तुम अपने पिता शैतान से हो।" और वे पुरुष जिन्होंने उन नियमो और आदि और हर एक चीजों को उनके संप्रदाय और संस्थाओ में बनाये रखा है, केवल शब्द के लिए, वे हल्के से लेंगे। और यीशु ने कहा, "तुमने अपनी संस्थाओ को लेकर और अपनी रीति–रिवाजो से परमेश्वर के वचन को बेअसर बना दिया है।" और इब्रानियों 9:12 वहां पर कहता है, मैं सोचता हूं, नहीं, यह इब्रानियों 12... नहीं, 9:12, मैं सोचता हूं कि यह ठीक वही कहीं आस–पास है, उसने कहा कि "जब हम साफ और क्षमा किये जाते हैं, तो हमारे मरे हुए शारीरिक काम शुद्ध हो जाते हैं।" और जब हम वास्तव में यीशु मसीह के लहू के द्वारा हमारे पापों के लिए क्षमा किये जाते हैं, पवित्र आत्मा हमारे अंदर आता है और हम शारीरिक कार्यों के साथ मर जाते हैं। ओह, आप जो पेंटीकोस्टल कलीसिया है, आपने इस तरह की एक गलती को क्यों किया? आप अंधे, अंधे अगुवाही करते हैं! क्या आप नहीं जानते कि आप उससे पचास वर्ष पहले बाहर आये हैं, और इन लोगों के इस समूह को वापस इसके अन्दर खींच लिया है? क्या आप प्रभु के वचन को नहीं सुन सकते? सूखी हड्डियों, तुम्हारे साथ क्या मामला है? आप उसे ग्रहण नहीं करना चाहते, जो आपके लिए भेजा गया, वह आपको प्राप्त नहीं होगा। उन्होंने तब नहीं करना चाहा, वे अब भी नहीं करेंगे।

188 अब, आप क्या जानते हैं? फिर से, फिर से उसकी योजनाये और संप्रदाय और संस्थाओ के संसार की योजनाये, टूट कर बिखर रही है। मनुष्य की योजनाये टूट कर बिखर रही है। परमेश्वर ने हमें कभी एक संस्था का प्रस्ताव नहीं दिया था। उसने हमें कभी एक संप्रदाय का प्रस्ताव नहीं दिया था। मैं चाहता हूं कि कोई मुझे बाइबल में से दिखाए, जहां उसने

कभी ऐसा किया हो। मैं आपको दिखा सकता हूं कि उसने आपको कहाँ इसे नहीं करने के लिए कहा था। तुम मुझे दिखाओ जहां उसने कहा हो ऐसा करो। आप कहते हैं, "तब, भाई ब्रन्हम, यीशु ने मनुष्य के लिए क्या प्रस्ताव किया? " एक राज्य। हाल्लेलुय्या! और वो राजा है, संतों का राजा, प्रभुओ का प्रभु। उसने हमारे लिए एक राज्य का प्रस्ताव किया। ना ही एक राजनेता, ना संप्रदाय के नियम; लेकिन एक राज्य। उसने कहा... पिलातुस, पिलातुस ने कहा, "क्या तू यहूदियों का राजा हैं? "

189 उसने कहा, "तुमने ये कहा है।" उसने कहा, "यदि मेरा राज्य इस संसार का होता था, मेरे लोग मेरे लिए लड़ते, लेकिन मेरा राज्य ऊपर से है।"

190 और हम इन संसार की चीजों को क्यों पकडे रहे जब कि हम उस राज्य के बच्चे हैं, जो ऊपर से है? समझे? वहां पर कुछ तो कहीं गलत है। लेकिन हमें एक सिद्धांत का प्रस्ताव नहीं किया गया था। हमें एक संगठन का प्रस्ताव नहीं किया गया था, हमें दुनिया के एक—एक राजनीतिक शासन का प्रस्ताव नहीं किया गया था, लेकिन हमें नम्रता का साम्राज्य दिया गया था, मेम्ने के जीवन की नाई हम में है। ना ही संसार का, आप अब संसार के नहीं हैं। "छोटे बच्चो, आप संसार के नहीं हैं। मैं प्रार्थना करता हूँ, पिता, जैसे कि मैं संसार का नहीं हूं, कि वे संसार के ना हो।" समझे? यीशु ने हमारे लिए यही प्रार्थना की। और फिर भी हम वापस घूम जाते हैं और खुद को सांसारिक बातो में डालकर इससे जुड़ देते हैं, जहां सभी प्रकार के लोग होते है। अब, आप जानते हैं संसार में एक भी कलीसिया नहीं है, लेकिन ढोंगीयो से भरा हुआ है। और यीशु ने कहा, "अविश्वासियों के बीच खुद को जुए में मत जुतो।"

191 सो एक संगठन के लिए क्यों जुए में जूते, जब परमेश्वर के राज्य ने आपको यह प्रस्ताव दिया है कि आपने इसमें जन्म लिया है? और इस में एक भी ढोंगी नहीं है! सभी शुद्ध, बिना मिलावट परमेश्वर के पुत्र और पुत्रीयां, जो उसके वचन पर विश्वास करते हैं, उत्पत्ति से लेकर प्रकाशितवाक्य तक, और इसके साथ बने रहते है। और आपका जीवन यह साबित करता है, और परमेश्वर अपने वचन को प्रमाणित करता है। वही मसीह है। यही मसीहा की पत्नी है। और परमेश्वर उस सिद्धांत में शिक्षकों, पास्टरो को, भविष्यव्यक्ताओं, और इत्यादि, को निर्धारित करता है, जिससे की वहां उसमें उसकी साफ़–सुथरी मसीहत को बनाए रखे, ना की संप्रदाय रीति–

रिवाजो के साथ मिश्रित हो, लेकिन उस चीज को निकालकर साफ़ करता है और कलीसिया को शुद्ध रखता है, मसीह और उसके वचन के लिए, बिना मिलावट का बनाये रखता है।

192 आपको लगता है कि कलीसिया उसे ग्रहण करेगी? वे इसे बाहर कर देंगे। इसके साथ कुछ लेना–देना नहीं रखना चाहते हैं। उनके पास अपनी खुद की राजनीतिक व्यवस्था है। और जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका के पास उसके प्रतिभाशाली है, सो कलीसिया उसके प्रतिभाशाली व्यक्ति को लेने जा रही है। उन्हें ये मिल जाएगा, आप केवल देखते रहे। यह ठीक अभी उसके राह पर है। उन्होंने अपने आप इसके अन्दर उलझा दिया है।

193 लेकिन हमारे पास एक राज्य है, और इस राज्य में, वो अनन्त जीवन है। सदस्यता नहीं, लेकिन अनंत जीवन। और इसे एक अनंत राजा के द्वारा नियंत्रित किया जाता है। अनन्त जीवन से भरा, एक अनन्त राज्य, जिसे अनंत राजा के द्वारा नियंत्रित किया जाता है, एक अनंत लोगों के लिए जो दुनिया की नींव डालने से पहले ठहराये गए थे। "फिर जिन्हें उस ने पहले से ठहराया, उन्हें बुलाया भी; और जिन्हें बुलाया, उन्हें धर्मी भी किया है; और जिन्हें धर्मी ठहराया, उन्हें महिमा भी दी है," इब्रानियों 11। यह सही है।

194 अब, यह उस बात पर निर्भर करता है आप किसके लिए देख रहे हैं। यदि आप अब्राहम हैं, आप उस राज्य के लिए देख रहे हैं। मैं आज सुबह आपको यह दिखा सकता हूं। जी हाँ, श्रीमान। अब, अनंत काल से भरा एक अनंत राज्य, जिसे नियंत्रित किया जाता है, उसके अनंत वचन के द्वारा, कुछ पहले से ठहराये अनंत लोगों के लिए। वो रहा। क्यों? यह हमेशा से था, हमेशा होगा, ना कभी आरंभ हुआ था या अंत हुआ था। परमेश्वर के मन में यह वही... जब यह परमेश्वर की अनंता के साथ था। और परमेश्वर का उद्देश्य पूरा किया जाएगा।

195 तो यह संसार बिखर रहा है। उसे बिखरने दो, यह ठीक है, यह है इसे किसी भी तरह से करने जा रहा है। मीका ने यहाँ क्या कहा, मीका यहाँ पर क्या बोलता है? पहाड़ गिरने लगेंगे, यह मोम की तरह पिगल जायेंगे और जैसे कि ऊपर से एक—एक हिम पिघलकर गिरती है, या बल्कि किसी प्रकार का एक गर्म झरना। वह पिघल कर और बिखर जाएगी, लेकिन यहोवा हमेशा के लिए बना रहेगा। "सभी देह घास के नाई है, परमेश्वर की सांस इसे

उड़ा देती है कि चाहे यह फूल हो, घास हो, कितना भी सुंदर हो, यह सुख जायेगा; लेकिन हमारे परमेश्वर का वचन हमेशा के लिए बना रहता है," यशायाह 40 मसीहा के आने की भविष्यवाणी कर रहा था, जो ऐसा कहता है। हमारी सारी संस्थाये, सांप्रदायिक प्रणाली, पढ़े–लिखे, प्रतिभाशाली, और बाकी के इत्यादि, नाश हो जायेंगे, लेकिन परमेश्वर का वचन हमेशा के लिए रहेगा। "इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया को बांधूंगा, अधोलोक के फाटक इसके खिलाफ प्रबल नहीं हो सकते हैं।"

196 हम क्रिसमस के समय पर हैं। मैं नहीं जानता था कि हमें ये दिन का समय मिलने वाला था। जब मैं इस समय की आवश्यकता को सोचता हूं तो मैं बस खो जाता हूं। मैं जल्दी करूँगा। हाँ। और हमने इस राज्य में जन्म लिया हैं और कह सकते हैं... हम—हम मसीह है जो विश्वास करते हैं और इस राज्य में हैं। अब, इब्रानियों की पुस्तक के—के अंदर, हमने थोड़ी देर पहले पढा, "क्योंकि हमने एक राज्य को पाया है।" ना ही एक संस्था, ना ही एक प्रणाली को पाया है। "एक ऐसा राज्य जो कभी हिलाया नहीं किया जा सकता है।" संसार बिखर रहा है। यह सत्य है। और हर राजनेता, हर संप्रदाय और हर कलीसिया टुकड़े– टुकड़े होकर बिखर गयी हैं, लेकिन हमें एक ऐसा राज्य मिलता है, जो कभी भी हिलाया नहीं किया जा सकता है। "क्योंकि यदि वे जिन्होंने उसे ठुकरा दिया जिसने सिनाई पर्वत पर से बात की थी, और उसकी आवाज़ ने पृथ्वी को नीचे तक हिलाकर रख दिया, तो आप कितना अधिक देखते हैं कि आप इसे ना ठुकराये" (किसे?) "उसे, उसका वचन जो स्वर्ग से बोलता है, उसके राज्य से, क्योंकि हम ऐसे राज्य में हैं, जो कभी हिलाया नहीं किया जा सकता है।" आमीन। हर एक चीज जो उस के बाहर है... परमेश्वर ने जो सब कुछ भेजा है, उसने इसे नाजुक बनाया है, इसलिए यह टूट जाता है। इस तरह की नाजुक स्थिति में, इसे टूटना है। ये नाजुक है। लेकिन, याद रखें कि हमें एक ऐसा राज्य मिला है जो अब मजबूत है, जब बाकी की सारी चीजे गिरती जाती है और वापस चली जाती है। कोई आश्चर्य नहीं कि एडी पेरोननेट ने कहा, "मसीह जो मजबूत चट्टान है मैं उस पर खड़ा हूं, बाकी के सारी जमीने धंसती हुई रेत हैं।" एक राज्य! ना ही एक राजनीतिक व्यवस्था, ना ही एक कलीसिया के नियम, ना ही एक संप्रदाय की प्रणाली; यह सब फरीसी और शैतान के ओझा बन जाते है। लेकिन हमें एक राज्य मिला है, एक अनंत राजा, जो अनन्त वचन है, जिसके पास अनंत जीवन है; अपने अनंत वचन के द्वारा,

अपने अनंत लोगों के लिए, जिनके पास अनन्त जीवन हैं, और हम इसके भागीदार हैं। ओह, प्रभु! यही वो बात है।

197 अब, ऐसा कुछ भी जो आपको उससे दूर खींचता है, वह गलत है, यह एक झूठा मसीहा है, एक झूठा अभिषेक। ओह, उसने कहा, "भाई के पास ऐसा अभिषेक था!" किस तरह का अभिषेक? ऐसा ही है। हिटलर के पास भी अभिषेक था। खुरुसचेव के पास भी एक अभिषेक था। पोप पियस के पास भी एक अभिषेक था। आपके पास किस प्रकार का अभिषेक है? यदि यह इस वचन के साथ अभिषेक नहीं किया गया है और हर एक वचन सत्य होने के लिए प्रमाणित नहीं हुआ है, इसे ऐसा ही छोड़ दे। गलत है। यासी ये अपने आप में उत्पन्न नहीं होता है, तो यह अंकुरित नहीं है। यह उसके रंग को दिखाएगा। ओह, कहते है, "लेकिन वो किसी और युग के लिए था। हम... " उस चीज़ को अपने हाल छोड़ दो। यीशु मसीह कल, आज, और युगानुयग एक सा है। जी हाँ, श्रीमान।

198 इसलिए जब यह संसार टूट कर बिखरता है, तो हम एक राज्य में जन्म लेते हैं जो टूट कर बिखर नहीं सकता है। क्या आप विश्वास करते हैं कि संसार टूट कर बिखर रहा है? इसके नियम टूट कर बिखर रहे हैं। क्या आप यह विश्वास हैं? क्या आप विश्वास करते हैं, आर्थिक प्रणाली टूट कर बिखर रही है? राजनीतिक व्यवस्था बिखर रही है। राष्ट्रीय, यू.एन की व्यवस्था टूट कर बिखर हो रहा है। कलीसिया टूट कर बिखर रही है। संप्रदाये टूट कर बिखर रही हैं। हर एक चीज बिखर रही है। लेकिन हमें एक ऐसा राज्य मिला जो कभी हिलाया नहीं किया जा सकता है, यह परमेश्वर का अनंत राज्य है, इसे हिलाया नहीं जा सकता है।

199 हमें बताया गया है कि इस संप्रदाय की नई प्रणाली, ये यहां पर विश्व परिषद कलीसिया को ला रही है, जो पृथ्वी पर शांति लाएगी। क्या ही एक—एक निरादर की बात है, मसीह के मुंह पर क्या ही एक—एक बुरी आलोचना है! क्या ही अनादर की बात है, निरादर की बात है, यह शैतान की ओर से है। एक मनुष्य कुछ तो बेहतर संगठित कर सकता है उसके मुकाबले जो परमेश्वर उनके लिए भेज सकता है? बाबुल की मीनार! यह एक दूसरा बाबुल है जिसे अवश्य ही गिरना है। धरती पर शान्ति? एक झूठा मसीहा! अपने ही शिक्षण में एक मसीह विरोधी। आप कैसे इन संप्रदाय को एक साथ हरायेंगे जबकि वे यहाँ तक... वे यहाँ तक एक दूसरे के साथ सहमत भी नहीं हो सकते हैं, जब कि वे अब इस तरह के छोटे–छोटे

सिद्धांतो में अलग हो गए है, कि, भला कैसे वे सभी एक साथ जुड़कर और वहां पर पहुंचेंगे? जी हाँ। देखो, यह एक झूठी तैयारी है। इस सबको किया गया है ताकि प्रोटेस्टेंटिज्म को रोमनवाद में डाला जाये। एक झूठी, मसीह विरोधी की शिक्षा।

200 परमेश्वर का राज्य इस संसार का नहीं है। यीशु ने ऐसा कहा। "मेरा राज्य इस संसार का नहीं है।"

201 इसलिए यदि वो राज्य इस संसार में संगठित किया गया है, तो यह एक झूठा मसीहा है, यह मसीहा जो प्रोटेस्टेंट कलीसिया को बहुत ही जल्द प्रस्ताव करने जा रहा है, जिसे वे ले लेंगे, क्योंकि वे इसके लिए रुके हुए हैं। वे इस प्रणाली के लिए देख रहे हैं, जो बना सकता है, "तो ठीक है, अब, हम मेथोडिस्ट और बैपटिस्ट, निश्चिय ही, हम—हम एक प्रकार से एक साथ सहमत हैं, आप जानते हैं। हम—हम प्रेस्बिटेरियन, हम पेंटीकोस्टल, ओह, उनमें क्या भिन्नता है, भाई? " एक भिन्नता है! परमेश्वर आपको भिन्न बनाता है। "लेकिन, तो ठीक है, हम बस इसे बलिदान करते हैं।" और आपका महान सुसमाचार का शिक्षण, आप इसे छोड़ देते हैं। भला आप कैसे वहां उन लोगों के झुण्ड के साथ जा रहे हैं जो कुछ भी विश्वास नहीं करते हैं, उनमें से कुछ लोग तो नास्तिक है? और जो झूठा मसीहा है यही है। यह सही है। जी हाँ, श्रीमान।

202 अब, परमेश्वर का राज्य इस संसार का नहीं है। और जब मसीह यहाँ पर था, वह हमें इस राज्य की योजना को देता है। उसने हमें परमेश्वर के राज्य की योजना को दिया, पिता का राज्य, जो उसका वचन है। अब, यदि आप जानना चाहते हैं कि आप उस राज्य में कैसे पहुंचते हैं, यह इन शब्दो में है। यदि आप किसी अन्य दरवाजे पर से अन्दर आते हैं... आपको उसी दरवाजे में से आना होगा उसमें से जो बाकी के अन्दर आते हैं। यदि आप कही और से प्रवेश करने की कोशिश करते हैं, क्यों, आप एक चोर और एक डाकू के समान हैं। और उसने कहा, "जो भी इसमें एक शब्द जोडेगा, या इससे एक शब्द निकालेगा, उसका (उसका भाग) जीवन की किताब से निकाल दिया जायेगा।" तो यदि आप दावा करते हैं कि आपका नाम जीवन की किताब में था, यदि आपने किया है, तो इसे निकलने ना दे।

203 जब पेंटीकॉस्ट के दिन पर पतरस ने राज्य के लिए दरवाजा खोला। उसने खोला। तब वो राज्य येरूशलेम में स्थापित किया गया था। मैं चाहता हूं कि कोई व्यक्ति मुझे बताए कि कलीसिया का आरंभ रोम से हुआ है। मैं चाहता हूं कि कोई तो मुझे यह साबित करे। कलीसिया का आरंभ रोम में कभी भी नहीं हुआ है, कलीसिया का आरंभ येरूशलेम में हुआ है। पेंटीकॉस्ट के दिन पर राज्य को स्थापित किया गया था। और जब मनुष्य ने जानना चाहा कि इस राज्य में कैसे पहुंचे, पतरस ने कहा, "आप में से हर एक जन पश्चाताप करे, और अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह का नाम में बपतिस्मा ले, और तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे।" यही कारण है जो उन्हें राज्य में डाला जाता है। कोई भी अन्य नीति, संप्रदाय के जरिये या हाथ मिलाने, या कुछ भी और, वो झूठा मसीहा है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितने लोकप्रिय है, और आप कितने प्रसिद्ध होंगे, और आप हो सकता है एक डिकन हो, एक पास्टर भी हो, या बिशप, या प्राचीन या राज्य के अध्यक्ष, कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या हैं, यह तब तक झूठा है जब तक आप परमेश्वर के नम्र मेमने और उसके राज्य में वापस नही आते हैं।

204 अब देखो। और उसने हमें एक योजना को दिया, जो पिता का वचन है। और सच्चा विश्वासी इसे पकडे रखता है, क्योंकि वह इसकी सहायता नहीं कर सकता, यह परमेश्वर का राज्य उसमें है। और जैसे की अब्राहम, उसने परमेश्वर के वचन के विपरीत कुछ भी चीज को ऐसे बताया जैसे हालाँकि यह नहीं थी। और यदि कोई आपको बताता है कि संप्रदाय परमेश्वर की है, आप अब्राहम की तरह बने रहे। यदि कोई आपको बताता है कि आपको छिड़काव करना चाहिए, या किसी तरह का ऐसे ही कुछ, सिद्धांत या कुछ और जो परमेश्वर के वचन के विपरीत है, आप इसे विश्वास नहीं करना। आप इसे ऐसे मानना, जैसे कि यह था ही नहीं। यदि वे कहते हैं, "तो ठीक है, अब, प्रिय, *ऐसा* करने से आपको कोई नुकसान नहीं होगा।" आप इस पर विश्वास नहीं करना, जब परमेश्वर ने... कहा, "इससे महिलाओं को कोई नुकसान नहीं है, कि वो अपने बालों को कटवाये," जब परमेश्वर का वचन कहता है कि ऐसा करने से यह उसके लिए घृणित है। जब आप कहते हैं, "क्यों, मैं पतलून पहनती हूं। मैं छोटे कपडे नहीं पहनती।" परमेश्वर ने कहा एक स्त्री, एक पुरुष के जैसे कपड़ों को डालेगी, यह उसके लिए एक घृणित है। बाइबल ने कहा कि एक महिला के लिए बालों को कटवाना

गलत है, यह उसके लिए प्रार्थना करना भी असामान्य बात है और इसी प्रकार की इत्यादि बातें। यहाँ तक कि उसके सिर को खुला रखना, वह अपने सिर का अपमान करती है। परमेश्वर इसे मना करता है! और वो सिद्धांत जो आपको बताता है कि ऐसी कोई बात नहीं आप इसे कर सकते है, आप इसका विश्वास मत करना। यह एक झूठा अभिषिक्त है। यह एक झूठा मसीह है। यह परमेश्वर के वचन के खिलाफ है। धर्मी जन परमेश्वर के वचन को पकडे रहता है, क्योंकि यह परमेश्वर के अनंत व्यवस्था की योजना है।

205 जब परमेश्वर ने एक पुरुष को बनाया, तो उसने उसे अलग तरह से बनाया। एक स्त्री बनाई, उसने उसे दूसरी तरह से बनाया... उसे एक और तरह से बनाया। वहां दो भिन्न वाचाये है, दो अलग–अलग योजनाये है, दो अलग–अलग जो कुल मिलाकर उनके बीच में थी। और वे एक जैसे नहीं दिखते हैं। वे एक जैसे नहीं दिखते हैं, वे एक जैसे व्यवहार नहीं करते हैं, वे पूरी तरह से अलग हैं। और महिलाये पुरुष की तरह बनने की कोशिश करती है, और पुरुष इतना कायर हो गया है कि वह एक औरत की तरह हो गया है। मैंने कल सिनसिनाटी में एक लड़का देखा, जो श्रीमती केनेडी की तरह लग रहा था, जिस तरह से उसके बाल थे, यह वैसे ही कटे थे। परमेश्वर चाहता है कि एक पुरुष, एक पुरुष की तरह दिखे! वो चाहता है कि एक स्त्री, एक स्त्री की तरह दिखे!

206 मैं आपको बताता हूं, शैतान के इस ईज़ेबेल की प्रणाली ने सारे संसार को भ्रष्टता में डाल दिया है, इसमें एक भी अच्छा स्थान नहीं है। यह सभी सड़े हुए घाव है, कैंसर के घाव, ये शैतान की दुष्टता है जो उस व्यवस्था में से बहुत ही महत्वपूर्ण भाग को खा रही है जिन्हें वे यहां स्थापित कर चुके हैं। शैतान एक गिद्ध की तरह खाने वाला है, अपने खुद के राज्य में। वह एक शैतान है, वह एक अशुद्ध है, वह एक झूठ का पिता है, वह अपने लोगों के मांस को खाता है। वो शैतान!

207 मसीह राजाओ का राजा है और प्रभुओ का प्रभु है, अभिषिक्त मसीहा है। विश्वासी उस वचन को पकड़ता है। परमेश्वर और उसका वचन एक है। मैं और मेरा वचन एक हैं। आप और आपका वचन एक हैं। फिर अपने विचारो का सहारा मत ले; उसके विचारो को प्रयोग करे, तब आप परमेश्वर का एक भाग होते हैं, क्योंकि उसका वचन और आप एक बनते है। समझे? तब आप राज्य में हैं।

208 अब्राहम ने परमेश्वर के प्रतिज्ञा के विपरीत कुछ भी चीज को ऐसे बताया जैसे हालाँकि यह नहीं थी। हां, वह... जैसे मनुष्य के बनाये हुए सिद्धांत, वो आज, वही चीज को करता है। फिर ऐसे राज्य में होना... मैं बंद करने जा रहा हूँ, मैं बस इनमें से कुछ लिखी बातों को छोड़कर बंद कर दूंगा। देखो, यह है... ऐसे राज्य में होना, क्या होता है? अब, इन सबको ताड़ना देना है, लेकिन आदर से, और सम्मान में, और सच्चाई से, जिसे मुझे परमेश्वर के वचन के द्वारा, पवित्र आत्मा के द्वारा मुझे आदेश दिया गया था, उस झुंड को देखने के लिए कि उसने मुझे वहां पर बैठाया है, इसके प्रति सम्मानजनक होने ले लिए, इसके साथ बने रहने लिए चाहे जो कुछ भी आने दो, केवल इसे दाये और बाये हिलाकर और यहाँ इस वचन के साथ बने रहना है। यह आदेश दिया गया है। फिर यदि हम एक राज्य को ग्रहण करते है...

209 "भाई ब्रन्हम, ये सभी अन्य लोग कहते हैं, 'आप कौन से संप्रदाय से संबंधित हैं?'"

कहो, "किसी से नहीं।"

"आप क्या हैं?"

"क्योंकि हम एक राज्य में हैं।"

"ठीक है, आप इसमें कहां मिलते हैं? आप कहाँ पर जाते हो?"

210 "हम मसीह यीशु में स्वर्गीय स्थानों में बैठे हैं, जो ऊपर हमारे राजा की उपस्थिति में उठाए गए हैं।" वो राज्य! महिमा! अब मैं धार्मिक महसूस कर रहा हूं। परमेश्वर का राज्य जहां वे एक साथ मिलते हैं, पवित्र आत्मा सीधा उन्हें राजा की उपस्थिति में ऊपर उठाता है, और हम एक साथ स्वर्गीय स्थानों में बैठते हैं जब हम मसीह यीशु में बपतिस्मा को लेते हैं। यही वह स्थान है जहां से हम संबंध रखते हैं।

211 पत्नी ने मुझसे कहा जब हम बाजार गए थे, मैंने आपको बताया था, पिछली गर्मियों में, हमने देखा कि एक महिला ने एक पोशाक पहनी थी। यह अजीब सी चीज दिखाई दे रही थी। वह अजीब लग रही थी। देखा? उसने कहा, "ऐसा क्यों है? हम इन महिलाओं को जानते हैं। उनमें से कुछ यहीं–कहीं कलीसिया की गायक मंडली में गाती हैं।"

212 ओह, दोस्तो! मैं यह कहने जा रहा हूं, भले ही यह टेप हो रहा है, हो सके तो इसे किसी भी तरह से बताऊं। आप जानते हैं, और मैं इसे आदर

और सम्मान में कहता हूं। केवल इसे पकडे रहे। आपने हजारों, हजारों बार उन्हें मंच पर आते देखा है, और आपने इसे हर बार वहां पर आते देखा है, बिना एक बार चुके। और भाई आर्गनब्राइट यहां संसार के उस भाग के बारे में जानते है, जो हम यहाँ–वहां विदेशों में जाते रहे हैं, एक बार भी इसे बिना चूके, लेकिन सच्चाई को बताते है। जब मैं इन स्थानों पर जाता हूं, और इन कलीसिया की गायक मंडली के कपड़ो के लिबास को देखता हूं, वे महिलाएं और पुरुष जो उन गोल्गोथा (घेरदार कपडे) गाऊन के साथ वहां खड़े होते है, और उन्हें उन स्वर्गदूतों की तरह गाते सुनता हूं; आत्मा की परख के साथ वहां पर देखता हूं, यदि—यदि मैं आज सुबह पांच लोगो को सारी दुनिया में से उठाता था, जो बुराई से दोषी नहीं रहा था, मैं नहीं जानता कि मैं इसे कहां पा सकता हूं। यह एक बयान है, लेकिन यही सच है, परमेश्वर इसे जानता है। मेरे हाथ यहाँ बाइबल पर है। यह सही है, मुझे नहीं पता कि मैं उन्हें कहां पाऊंगा। देखो, यदि परमेश्वर ने कहा, "उन पांच को ले आओ जिन्हें तुम जानते हैं।" मैं कहूंगा, "मैं नहीं जानता, मैं कहाँ जाऊँ। ओह, प्रभु! कैसा सिद्धांत है! कैसी गंदगी है!

213 यही है को जिसे संसार चाहता है। यही था वो जिसे वो तब चाहता था, यही है वो जिसे वो अब चाहता है। यही है वो जिसे वो अब पाने जा रहा है। पुरुष वहां खड़ा है, जो अपने साथ वाले पुरुष की पत्नी के साथ बाहर जाता है। शराब पीना, धूम्रपान करना और साथ ही इसे ढाकने के लिए एक गाउन (लम्बा लिबास) को पहनता है। सोचो, और परमेश्वर उस अंजीर के पत्ते के जरिये से देखता है। वो हव्वा भी उसके हृदय में इतना दोष और गंदगी को लिए खड़ी है, यदि यह पानी में बदल जाता था, एक नाव तैरने लगेगी। और वो उस प्रकृति के द्वारा दी गई एक प्रतिभा के साथ गीत गाने के लिए खडी होती है, और उसकी आवाज़ को इतना खीचती है, जब तक उसका चेहरा लगभग काला नहीं पड़ जाता, किसी दूत की तरह गाने की कोशिश करती है, इसी प्रकार से कुछ तो और ही करती है और, उस गाउन के अन्दर, एक शर्मनाक, भद्दी, गंदगी होती है। और आप पुलपीट पर खड़े हो सकते हैं और इसे बता सकते हैं, और वह अपने उन रंगे हुए होंठो को ऊपर मोड़ते हुए, और इमारत से बाहर निकल जायेगी, यह कहते हुए कि, "मुझे उस तरह की चीजों को नहीं सुनना है।" लेकिन आप किसी दिन अधोलोक में दया के लिए चिल्ला उठेंगे। यह तब बहुत ही देर हो चुकी होगी। आपको इसे ग्रहण करना है, जब आपको इसे ग्रहण करने का मौका

मिलता है। और आप! ओह, प्रभु!

214 लेकिन कलीसिया को एक राज्य मिलता है कि जब हम स्वर्गीय स्थानों में बैठते हैं और परमेश्वर की उपस्थिति में उठाए जाते हैं मसीह यीशु में स्वर्गीय स्थानों में बैठते हैं, यह जानते हुए, विश्वास के भरोसे के साथ, कि हम अपने अभिषिक्त राजा की उपस्थिति में हैं। ओह! वहां एक नया आकाश और एक नई धरती को आगे आना है, और जो कभी भी फिर से अलग नहीं होगा जब तक अनंत काल रहता है। हम उस नये आकाश और धरती के लिए देख रहे हैं। जो यह एक है, आप जो भी चाहते हैं आप इस सबको प्राप्त कर सकते हैं। अपने लिए, मैं इस एक को चाहता हूँ।

215 यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपका अपना लगाव किस में हैं। यह निर्भर करता है कि आप कौन से पद से जुड़े हुए है। आप अपने सांप्रदायिक पद से जुड़े होते हैं, आपको ठीक इसके साथ जाना होता हैं। यदि आप इस संसार के किसी भी चीजों से जुड़े हुए हैं, कोई राजनीति और इसी तरह की चीजें, और उस पर भरोसा करते हैं, आप इसके साथ डूबते जायेंगे।

216 लेकिन मेरी आशाये यीशु के लहू से कम किसी पर भी नहीं बनी हुई है, जो धार्मिकता के साथ है। और वे सारे जो मेरे ह्रदय के करीब है दूर चले जाते है, और हर सेवक मुझ से मुंह मोड़ देता है, और हर संस्था मुझे बाहर कर देती है, और यहाँ तक मेरे पास जाने के लिए एक स्थान भी नहीं है। वही मेरी सारी आशा और बने रहने का स्थान है। उस चट्टान पर, मसीह पर, जो मजबूत चट्टान है, मैं खड़ा हूँ, बाकी सारे स्थान डसती हुई रेत है। किसी दिन मैं शायद हो सकता है कही तो एक कब्र में दफनाया जाऊंगा, समुन्द्र के नीचे, एक हवाई जहाज में नष्ट हो जाऊं, एक ट्रेन या एक गाड़ी में मारा जाऊं, ये जो कुछ भी हो जिसे परमेश्वर ने मेरे जाने के लिए चुना है, लेकिन एक बात यह है, मैं जानता हूं कि मैंने अपने प्राण को उस ओर शरण स्थान के विश्राम में, उसके वचन में लंगर किया है। मुझे विश्वास है कि यह परमेश्वर का वचन होना चाहिए।

217 परमेश्वर को किसी चीज़ से संसार का न्याय करना है। यदि वह कलीसिया के द्वारा न्याय करता है, इसमें से वो एक कौन है, जिसके द्वारा वह न्याय करेगा? क्योंकि, ऐसी कोई एक चीज नहीं है जिसके द्वारा

न्याय किया जा सके। तब केवल एक चीज है जो बचती है, उसका वचन, यह अनन्त है, इसे जोड़ा या निकाला नहीं जा सकता है।

218 मैंने वहां अपने प्राण को लंगर किया है, सादगी के साथ अपने हाथों को मेरे बलिदान पर रखते हुए, यह स्वीकार करते हुए कि मैं बिल्कुल अच्छा नहीं हूं। मेरे अन्दर कुछ भी नहीं है, ओ प्रभु परमेश्वर। उस मसीहा को मुझ पर भेजें और मेरे अस्तित्व को बदल दे, जो मैं था, और मुझे अपने खुद के आचरण में बनाये जिस तरह से आप मुझे बनाना चाहते है।

219 इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितना एक देह को जला सकते हैं, आप एक व्यक्ति को कितना नष्ट कर सकते हैं, आप उनके विरोध में कितना बात कर सकते हैं, या जो भी वह कहता हैं, किसी दिन वह हमें फिर से खड़ा करेगा। और एक ऐसा राज्य है जिसे हम पाते हैं जो हिलाया नहीं किया जा सकता है। ओह, प्रभु!

220 और, याद रखें, ये सारी महिमामय बात, जिसका अब हम स्वर्गीय स्थानों में बैठे हुए आनंद ले रहे हैं, ये तो केवल एक झलक है। हाल्लेलुय्या! यह एक झलक है कि क्या आने वाला है। यह तो केवल आने वाली एक संगीत की रचना (सिम्फनी) का परिचय है। ओह! हाल्लेलुय्या! इस चिल्लाने और प्रशंसा करने और महिमा करने, मेमने को ऊँचा उठाने के बारे में बात करें! एक दिन जब वे दूत पृथ्वी के चारों ओर खड़े हो जाते हैं, पृथ्वी की गोलाई के चारों ओर, झुके हुए सिर के साथ, और सुनते है कि वो छोटा सा लहू से धुला हुआ झुण्ड उन यीशु मसीह के लहू के छुटकारे के गीतों को गाता है, ओ परमेश्वर, मैं उनके साथ शामिल होना चाहता हूं। मुझे अब उसके साथ मेरे स्थान को लेने दो। मुझे अपना आश्वासन करने दो, यीशु मेरा है, मैं उसे और उसके वचन को ले लुंगा। हाँ।

221 बंद करते हुए, मैं क्रिसमस के लिए इस छोटी सी कहानी को कहना चाहता हूं, ताकि वे बच्चे इसे समझ सके। और यदि मैंने आपको बहुत लंबे समय रोके रखने से खेदित किया है... कल एक छोटी सी महिला... भाई ब्राउन ने लगभग एक घंटे का प्रचार किया, उस अभिषिक्त व्यक्ति का बहुत ही अद्भुत उपदेश था। महिला ने कहा, "उसने बस ऐसे ही उन्हें लंबे समय तक रोके रखा।" पौलुस ने सारी रात प्रचार किया था। वे वहां पर बैठे हुए थे, इतना तक उन्हें बहुत नींद आने लगी, और शायद घंटों के बाद घंटों बैठने पर, और एक साथी नीचे गिर गया और अपने आप मर गया। और

पौलुस ने खुद को उसके ऊपर पसार लिया, कहा, "चिंता मत करो।" बस सही बात पर ध्यान दो।

222 एक बुढा मोची हुआ करता था, और मैं सोचता हूं कि वो जर्मनी में था। जहां वो उनके जूते बनाता था। और एक दिन जब... अपने खाली समय में, वह अक्सर बाइबल को लेता और वह इसे पढ़ता था। वह वचन के संदर्भ और पाठ को पढ़ता था, और वह वास्तव में बहुत ही सच्चा हो गया। उसने कहा, "तुम जानते हो," उसने कहा, "मैं—मैं... जब इस बार क्रिसमस नजदीक आता है, मैं किसी भी क्रिसमस के पेड़ को उजागर नहीं करूँगा।" लेकिन उसने कहा, "तुम जानते हो क्या?" उसने कहा, "मैं एक—एक बड़ा रात्रि का भोज करने जा रहा हूं, और मैं अपने लिए खाना पकाऊंगा... अपने मेमने को भुनुंगा और मैं अपने क्रैनबेरी, और अपने सारे मसालों और इत्यादि को लेकर आऊंगा।" और वह केवल खुद ही था। और उसने कहा, "मैं इसे टेबल पर तैयार करके रखुंगा और मैं अपनी तरफ से यीशु को मेरे सामने बैठने के लिए आमंत्रित करूँगा। मैं परमेश्वर के मसीहा को जानना चाहता हूं और उसके लिए जो भी आदर में कर सकता हूं।" उसने कहा, "मैं—मैं यह वो सब करूँगा। और फिर मैं मेज पर बैठकर और मैं आशीष को मांगूंगा, और मैं परमेश्वर को धन्यवाद देना चाहता हूं, जो भी वो मुझे देता है। और फिर मैं कहुंगा, 'हे प्रभु यीशु, क्या आप यहां सामने आकर और यहाँ बैठना नहीं चाहेंगे, बस मेरे साथ क्रिसमस के रात्रि भोज के लिए?'"

223 सादगी में, परमेश्वर हमेशा सुनता है, जो सच्चाई में है। और उस बूढ़े मोची ने अपना पैसा बचा कर रखा ताकि वह इस तरह के रात्रि भोज को कर सके, आप जानते है, और राजाओं के राजा को आमंत्रित करेगा। और उसने इसे नीचे रखा, और उसने इसे पकाया था, और वह इसे एक टेबल पर तैयार करके रख दिया। और उसने खुद को बहुत ही अच्छी तरह से साफ किया, और—और खुद को तैयार किया, और अपने बालों को कंगी से सवांरा। और वह नीचे टेबल पर बैठ गया, और यीशु के लिए एक कुर्सी को तैयार करके रखा, और कुछ और कुर्सियां चारों ओर रखी हुई थी। "यह शायद चेलो के लिए हो सकती है," उसने कहा, "यदि शायद वे अंदर आ जाये तो।"

224 तो उस बूढ़े व्यक्ति ने अपना सिर झुकाया और उसने आशीष को माँगा, और—और भोजन के लिए परमेश्वर का धन्यवाद किया। और उसने कहा,

"अब, यीशु, क्या आप आकर और मेरे साथ इस क्रिसमस के नहीं रात्रि के भोज को नहीं करना चाहेंगे? " और उसने खाना आरंभ किया और कुर्सी की ओर देखने लगा। कोई नहीं आया। उसने थोड़ा कुछ और खाया, और उसने कहा, "प्रभु परमेश्वर, मैंने आपको अपने घर में आमंत्रित किया है। क्या आप आकर और मेरे साथ नहीं रहना चाहेंगे? " और उसने वहां आगे जाकर और कुछ तो खाने के लिए लिया, और किसी ने तो दरवाजे पर दस्तक दी।

225 और वो दरवाजे पर गया। वह एक बूढ़ा व्यक्ति था, कंधे झुके हुए थे, फटे पुराने वस्त्र। उसने कहा, "कृपालु श्रीमान, महोदय, मुझे ठंड लग रही है, क्या आप मुझे गर्म होने देंगे? "

226 और उसने कहा, "अंदर आ जाइये।" और वह अंदर आया और उस भोजन की खुशबु की सुगंध आने लगी, उसके मुंह में एक तरह से पानी आ गया, वह पीछे मुडा। कहा, "क्या आप बैठ जायेंगे? " कहा, "मैं अतिथि की अपेक्षा कर रहा हूं, लेकिन क्या आप बैठ जायेगे और अब मेरे साथ खायेंगे, जब तक अतिथि नहीं आ जाता है? "

227 उसने कहा, "धन्यवाद। मुझे खुशी होगी।" और वह बैठ गया, और उन्होंने रात्रि का भोज किया। उस बूढ़े व्यक्ति ने उसे धन्यवाद दिया, उठ कर और चला गया।

228 और वो—वो मोची पीछे मुड़ा, उसने कहा, "प्रभु परमेश्वर, आपने मुझे क्यों निराश किया? " कहा, "मैंने सब कुछ पूरी तरह से तैयार करके रखा था। मैंने वह सब किया जो मैं करने के जानता था।" यदि आप बस ऐसा करें! "मैंने वह सब किया जो मैं करने के जानता था, और सोचा था कि आप आकर और मेरे साथ भोजन करेंगे।" और वह रोने लगा, और दौड़कर और बिस्तर के पास गया और गिर गया। और वह वहां बिस्तर पर पड़ा हुआ था। "मैंने—मैंने—मैंने वह सब कुछ किया, जो मैंने सोचा था कि सही था, प्रभु, और आप मेरे साथ भोजन करने के लिए क्यों नहीं आए? "

229 और एक आवाज उसके पास आई, और उसने वचन को याद किया, "जैसा कि तुम ने जो मेरे इन छोटे से छोटे लोगो में से किसी एक के साथ किया, वह मेरे ही साथ किया।"

230 हां, इरेनीयस... मैं क्षमा चाहता हूं, यह संत मार्टिन था। एक क्रिसमस के ठंडे दिन से पहले, एक गरीब बुढा भिखारी सड़क पर पड़ा हुआ था, जमा हुआ। लोग जो माननीय थे वहां से गुजर सकते थे, और बस उस बुढे भिखारी को देखते। "तो ठीक है, उसे कुछ भी नहीं हुआ है, वह तो बस एक भिखारी है। उसे वही पड़े रहने दो रहो।" और मार्टिन खड़ा हुआ और देखा कि क्या उनमें से कुछ जो लोग इसकी सहायता कर सकते हैं क्या करेंगे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

231 अंत में, मार्टिन खुद नहीं... वह—वह परमेश्वर पर विश्वास करता था, लेकिन वह एक सैनिक पुरुष था। उसके पास केवल एक कोट था। उसने कहा, "यदि वो बूढ़ा आदमी इसी तरह पड़ा रहता है, वो जमकर मार जायेगा।" तो उसने अपनी तलवार को लिया और उसके कोट को फाड़कर दो भाग किया, वहां जाकर और इसमें बूढे भिखारी को लपेटा, और कहा, "शांति से सो जाओ, मेरे भाई।" और चला गया।

232 और उस रात सैनिको के कमरों में, उसके जूतो को चमकाने के बाद और वहां लेट गया, उसे नींद आ गयी। और कुछ आवाज़ ने उसे जगा दिया। उसने अपने सामने उसे खडा देखा, और वहां उस पुराने कोट के टुकड़े में यीशु लिपटा हुआ खड़ा था जिसे उसने भिखारी को लपेटा था।

233 तब इन विषयों में मैं क्या कर सकता हूं? इनके साथ मुझे इन बातों में क्या करना चाहिए जिससे मैं जान जाऊं कि यह सही है, इन चीजों को प्रमाणित किया गया है और साबित किया है कि वे सही हैं? मैं क्या कर सकता हूँ? कलीसिया को ढांपो, एक संस्था में नहीं, या एक संप्रदाय में, लेकिन उसके वचन के द्वारा यीशु मसीह के लहू में। इसलिए यीशु ने कहा, "तुमने इनके साथ जो क्या किया है, तुमने मेरे साथ किया है।"

आइये प्रार्थना करे।

234 प्रभु यीशु, यदि आप आज सुबह यहाँ खड़े थे, प्रभु... मैं जानता हूं कि आप आत्मिक रूप में खड़े हैं। लेकिन सचमुच यदि आप यहाँ खड़े होते थे, मैं नहीं सोचता हूं कि मैं अपने विषय को जरा भी बदलता। मैं विश्वास करता हूं कि मैंने बस उन्ही बातों को कहा है। और विश्वास करता हूं, स्वर्गीय पिता, ये लोग जो अपने स्वाभाविक भोजन को खाए बिना यहां बैठे पर हुए है और कर्कश थकी हुई आवाज को सुन रहे है, लेकिन यदि आप यहां पर खड़े होते थे, तो वे अब और खड़े भी नहीं हो पाते थे, क्योंकि वे

विश्वास करते हैं कि आप यहां पर हैं, क्योंकि यह है आपका वचन है। यह दिखाता है कि वे आपसे प्रेम करते हैं।

235 हम बहुत आभारी हैं इस क्रिसमस पर पवित्र आत्मा की उपस्थिती के लिए जो हमें निर्देशित करता है और केवल हमें दिखाता है कि क्रिसमस क्या है। जब हम इस संसार को टूट कर बिखरते हुए देखते हैं, इसके सिद्धांत टूट रहे है। लेकिन हम बहुत ही खुश है, हम बहुत ही आभारी हैं कि हमारे पास एक राज्य है और हमारे पास एक राजा है, और इसे हिलाया नहीं किया जा सकता है। और जब वहां कोई भी संसार और नहीं होगा, जब कोई भी और राजनीति नहीं होगी, जब कोई भी और राष्ट्र नहीं होगा, तब परमेश्वर उसके राज्य को स्थापित करेंगा और धर्मीजन उसके साथ राज्य करेंगे। जिन्होंने उसके साथ दुख उठाया वे अब और दुखी नहीं होंगे।

236 इस क्रिसमस के समय में, प्रभु, अभिषिक्त मसीहा के महत्त्व को याद रखने में हमारी सहायता करें। समझने में हमारी मदद करें।

237 हमारी इस सभा को आशीष देना। उनके साथ रहना, हमारे पिता, और उन्हें पवित्र आत्मा में धार्मिकता और शांति देना। हमारे पास्टर को आशीष देना। प्रभु, हम उनसे प्रेम करते हैं। यह साहसी सेवक जो केवल वफादारी से खड़ा रहता है। और, एक रात वो बोल रहे थे, कहा, "मैं यहाँ लगभग साठ वर्ष का हूँ।" उनके छोटे–छोटे बच्चे है। लेकिन याद करे, वो इसे याद कर सके, प्रभु, उसे कोई भी यहाँ से नहीं ले जा सकता है, जब तक आप तैयार न हों। यदि आप आने में देरी करते है, मैं प्रार्थना करता हूं कि वह जीवित रहे अपने सभी बच्चों को विवाहित देखेगा और उनके पास खुद के घर हो। उसकी बहुमूल्य छोटी पत्नी, आपकी छोटी सी दासी को आशीष देना। हमारे डिकनो और हमारे खजांचीयों को आशीष दें।

238 और, परमेश्वर, मैं क्रिसमस के लिए आभारी हूं, इन सभी मेरे दोस्तो के लिए जो उस बर्फ में से होते हुए यात्रा की है, और चिकनी सड़कों और बारिश पर से होते हुए आये हैं, और अपने सामानों को लेकर और सैकड़ों, सैकड़ों मील दूर से आते हैं। परमेश्वर, मुझे नहीं पता अब और क्या कहना है। मैं भरोसा करता हूं कि आप इसका बाकी का प्रकट करेंगे, जो मेरे ह्रदय मे है। और होने पाये मैं हमेशा ही इस राज्य के प्रति विश्वासयोग्य रहूं, जिसे आपने हमारे अंदर रखा है। होने पाये मैं कभी समझौता नहीं कर सकता, ना ही, दायें या बाये। मुझे अच्छी तरह याद है जब आपने मुझे बताया था,

"ना दायें हाथ को जाना या ना बाये हाथ को, तो तुम्हारे रास्ते सफल होंगे। तब तुम्हारे पास अच्छी सफलता होगी।" हो सकता है दुनिया की आंखों में नहीं हो। और मुझे परवाह नहीं है कि दुनिया क्या सोचती है, मैं जानना चाहता हूं कि आप क्या चाहते हैं, प्रभु। अपकी इच्छा हमारी है... आपकी इच्छा हमारी इच्छा है। ओह, आपकी छोटी से छोटी इच्छा हमारे लिए एक जीवन बंधी हुई आज्ञा है, प्रभु। हम आपके कलीसिया के रूप में खड़े हैं।

239 अब हमें क्षमा करना जो इस वर्ष के दौरान हमने किया है, जो गलत है और जहां हम बहुत से स्थानों में चुके है, और हमें शक्ति दे, प्रभु। और होने पाये, हम क्रिसमस के उत्सव के इस समय पर, हम परमेश्वर के अभिषिक्त मसीहा के लिए अपने ह्रदय को खोल दे। होने पाये, वो हमारे जीवन में आकर और हमें अभिषेक करे, और उसकी इच्छा को जीये, और उसके राज्य को लाये, हमारे जीवन से होकर गुज़रने के लिए। हमें अच्छी तरह से स्वस्थ रखें।

240 इस मेरे पुराने साहसी मित्र को आशीष देना, जो मेरे पास बैठे हुए है, भाई आर्गनब्राइट। हे परमेश्वर, आप किस तरह से उसके साथ रहे थे, और उसने किस तरह से बहुत सी बार उसके ह्रदय को स्थिर किया था और कुचला था, लेकिन फिर भी हम विश्वास करते हैं कि वह अनंत जीवन के साथ अंकुरित हुआ है। इसकी छोटी पत्नी को आशीष दे। मैं बड और फ्रेड और अपने लिए सोचता हूं, हे परमेश्वर, कैसी हमारे पास ये महान संगती है।

241 हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमें एक साथ आशीष देंगे। हमारी छोटी सी कलीसिया को आशीष देना, इन सारे बहुमूल्य लोगो को। और किसी दिन, प्रभु, जबकि हम बहुत ही... हम चाहते हैं कि हमारी आंखें दुनिया की चीजों से इतनी पवित्र हो कि हम केवल परमेश्वर और उसके राज्य को देख सके, कि किसी दिन हम मसीह के सामने प्रस्तुत किए जायेंगे, निर्दोष, एक शुद्ध कुंवारी के रूप में, उस महान कलीसिया का एक हिस्सा है जो उसके सामने आना है।

242 और फिर हम उस आने वाले समय की प्रतीक्षा करेंगे जहां आप अपने राज्य को पृथ्वी पर तैयार करेंगे, प्रत्यक्ष घरों के साथ प्रत्यक्ष लोग होंगे, और ना ही वे बोयें और इससे कोई और दूसरा खाये, लेकिन वे अनंता के

लिए जीते रहेंगे। तब तक के लिए, हम एक प्रकाश बनें जिसे एक ऊंचाई पर रखा जाये, एक दीपक जो उन सबको प्रकाश देता है जो हमारे चारों ओर है, एक धार्मिक जीवन के द्वारा, मसीह के लहू से पवित्र किया गया। इसे प्रदान करे, पिता। यीशु के नाम में हम प्रार्थना करते हैं।

243 और, हे प्रभु, इन रूमालों पर, इन बीमारो के लिए प्रार्थना करने के बाद, और हमने उन पर हाथो को रखा है, अपने आप को उनके साथ जोड़ते हुए, मैं इन रूमालों पर मेरे हाथ रखता हूं, परमेश्वर की ओर मेरी प्रार्थना को साथ जोड़ते हुए। और इन रूमालो और लोगों के साथ, परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप इन लोगों में से हर एक को चंगा करे जिनका ये रूमाल का प्रतिनिधित्व करते हैं। होने पाये आने वाले वर्ष के दौरान उनके पास अच्छी सेहत और शक्ति हो, पिता। परमेश्वर के आदर और महिमा के लिए, हम यीशु के नाम से मांगते हैं। आमीन।

मैं उससे प्रेम करता हूँ, मैं उससे प्रेम करता हूँ
क्योंकि उसने मुझसे पहले प्रेम किया
और मेरा उद्धार खरीदा
कलवरी के पेड़ पर।

244 अब जब हम इसे फिर से गाते हैं, तो हम अपने आस–पास के व्यक्ति के साथ हाथ को मिलाये। केवल, कहते रहे:

मैं उससे प्रेम करता हूँ, मैं उससे प्रेम करता हूँ
क्योंकि उसने मुझसे पहले प्रेम किया...

भाई आर्गनब्राइट, यह है... ? ... [भाई ब्रन्हम हाथ को मिलाना जारी रखते है—सम्पा।]

अब हमारे हाथों को उसकी ओर उठाये।

मैं उससे प्रेम करता हूँ (अब बहुत जोर से) मैं उससे
प्रेम करता हूँ (इसी तरह)
क्योंकि उसने मुझे पहले प्रेम किया
और मेरा उद्धार खरीदा
कलवरी के पेड़ पर।

245 और अब इस शब्दों को, हम सभी इसे एक साथ कहेंगे। हमें एक राज्य मिला है। [कलीसिया दोहराती है, "हमें एक राज्य मिलता है।"—सम्पा।]

जिसे कभी हिलाया नहीं किया जा सकता है ["जिसे कभी हिलाया नहीं जा सकता है!"]। आमीन!

246 अब हम खड़े हो जाये। अब, हमारे हाथों को उठाये और हमारे हृदय को परमेश्वर के लिए उठाये, आभार के साथ, वास्तव में, हमारे पुरे हृदय से, "मैं उससे प्रेम करता हूँ!" और केवल इस क्रिसमस के समय पर उसके लिए इसे व्यक्त करें।

मैं उससे प्रेम करता हूँ, मैं उससे प्रेम करता हूँ
क्योंकि...
और मेरा उद्धार खरीदा
कलवरी के पेड़ पर।

247 इसके तुरंत बाद ही अब एक बपतिस्मा की सभा को किया जायेगा। और आप जिनको जाना है, हम आभारी हैं कि आप यहां थे, और आप हमेशा ही उस राज्य में बने रहे, जिसे कभी हिलाया नहीं जा सकता है। जबकि हम अपने सिरों को कुछ समय प्रार्थना के लिए झुकाते है, मैं अपने बहुमूल्य भाई आर्गनब्राइट से कहुंगा, यदि वे यहाँ पर आ जाये और कुछ शब्द की प्रार्थना से इस सभा को समाप्त करे।

संसार का टूट कर बिखरना HIN62-1216

(The Falling Apart Of The World)

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 16 दिसम्बर, 1962 को ब्रन्हम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया। इसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2018 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org